राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 सीएम योगी डेली 4-5 जिलों में कर रहे सभा अखिलेश.....

आई के जनक जेफ्री हिंटन ने गूगल से दिया इस्तीफा तकनीक के खतरों..... 10

वर्ष : 13 | अंक : 345 | नई दिल्ली, बुधवार, 03 मई, 2023 | बैशाख कृष्णा पक्ष, द्वादशी, विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

श्रीराम के बाद कांग्रेस को हनुमान से भी परेशानी : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस समेत तमाम राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुट गए हैं। 10 मई को होने वाले मतदान से पहले राजनेताओं की धुंआधार चुनावी रैलियां हो रही हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राज्य के होसपेट इलाके में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस पार्टी को प्रभु श्री राम से भी तकलीफ होती थी और अब जय बजरंगबली बोलने वालों से भी तकलीफ हो रही है। पीएम मोदी ने कहा, 'भाजपा कर्नाटक की मान-मयार्दा और संस्कृति पर कोई आंच नहीं आने देगी। बीजेपी कर्नाटक के विकास के लिए, यहां के लोगों को आधुनिक सुविधा देने के लिए... नए अवसर देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।' कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस समेत तमाम राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुट गए हैं। 10 मई को होने वाले मतदान से पहले राजनेताओं की धुंआधार चुनावी रैलियां हो रही हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राज्य के होसपेट इलाके में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस पार्टी को प्रभु श्री राम से भी तकलीफ होती थी और अब जय बजरंगबली बोलने वालों से भी तकलीफ हो रही है। पीएम मोदी ने कहा, 'भाजपा कर्नाटक की मान-मयार्दा और संस्कृति पर कोई आंच नहीं आने देगी। बीजेपी कर्नाटक के विकास के लिए, यहां के लोगों को आधुनिक सुविधा देने के लिए... नए अवसर देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।' दरअसल, कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को घोषणापत्र जारी किया। इसमें वादा किया गया कि प्रदेश में जाति व धर्म के आधार पर 'नफरत फैलाने' के लिए बजरंग दल और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) जैसे संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। उसका कहना है कि ऐसे संगठनों को प्रतिबंधित करने की कार्रवाई भी हो सकती है। मुख्य विपक्षी दल ने कहा, 'कांग्रेस जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले संगठनों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने को प्रतिबद्ध है। हमारा मानना है कि कानून और संविधान पवित्र है। कोई व्यक्ति या बजरंग दल, पीएफआई और नफरत व शत्रुता फैलाने वाले दूसरे संगठन, चाहे वह बहुसंख्यकों के बीच के हों या अल्पसंख्यकों के बीच के हों, वे कानून और संविधान का उल्लंघन नहीं कर सकते।' पीएम मोदी ने कहा कि हम्पी एक ऐसी जगह है जिसपर भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को गर्व है। उन्होंने कहा, 'गुलामी की मानसिकता से भरी कांग्रेस ने कभी भी भारत के इतिहास और विरासत पर गर्व नहीं किया। इसका नुकसान हम्पी जैसे स्थानों को भी उठाना पड़ा। यह बीजेपी की ही सरकार है जो अब 'स्वदेश दर्शन' के जरिए हम्पी की ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण कर रही है।' इससे पहले पीएम मोदी ने चित्रदुर्ग में आतंकवाद, भ्रष्टाचार और परिवारवाद के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'बिना वारंटी वाली' इस पार्टी की कर्नाटक विधानसभा चुनाव में दी गई 'गारंटी' (चुनावी वादे) 'झूठी' है क्योंकि कर्नाटक का खजाना भी खाली हो जाएगा तो भी इन्हें पूरा नहीं किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का इतिहास आतंक और आतंकवादियों के तुष्टिकरण का रहा है। उन्होंने कहा, 'जब दिल्ली में बाटला हाउस एनकाउंटर हुआ तो कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता की आंखों में आतंकियों के मरने की खबर सुनकर आंसू आ गए थे। जब सर्जिकल स्ट्राइक और एयरस्ट्राइक हुई तो कांग्रेस ने देश की सेनाओं के सामर्थ्य पर ही सवाल खड़ा कर दिया।' मोदी ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में कनार्टक का यह पहला चुनाव है। यह तय करेगा कि आने वाले 25 वर्षों में कर्नाटक विकास की किस उंचाई पर होगा। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक को हमें विकसित भारत की प्रेरक शक्ति बनाना है। विकास का इंजन बनाना है। इसलिए भाजपा सरकार दोबारा बनाना है, डबल इंजन की सरकार को लाना है।'

मौसम

अधिकतम तापमान 29.0°C

न्यूनतम तापमान 19.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	62,145
चांदी	76,200
सेंसेक्स	61,655
निफ्टी	18,148

कांग्रेस की 'गारंटी' झूठी, कर्नाटक का खजाना भी खाली हो जाएगा फिर भी ये रह जाएंगी अधूरी : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को आतंकवाद, भ्रष्टाचार और परिवारवाद के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि बिना वारंटी वाली इस पार्टी की कर्नाटक विधानसभा चुनाव में दी गई गारंटी (चुनावी वादे) झूठी है क्योंकि कर्नाटक का खजाना भी खाली हो जाएगा तो भी इन्हें पूरा नहीं किया जा सकेगा। यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने प्रदेश की जनता से, कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) से सावधान रहने की अपील की और आरोप लगाया कि इन दोनों दलों की प्राथमिकता में राज्य का विकास कहीं नहीं है। मोदी ने कांग्रेस के चुनावी वादों का जिक्र किया और कहा कि विपक्षी पार्टी की वारंटी तो खत्म हो गई है और उसने अपनी विश्वसनीयता भी खो दी है। उन्होंने कहा, ऐसे में बिना वारंटी वाली कांग्रेस की गारंटी भी उतनी ही झूठी है और झूठी गारंटियों का कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत पुराना है। कर्नाटक चुनावों के लिए कांग्रेस ने सत्ता में आने पर जनता को गारंटी की घोषणा की है। उसकी इस घोषणा में सभी घरों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली (गृह ज्योति), हर परिवार की महिला मुखिया (गृह लक्ष्मी) को 2,000 रुपये मासिक सहायता, स्नातक युवाओं के लिए 3,000 रुपये और डिप्लोमा धारकों (18 से 25 वर्ष आयु वर्ग) को दो साल के लिए 1,500 रुपये (युवानिधि) शामिल हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस को पता है कि कर्नाटक के लोग उसे सत्ता में नहीं आने देंगे, इसलिए वह बड़े-बड़े झूठे वायदे कर रही है। उन्होंने कहा, जितनी बड़ी राशि और गारंटी की बात कांग्रेस कर रही है उससे तो कर्नाटक का खजाना भी खाली हो जाएगा फिर भी गारंटी अधूरी रह जाएंगी। इसलिए ऐसी गारंटी सिर्फ बोलने के लिए है और बोली जा रही है। ये गारंटी अगर पूरी करनी है तो राज्य के विकास के सारे काम बंद कर देने पड़ेंगे। आपके बच्चों के भविष्य के पैसे वो खा जाएंगे। इसके लिए एक काम कांग्रेस और करेगी कि कांग्रेस भाजपा की सारी योजनाओं को रिवर्स गियर में डाल देगी। गरीब कल्याण की योजनाओं को बंद करने की तैयारी में है कांग्रेस। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और जद (एस) दिखावे के लिए दो दल हैं, लेकिन दिल से और अपनी करतूतों से ये दोनों एक ही हैं। उन्होंने कहा, ये दोनों परिवारवादी हैं, दोनों भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं और दोनों समाज को बांटने की राजनीति करते हैं। इन दोनों दलों की प्राथमिकता कर्नाटक का विकास नहीं है। आपके बच्चों का भविष्य उनकी चिंता का विषय नहीं है। प्रधानमंत्री ने अपर भद्रा सिंचाई परियोजना को कांग्रेस-जद (एस) के कुशासन का प्रमाण बताया और कहा कि इन दोनों दलों ने कभी भी किसानों की चिंता नहीं की। उन्होंने कहा, दोनों दलों ने इस परियोजना को नजरअंदाज किया। भाजपा की डबल-इंजन सरकार ने इस परियोजना को पूरा करने का संकल्प लिया है। इसके लिए साढ़े पांच हजार करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। मोदी ने कहा कि जब तक कर्नाटक में कांग्रेस-जद (एस) की सरकार रही तब तक हर परियोजना पर काम धीमी गति से होता रहा है लेकिन भाजपा की सरकार बनते ही इनकी गति दोगुनी हो गई। उन्होंने कहा, कांग्रेस कभी भी भाजपा के विकास कार्यों का मुकाबला कर ही नही सकती। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का इतिहास आतंक और आतंकवादियों के तुष्टिकरण का रहा है। उन्होंने कहा, जब दिल्ली में बाटला हाउस एनकाउंटर हुआ तो कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता की आंखों में आतंकियों के मरने की खबर सुनकर आंसू आ गए थे। जब सर्जिकल स्ट्राइक और एयरस्ट्राइक हुई तो कांग्रेस ने देश की सेनाओं के सामर्थ्य पर ही सवाल खड़ा कर दिया। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस के नेता रिटायरमेंट के नाम पर वोट मांग रहे हैं और उन्हें गाली देकर लोगों को भड़का भी रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस के साथ ही उसके नेता व पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस के पास दो ही मुद्दे हैं। एक तो वे रिटायरमेंट के नाम पर वोट मांग रहे हैं। आखिरी बार मुख्यमंत्री बना दो, यह उनका घोषणापत्र है। कांग्रेस का दूसरा एजेंडा है कि गाली देकर लोगों को भड़काओ। कांग्रेस कभी ओबीसी समुदाय को गाली दे रही है तो कभी लिंगायत समाज को। मुझे तो ये 90 से ज्यादा बार गालियां दे चुके हैं। कांग्रेस ने तो एस निजलिंगप्पा तक को नहीं छोड़ा था। उनका अपमान करने वाली कांग्रेस गालियों की सेंचुरी ही बना सकती है। मोदी ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में कनार्टक का यह पहला चुनाव है और यह तय करेगा कि आने वाले 25 वर्षों में कर्नाटक विकास की किस उंचाई पर होगा। उन्होंने कहा, कर्नाटक को हमें विकसित भारत की प्रेरक शक्ति बनाना है, विकास का इंजन बनाना है। इसलिए भाजपा सरकार दोबारा बनाना है, डबल इंजन की सरकार को लाना है। उन्होंने भाजपा के घोषणापत्र को बहुत ही अच्छा बताया और कहा कि इसमें कर्नाटक को देश का नंबर वन राज्य बनाने का रोड मैप है, इसमें आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का ब्लू प्रिंट है, इसमें महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर है।

मानहानि केस में राहुल गांधी को गुजरात हाईकोर्ट से राहत नहीं, याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को फिलहाल गुजरात हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है। गुजरात हाई कोर्ट ने उनकी याचिका पर अंतरिम संरक्षण देने से इनकार किया है. हालांकि उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ और जेल की सजा के खिलाफ लगी याचिका पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। राहुल गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने उनके लिए अंतरिम संरक्षण की मांग की थी, इस पर जस्टिस हेमंत प्रच्छक ने किसी तरह की अंतरिम सुरक्षा देने से इनकार किया है। राहुल गांधी की याचिका पर फैसला हाई कोर्ट के वेकेशन के बाद सुनाया जाएगा. शिकायतकर्ता पुरुणेश मोदी की ओर से वरिष्ठ वकील एडवोकेट निरुपम नानवती के पक्ष को सुनने के बाद सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने बेंच के सामने उनके सभी आरोपों को खारिज किया और कहा कि जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह कहीं से भी नैतिक अधमता के एलीमेंट नहीं है। सिंघवी ने कहा कि वह एक गैर गंभीर और जमानती अपराध था जिसमें दोषसिद्धि को सस्पेंड किया जाना चाहिए. राहुल गांधी ने हाई कोर्ट में अपने मानहानि मामले में कनविक्शन और सजा के खिलाफ याचिका दायर की थी। राहुल गांधी ने 2019 में लोकसभा चुनावों के दौरान मोदी सरनेम पर एक बयान दिया था। राहुल ने कहा था कि सभी चोरों के सरनेम मोदी क्यों होते हैं। इस बयान पर उन्हें मजिस्ट्रेट अदालत ने दोषी करार देते हुए 2 साल की सजा सुनाई थी. राहुल गांधी ने इसके बाद सूरत के सेशन कोर्ट का रुख किया था. हालांकि यहां पर भी राहुल गांधी को निराशा ही हाथ लगी। सेशन कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका को खारिज कर दिया था और निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा था। इसी के बाद राहुल गांधी ने गुजरात हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

प्रधानमंत्री कर्नाटक चुनाव में भी सिर्फ अपने बारे में बात करते हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सिर्फ अपने बारे में बातें करते हैं तथा अपने किसी वरिष्ठ नेता के नाम तक का उल्लेख नहीं करते। उन्होंने यहां एक चुनावी सभा में सवाल किया कि प्रधानमंत्री मोदी कर्नाटक में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर खामोश क्यों हैं? उन्होंने दावा किया कि मोदी अपनी चुनावी सभाओं में मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा और राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र का नाम भी नहीं लेते। राहुल गांधी ने कहा कि यह विधानसभा चुनाव नरेन्द्र मोदी के बारे में नहीं, बल्कि कर्नाटक के लोगों के भविष्य और उनके बच्चों के बारे में है। उनका कहना था, ह्यह्यक्या आपने भाजपा की सभाएं देखी हैं? प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी आते हैं और किसी नेता का नाम नहीं लेते। मैं जिस तरह से पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार या कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम लेता हूं, वैसे मोदी अपने नेताओं का नाम कभी नहीं लेते। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कभी बोम्मई या येदियुरप्पा के नाम नहीं लेते, मानो उनका कोई वजूद नहीं हो। उनके मुताबिक, आज कर्नाटक में हर कोई हैरान है कि प्रधानमंत्री भाजपा के नेताओं का नाम क्यों नहीं लेते। उन्होंने आरोप लगाया कि उप निरीक्षक की भर्ती में बड़े पैम ाने पर भ्रष्टाचार हुआ है लेकिन प्रधानमंत्री ने कभी कर्नाटक के गृह मंत्री का नाम नहीं लिया। उनका कहना था, नाम नहीं लेने का एक कारण यह है कि नरेन्द्र मोदी सिर्फ नरेन्द्र मोदी के बारे में बात करते हैं। राहुल गांधी ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री कर्नाटक के भ्रष्टाचार के बारे में कुछ क्यों नहीं कह रहे हैं? उन्होंने दावा किया कि ह्य40 प्रतिशत कमीशन सरकारह्ल के बारे में सभी जानते हैं और इस बारे में प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा गया था, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। राहुल गांधी ने उम्मीद जताई कि कर्नाटक की जनता कांग्रेस को अपना समर्थन देगी। कर्नाटक की सभी 224 विधानसभा सीटों के लिए आगामी 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को मतगणना होगी।

कांग्रेस का चुनावी घोषणापत्र जारी, बजरंग दल और पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने का किया वादा

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को चुनावी घोषणापत्र जारी किया जिसमें हिंदूवादी संगठन बजरंग दल और कट्टरपंथी इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को नफरत फैलाने वाले संगठन बताते हुए उन पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया गया है। घोषणापत्र में कहा गया है कि कांग्रेस पार्टी जाति या धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। घोषणापत्र में कहा गया है, हमारा मानना है कि कानून और संविधान पवित्र है और बजरंग दल, पीएफआई जैसे व्यक्तियों और संगठनों द्वारा इसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता है। ये संगठन बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक समुदायों के बीच दुश्मनी या नफरत को बढ़ावा दे रहे है। अगर पार्टी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह उन पर प्रतिबंध लगाने सहित कानून के अनुसार निर्णायक कार्रवाई करेगी। पार्टी ने सत्ता में आने के एक साल के भीतर, राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार द्वारा पारित सभी अन्यायपूर्ण कानूनों और अन्य जनविरोधी कानूनों को निरस्त करने का भी वादा किया। घोषणापत्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में चुनाव प्रचार के दौरान दी गई पांच गारंटियां जिनमें गृह ज्योति (सभी को 200 यूनिट मुफ्त बिजली का), गृह लक्ष्मी (परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये मासिक), अन्न भाग्य (पसंद का 10 किलो अनाज - चावल, रागी, ज्वार, बाजरा - बीपीएल परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को), युवा निधि (बेरोजगार स्नातकों को दो साल के लिए हर महीने 3,000 रुपये और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों के लिए भत्ते के रूप में हर महीने 1,500 रुपये), और शक्ति (नियमित केएसआरटीसी/बीएमटीसी बसों में पूरे राज्य में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा) शामिल हैं। कांग्रेस ने अनुसूचित जाति (एससी),अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) अल्पसंख्यक और लिंगायत और वोक्कालिगा जैसे अन्य समुदायों की आशाओं और आकांक्षाओं को समायोजित करने के लिए आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत करने का संकल्प लिया। पार्टी ने कहा कि वह एससी के लिए 15 से 17 फीसदी और एसटी के लिए तीन से सात फीसदी आरक्षण बढ़ाने और चार फीसदी के अल्पसंख्यक आरक्षण को बहाल करने और लिंगायत, वोक्कालिगा और अन्य समुदायों हेतु आरक्षण बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इनके अलावा पार्टी ने कई वादे किये, जिनमें कांग्रेस सरकार द्वारा कराई गई सामाजिक-आर्थिक जातिगत जनगणना का विमोचन करना, विधायिका के प्रथम सत्र में न्यायमूर्ति सदाशिव आयोग की रिपोर्ट पेश करना,जाति के आधार पर बदनाम करने को दंडनीय अपराध बनाना, मुस्लिम, ईसाई, जैन, बौद्ध और अन्य समेत अल्पसंख्यक कल्याण के लिए धन का आवंटन बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये करना और डॉ. अबुल कलाम आजाद वक्फ संपत्ति विकास निगम का गठन करना शामिल हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार गठन के पहले दिन कैबिनेट की पहली बैठक में ये सभी वादे पूरे किए जाएंगे।

न्यायमूर्ति राव को एआईएफएफ के विधान को अंतिम रूप देने पर रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंपा गया

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव को ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के विधान को अंतिम रूप देने के संबंध में 31 जुलाई तक रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति राव संबंधित पक्षों को सुनने के बाद मसौदा विधान पर अनेक हितधारकों की आपत्तियों का ध्यान रखते हुए रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, हमारी राय है कि इस कवायद को स्थगित करना उचित होगा क्योंकि ये कानून के मुद्दे नहीं बल्कि भारत में फुटबॉल के संचालन से जुड़ा नीतिगत मामला है। उसने कहा, न्यायमूर्ति एल एन राव ने भारतीय ओलंपिक संघ के मामले को संभाला था, इस बात को ध्यान में रखते हुए हम न्यायमूर्ति राव को एआईएफएफ का विधान तैयार करने का काम सौंपते हैं। हम उनसे अनुरोध करते हैं कि तैयार मसौदा विधान लें और रिपोर्ट को अंतिम रूप दें। न्यायमूर्ति राव से अनुरोध है कि रिपोर्ट को अंतिम रूप देने में सभी हितधारकों का पक्ष सुनें। उसने कहा कि मसौदा विधान पर विचार करने और एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने का काम 31 जुलाई तक पूरा किया जाए। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने पांच अप्रैल को कहा था कि वह एआईएफएफ से जुड़े विषयों पर याचिकाओं को दो मई को सुनेगी जिनमें मसौदा विधान के कुछ पहलुओं पर आपत्तियां शामिल हैं। हितधारकों में फेडरेशन इंटरनेशनल डि फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) और देश की अन्य खेल संस्थाएं हैं।

योग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है.....

प्रधानमंत्री के विजन की वजह से दुनियाभर में योग बना ऐतिहासिक इवेंट : सोनोवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानन्द सोनोवाल ने कहा कि योग को विज्ञान की पद्धति मानकर आज दुनियाभर में अपनाया जा रहा है। देश के गांव-गांव तक योग की संस्कृति का प्रसार करने के लिए संकल्पित होकर कार्य किया जा रहा है। देश एवं दुनिया में प्रति वर्ष मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए इस बार काउंट डाउन की श्रृंखला में जयपुर में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल मंगलवार को सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन शिक्षा समिति में केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित 'योग महोत्सव- 2023' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में अब 50 दिन बाकी हैं। जयपुर में विशाल योग महोत्सव से काउंटडाउन शुरू हो गया है। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन की वजह से आज योग को दुनियाभर में लोग अपना रहे हैं। 21 जून को दुनियाभर में योग दिवस मनाया जाएगा। इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। इस वर्ष के आईडीवाई-2023 पर आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्र में कॉमन योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन अपने आप में एक नायाब उपलब्धि होगी। सोनोवाल ने कहा कि योग महोत्सव से प्रत्येक राज्य में आयुष ग्राम के माध्यम से ग्रामीण आबादी को जोड़ने का प्रयास होगा। एक आयुष ग्राम दो-तीन गांवों का एक समूह होगा और इसमें औसतन 3 हजार से अधिक आबादी शामिल होगी। चिह्नित गांवों में योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति कर विशेष प्रशिक्षण के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा,

ताकि प्रत्येक आयुष ग्राम 21 जून को कॉमन योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहे। ग्रामीणों इलाकों में योग का संदेश पहुंचाने के लिए कम्यूनिटी रेडियो नेटवर्क का उपयोग करते हुए देश के 2 लाख से अधिक गांवों में सीवाईपी प्रशिक्षण के लिए इस वर्ष सामान्य सेवा केंद्रों के नेटवर्क का भी उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि योग कोई थेरेपी भर नहीं है बल्कि आत्मविकास का सबसे बड़ा माध्यम है। मानसिक शांति एवं संतोष के लिए योग सर्वथा उपयोगी है। यौगिक दिनचर्या से जुड़कर जीवन की जटिलताओं को आसानी से हल किया जा सकता है। शास्त्रों में योग को स्वस्थ जीवन की कला और विज्ञान कहा गया है। योग को हमारे यहां शुरू से ही स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के साथ जीवन के एक आदर्श तरीके के रूप में स्वीकार किया गया है। योग का अभ्यास यदि नियमित रूप से किया जाए तो तन ही नहीं मन भी स्वस्थ रहता है। भारत की इस महान परंपरा को विश्व के लिए उपयोगी मानते हुए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है, जो हमारी परंपरा और संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति है। उन्होंने कहा कि योग जीवन का आदर्श तरीका है, जिसमें मन न केवल अपने लिए बल्कि पूरे विश्व के कल्याण के विचार से जुड़ा होता है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति में योग का पुराना साम्य रहा है। योग हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बने, इसके लिए देश में अभूतपूर्व प्रयास किए जा रहे हैं। राज्यपाल मिश्र ने योग महोत्सव में भ्रामरी प्राणायाम, अनुलोम विलोम सहित विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास भी किया। योग महोत्सव में हजारों स्कूली छात्रों व अन्य लोगों ने भाग लिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री महेन्द्र मुंजपारा, केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी, सांसद रामचरण बोहरा व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि 21 जून को देश एवं दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इससे पहले 100 दिन का योग महोत्सव मनाया जा रहा है। जयपुर में 50 दिन पहले योग महोत्सव मनाया जा रहा है। भवानी शिक्षा निकेतन के खेल मैदान में सुबह 6 से 8 बजे तक योग महोत्सव का आयोजन हुआ। इस दौरान सभी ने योग का आनंद लिया।

तेलंगाना से 45 छात्रों का दल आईआईटी रुड़की पहुंचा

देहरादून , एजेंसी। आईआईटी रुड़की ने युवा संगम उत्सव में तेलंगाना के युवाओं का उत्तराखंड में स्वागत किया। पांच मई तक चलने वाला यह कार्यक्रम भारत सरकार की एक पहल है, जो मुख्य रूप से उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों और अलग-अलग राज्यों से कुछ ऑफ-कैंपस युवाओं के लिए एक्सपोजर टूर आयोजित करने पर केंद्रित है। तेलंगाना के छात्र उत्तराखंड के कई स्थानों जैसे हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून और नैनीताल का दौरा करेंगे। वे राज्य की संस्कृति, पर्यटन और विकास के कई पहलुओं से परिचित होंगे। यात्राओं के दौरान युवाओं को पांच व्यापक क्षेत्रों पर्यटन, परंपरा, प्रगति और परस्पर संपर्क से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शनिवार को संस्थान में एनआईटी वारंगल, उस्मानिया विवि, आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, हैदराबाद, विद्या ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद विवि और तेलंगाना के अन्य प्रमुख एचईआई से 45 छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। कार्यक्रम में आने वाले मेहमानों और बधिरों के लिए अनुश्रुति स्कूल की भागीदारी रही। इस मौके पर आईआईटी निदेशक प्रो. केके पंत, डॉ. श्रीनिवास बसावजू, प्रो. एमवी सुनील कृष्णा, प्रो. मुकेश कुमार बरुआ आदि मौजूद रहे।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में आयोजित हुआ फ्रेशर परिचय समारोह

देहरादून , एजेंसी। श्रीनगर। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान श्रीनगर में एमबीबीएस बैच 2022 में प्रवेशित छात्र-छात्राओं का फ्रेशर परिचय समारोह आयोजित हुआ। इस मौके पर छात्र-छात्राओं की गढ़वाली, जौनसारी, हिमाचली और हिंदी गीतों की शानदार रंगारंग प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। रविवार को मुख्य अतिथि हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. हेमचंद्रा ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत ने कुलपति को पहाड़ी टोपी पहनाकर एवं स्मृति चिंह्न भेंट कर उनका स्वागत किया। इस मौके पर कुलपति डॉ. चंद्रा ने कहा कि चिकित्सा सेवा एवं चिकित्सा शिक्षा में श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में बेहतर व गुणात्मक सुधार आया है। विगत पांच साल के भीतर यहां एमबीबीएस कोर्स की सीटें बढने से लेकर पीजी कोर्स की मान्यता मिलना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के समस्त संकाय सदस्यों को पूरे मनोयोग के साथ पर्वतीय क्षेत्र के इस मेडिकल कॉलेज को और आगे बढ़ाने व बेहतर से बेहतर कार्य करने का आह्वान किया है। इस मौके पर बाल रोग विभाग के एचओडी प्रो. व्यास राठौर, प्रो. दीपा हटवाल, डॉ. नियति, एसो. प्रोफेसर डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, डॉ. नवज्योति बोरा, डॉ. मोनिका, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. एके पांडेय आदि मौजद थे।

भगत सिंह चौक से सेक्टर दो बैरियर तक पसरा अंधेरा

देहरादून, एजेंसी। रेलवे रोड पर भगत सिंह चौक से सेक्टर दो बैरियर के बीच शाम होते ही अंधेरा पसर जाता है। यहां अधिकांश स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद पड़ी रहती हैं। शाम को अंधेरे के चलते सड़क पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। नगर निगम शहर को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में भी नाकाम साबित हो रहा है। शहर में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट न बदली जा रही और न ही लाइटों की मरम्मत हो रही है। ताजा मामला ज्वालापुर रेलवे रोड का है। भगत सिंह से लेकर सेक्टर दो बैरियर के बीच की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें पिछले दो महीने से बंद पड़ी है। शाम को सिडकुल स्थित फैक्टरियों के कर्मचारियों की छुट्टी के बाद सड़क मार्ग पर वाहनों का दबाव एकाएक बढ़ जाता है। वाहनों और पैदल आवाजाही करने वाले लोगों को अंधेरे के बीच से गुजरना पड़ता है। ऐसे में दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। पार्षद अनुज सिंह ने बताया कि दो महीने से वह निगम से खराब स्ट्रीट लाइटों का बदलने की मांग कर रहे हैं। बताया कि नगर निगम खराब स्ट्रीट लाइटों को नहीं बदल रहा है। बताया कि इससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पतालकर्मी को कार ने मारी टक्कर, घायल

देहरादून , एजेंसी। ज्वालापुर में एक निजी अस्पताल के कर्मचारी को हाईवे पर कार ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। जयचंद्र निवासी अहमदपुर ग्रंट बहादराबाद ने बताया कि 26 अप्रैल को उनका भतीजा मोनू निवासी अहमदपुर ग्रंट थाना बहादराबाद घर से ड्यूटी पर कनखल स्थित अस्पताल में जा रहा था। हरिलोक तिराहे से फ्लाईओवर पर पहुंचते ही कार चालक ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आई। एम्स ऋषिकेश में उपचार चल रहा है। चालक फरार हो गया। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

इंतजार होगा खत्म...आयोग की सात परीक्षाओं के नतीजे इसी माह होंगे जारी, संशोधित कैलेंडर जारी

देहरादून, एजेंसी। आखिरकार छात्रों का इंतजार इस माह खत्म होगा। आयोग के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार की बैठक में इस माह सात परीक्षाओं के नतीजे घोषित करने का निर्णय लिया गया। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (यूकेपीएससी) की सात परीक्षाओं के नतीजे इसी माह जारी होंगे। सोमवार को आयोग के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बैठक कर यह निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि कनिष्ठ सहायक परीक्षा का परिणाम मई के पहले सप्ताह में, फॉरेस्ट गार्ड परीक्षा का परिणाम मई के दूसरे सप्ताह में, पुलिस कांस्टेबल का अंतिम चयन परिणाम मई के तीसरे सप्ताह में जारी होंगे। इसके अलावा परिवहन विभाग में आरआई टेक्निकल भर्ती का परिणाम मई के तीसरे सप्ताह में, पटवारी-लेखपाल भर्ती का अंतिम चयन परिणाम मई के अंतिम सप्ताह में, पीसीएस-जे प्री परीक्षा का परिणाम मई के अंतिम सप्ताह में और लोवर पीसीएस मुख्य परीक्षा का परिणाम भी मई के अंतिम सप्ताह में जारी किया जाएगा।

भारी बर्फबारी से परेशानी, तक रोका बर्फ हटाने का काम, 20 को खुलने हैं कपाट

चमोली, एजेंसी। हेमकुंड साहिब के कपाट 20 मई को खोल दिए जाएंगे। इसलिए हेमकुंड साहिब के आस्था पथ से सेना के जवानों ने 20 अप्रैल से ही बर्फ हटाने का काम शुरू कर दिया था। बर्फबारी के कारण हेमकुंड साहिब के आस्था पथ से बर्फ हटाने का काम दो दिनों से रुका हुआ है। सेना के जवानों की ओर से जहां-जहां बर्फ हटाई गई थी वहां करीब दो फीट तक ताजी बर्फ जम गई है। अब तीर्थयात्रा शुरू होने में 18 दिन का समय शेष बच गया है जिससे बर्फ हटाने की चुनौती भी बढ़ती जा रही है। अब तीन मई तक यहां बर्फ हटाने का काम रोक दिया गया है।

हेमकुंड साहिब के कपाट 20 मई को खोल दिए जाएंगे। इसलिए हेमकुंड साहिब के आस्था पथ से सेना के जवानों ने 20 अप्रैल से ही बर्फ हटाने का काम शुरू कर दिया था। विपरीत मौसम के बावजूद 28 अप्रैल को हवलदार मलकीत सिंह, हवलदार हरसेवक सिंह के नेतृत्व में 418 इंजीनियरिंग कोर के जवान और गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब के प्रबंधक गुरनाम सिंह व अन्य सेवादार बर्फ हटाते हुए हेमकुंड साहिब पहुंच गए थे। अटलाकोटी में जवानों ने ग्लेशियर को काटकर चार फीट रास्ता बना दिया था लेकिन बर्फबारी के कारण दो दिनों से बर्फ हटाने का काम रुका हुआ है। इधर गोविंदघाट गुरुद्वारा प्रबंधन के वरिष्ठ प्रबंधक सरदार सेवा सिंह ने बताया कि बर्फबारी को देखते हुए 3 मई तक बर्फ हटाने का काम रोक दिया गया है। आस्था पथ पर अटलाकोटी तक फिर से दो फीट ताजी बर्फ जम गई है।

मई कूल-कूल, गर्मी को गए भूल

हल्द्वानी/चोरगलिया, एजेंसी। अप्रैल में अपेक्षाकृत कम तापमान रहने की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली तो वहीं मई की शुरुआत खुशनुमा मौसम से हुई है। बारिश होने से मई का पहला दिन 15 साल में सबसे सर्द रहा। एक मई को अधिकतम तापमान सामान्य से 11 डिग्री कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अभी और बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

मौसम विभाग ने मार्च में अनुमान जताया था कि इस बार गर्मी पिछले कई रिकार्ड तोड़ेगी। मार्च में गर्मी सामान्य से ज्यादा पड़ी। अप्रैल में सामान्य से 89 प्रतिशत ज्यादा बारिश होने की वजह से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली। रविवार शाम शुरू हुई बारिश सोमवार की सुबह तक होती रही। हल्द्वानी में दिनभर बादल छाए रहे। दोपहर बाद एक बार फिर बारिश हुई। यहां 36 घंटे में करीब 45 मिमी बारिश हुई है। शहर का अधिकतम तापमान 25 डिग्री पहुंच गया जो सामान्य से 11 डिग्री कम है, न्यूनतम तापमान 18 डिग्री दर्ज किया गया है। 15 साल में सोमवार को एक मई सबसे ज्यादा ठंडा रहा। इससे पूर्व 2008 में एक मई को तापमान 26 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। मौसम विज्ञानी डॉ. आरके सिंह ने बताया कि दक्षिण पूर्व से आ रहीं हवाओं के पश्चिमी विक्षोभ से मिलने से बारिश हो रही है। बारिश होने पर लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

रविवार रात से रुक-रुककर हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। नैनीताल में दोपहर बाद तेज बारिश के चलते लोअर माल रोड पर कई जगह और दर्शनघर पार्क के पास जलभराव होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के चलते दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब नैनीताल-भवाली रोड पर कैलाखान के पास भारी मात्रा में मलबा आ गया जिससे यातायात ठप हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर लोनिवि के अधिकारियों ने जेसीबी भेजकर सड़क को खुलवाया। शाम साढ़े चार बजे के करीब इस रोड पर यातायात सुचारू हुआ। वहीं, रूसी बाईपास पर भी मलबा आने से यातायात बाधित रहा। खबर लिखे जाने तक बारिश तो थम गई थी लेकिन आसमान बादलों से पूरी तरह घिरा हुआ था। बारिश के कारण लोगों का घर-आंगन पानी से तर-बतर है वहीं लोहरियासाल तल्ला क्षेत्र में नल सूखे पड़े हैं। इधर राजपुरा क्षेत्र में लंबे समय से कई घरों के नलों में गंदा पानी आने की शिकायत बनी हुई है। इस कारण जल संस्थान के खिलाफ स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोहरियासाल तल्ला में हफ्ते भर से नलकूप खराब है। करीब 5000 की आबादी पानी के संकट से जूझ रही है। स्थानीय लोगों ने पेयजल समस्या जल्द दूर करने की मांग की है। राजपुरा क्षेत्र में नाले का पानी मिक्स होकर पेयजल लाइनों से आ रहा है। स्थानीय लोगों के विरोध के बाद सोमवार को विभागीय अधिकारियों ने क्षेत्र का निरीक्षण किया। जेई एनसी जोशी का कहना है कि यहां नाले के अंदर से पाइपलाइन आ रही है और नाले को ऊपर से बंद कर दिया गया है।

ऑनलाइन डिलीवरी कंपनी और विक्रेता पर 55,145 रुपये का जुर्माना

बागेश्वर, एजेंसी। जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग ने धोखाधड़ी के मामले में एक ऑनलाइन सामान डिलीवर करने वाली कंपनी और विक्रेता पर 55,145 रुपये का जुर्माना लगाया। आयोग ने इस राशि का भुगतान एक महीने के भीतर वादी को करने का आदेश सुनाया है। तय समय में जुर्माना अदा नहीं करने पर कंपनी और विक्रेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने मामले में डिलीवरी प्वाइंट के इंचार्ज को बरी करने का फैसला सुनाया। मामला पिछले साल अप्रैल का है। नगर के तहसील मार्ग निवासी उमेश दुबे पुत्र गोपाल प्रसाद ने अपनी बेटी के जन्मदिन के लिए अमेजन से ऑनलाइन बैलून को मंगाया। बैलून में 71 प्रतिशत की छूट मिल रही थी और छूट के बाद उसके दाम 175 रुपये थे। ऑनलाइन बैलून पहुंचने के बाद उपभोक्ता ने 175 रुपये स्थानीय डिलीवरी प्लाइंट के कर्मचारी को भुगतान किए। उन्होंने बैलून का रैपर खोलकर वास्तविक एमआरपी देखी तो उसमें 30 रुपये अंकित था जबकि ऊपर से 499 रुपये का स्टीकर लगाया गया था। वेबसाइट पर कीमत 599 बताई गई थी और 71 प्रतिशत छूट दी जा रही थी। एक बैलून के दाम में हर जगह अंतर मिलने पर दुबे ने इसकी शिकायत अमेजन और विक्रेता से की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। तीन महीने बीत जाने के बाद भी समस्या नहीं सुनी गई तो दुबे ने पिछले साल 27 मई को जिला उपभोक्ता प्रकोष्ठ में शिकायत कर दी। उपभोक्ता दुबे की ओर से अधिवक्ता गोविंद भंडारी और महीप किशोर ने मामले की पैरवी की। सोमवार को प्रकोष्ठ के अध्यक्ष/जिला जज आरके खुल्बे, प्रकोष्ठ के सदस्य रमेश सनवाल और हंसी रौतेला ने पत्रावली का अवलोकन करने और अधिवक्ताओं की दलील को सुनने के बाद मामले में ऑनलाइन कंपनी अमेजन और विक्रेता पर 50 हजार का जुर्माना, पांच हजार केस लड़ने में हुए खर्च का हर्जाना और 145 रुपये बैलून का अतिरिक्त चार्ज को जोड़कर 55,145 रुपये का जुर्माना लगाया। तहसील के कारचूली स्थित राजस्व क्षेत्र में भूमि बेचने के नाम पर धोखाधड़ी मामले की जांच शुरू हो गई है। भावना प्रियंका राउत, उनके पति अशोक राउत और शिल्पी शर्मा ने अपने मित्र के साथ मिलकर कारचूली राजस्व क्षेत्र के झलोड़ी गांव में सात नाली भूखंड 35 लाख रुपये में खरीदा था।

बेमौसम बारिश का कहर, चारधाम यात्रा प्रभावित, मैदान में गेहूं तो पहाड़ों में सेब की फसल बर्बाद

देहरादून, एजेंसी। प्रदेशभर में दिनभर रुक-रुककर बारिश के चलते पारा अचानक नीचे आ गया। लोगों को गर्म कपड़े एक बार फिर बाहर निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा। उत्तराखंड में दो दिन से लगातार हो रही बेमौसमी बारिश ने दुश्वारियां बढ़ा दी हैं। बारिश के चलते जहां चारधाम यात्रा प्रभावित हुई है, वहीं किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। पर्वतीय मार्गों पर यातायात के अवरूद्ध होने का भी समाचार है। गंगोत्री हाईवे पर भूस्खलन होने से बंदरकोट के पास हाईवे करीब एक घंटे तक बाधित रहा। सोमवार को प्रदेशभर में दिनभर रुक-रुककर बारिश के चलते पारा अचानक नीचे आ गया। लोगों को गर्म कपड़े एक बार फिर बाहर निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैदानी क्षेत्रों में भी लोग जैकेट और स्वेटर पहने नजर आए। प्रदेश में बेमौसमी बारिश का सबसे अधिक दुष्प्रभाव बागवानी और गेहूं की फसल पर पड़ा है। मैदानी क्षेत्रों में कई जगह गेहूं की फसल तैयार होने के बावजूद मौसम साफ नहीं होने की वजह से कट नहीं पाई है। ऐसे में किसान मौसम के साफ होने का इंतजार कर रहे हैं। यदि अगले कुछ दिन और बारिश का दौर जारी रहता है गेहूं की फसल बर्बाद हो सकती है। बारिश में बाली काली पड़ सकती हैं। वहीं पर्वतीय क्षेत्र में कई स्थानों पर ओलावृष्टि होने से सेब काश्तकारों को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उत्तरकाशी, देहरादून के चकराता और चमोली जिले में सेब की फसल को नुकसान पहुंचा है। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन करने के बाद मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

प्रशासन ने नैनीसैनी में ढहाए दो और मकान

पिथौरागढ़, एजेंसी। नैनीसैनी एयरपोर्ट से विमानों की उड़ान में बाधक बन रहे दो अन्य मकानों को भी प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई रविवार रात तक चली। इन भवनों के अलावा पांच मकान और तोड़े जाने हैं। इनमें एक मकान पूरी तरह से ढहाया जाएगा जबकि अन्य चार मकानों की ऊपरी मंजिलों को तोड़ा जाएगा। नैनीसैनी एयरपोर्ट से बड़े विमानों के टेक ऑफ और लैंडिंग में बाधक बन रहे एक स्कूल और मकानों को तोड़ने की प्रक्रिया वर्ष 2018 से चल रही थी। रविवार को लोगों के विरोध के बावजूद प्रशासन ने स्कूल और मकानों को ढहाने का काम जारी रखा। स्कूल भवन को शाम को ढहा दिया गया था। दो भवनों का सामान खाली कराकर देर रात करीब एक बजे तक दोनों भवनों को भी जेसीबी की मदद से ढहा दिया गया। इस दौरान एसडीएम सदर अनुराग आर्य पुलिस फोर्स के साथ मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन के अनुसार एयरपोर्ट संचालन में बाधक बन रहे पांच मकान और तोड़े जाने हैं। इनमें से एक मकान को पूरा जबकि चार मकानों की ऊपरी मंजिलों को ढहाया जाएगा। इसके लिए सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है। स्कूल भवन और दो मकानों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पूरी कर ली गई है। इन भवन स्वामियों को पहले ही

नोटिस जारी किए गए थे। लोगों का सहयोगात्मक रवैया रहा। अभी एयरपोर्ट संचालन में बाधक बन रहे करीब पांच मकानों को तोड़ा जाना है। इसके लिए सर्वे कर लिया गया है। प्रशासन मां नैनावती पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को नजदीकी विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया कर रहा है। एसडीएम सदर अनुराग आर्य ने बताया कि बच्चों को प्रवेश दिलाने के लिए मानस एकेडमी और महर्षि स्कूल में प्रबंधन से वार्ता की गई है। यह स्कूल एक, दो किमी के दायरे में हैं। यदि अभिभावक अपने बच्चों का प्रवेश इन विद्यालयों में कराते हैं तो उनसे प्रवेश शुल्क नहीं लिया जाएगा। इन बच्चों ने जो ड्रेस बनाई है उसी में बच्चे संबंधित स्कूलों में जा सकेंगे। मां नैनावती पब्लिक स्कूल के पढ़ने वाले 164 बच्चों को प्रवेश दिलाने में शिक्षा विभाग हरसंभव मदद करेगा। डीईओ माध्यमिक हवलदार प्रसाद ने बताया कि स्कूल में नर्सरी से दसवीं तक अध्ययनरत 164 बच्चों को शिक्षा विभाग क्षेत्र के निकटवर्ती विद्यालयों में प्रवेश दिलाने में हरसंभव मदद देगा। उन्होंने कहा कि यदि अभिभावक क्षेत्र के नजदीक राजकीय विद्यालय नैनीसैनी, महर्षि विद्या मंदिर या अन्य किसी स्कूल में बच्चों को प्रवेश दिलाना चाहते हैं तो प्रवेश प्रक्रिया में पूरी मदद की जाएगी।

दवा छोड़ने वालों को दमा अटैक का खतरा ज्यादा

हल्द्वानी, एजेंसी। दमा की दवा को छोड़ना रोगियों को भारी पड़ रहा है। ऐसे रोगी पर दमा के अटैक का खतरा ज्यादा रहता है। वहीं, वातावरणीय प्रभाव समेत अन्य कारणों के चलते दमा अटैक के मामले बढ़ रहे हैं। वरिष्ठ टीबी एवं चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव सिंघल का कहना है कि दमा का कारण आनुवांशिक और वातावरणीय होता है। इस समय बीमारी को लेकर काफी एडवांस दवा आ गई है। लोगों की इन्हेलर को लेकर भी स्वीकार्यता बढ़ रही है। मरीजों की संख्या की बात करें तो संख्या में कोई बढ़ोतरी नहीं दिख रही है, लेकिन दमा अटैक के कारण अस्पताल में आने वाले केस बढ़ रहे हैं। ये वे रोगी हैं जो दवाओं के इस्तेमाल को लेकर कोताही बरतते हैं। अगर अस्पताल में दस रोगी दमा के अटैक के कारण पहुंचते हैं, तो उसमें करीब आठ रोगी ऐसे होते हैं जिन्होंने दवाओं को खाने में लापरवाही की होती है। दमा के अटैक का एक कारण प्रदूषण भी है। डॉ. सिंघल कहते हैं कि जिन लोगों को दमा की शिकायत होती है, उन्हें धुल, धुएं से बचना चाहिए। आग जलाकर नहीं बैठना चाहिए। बीमारी के चलते केवल शारीरिक दिक्कत नहीं होती है, बल्कि रोग के कारण अगर व्यक्ति काम करने में असमर्थ होता है तो उसकी आर्थिकी पर भी प्रभाव पड़ता है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी कहते हैं कि सांस फूलना, सांस लेते समय सीटी बजना जैसे लक्षण होते हैं। दमा अटैक कई कारणों से होता है। अगर किसी को दिक्कत होती है तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। तत्काल चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।

मेडिकल कॉलेज के टीबी एवं चेस्ट रोग विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. आरजी नौटियाल कहते हैं कि विभाग में हर महीने विभाग में 80 नए मरीज आ रहे रिपोर्ट हो रहे हैं। इसमें 18 से 45 आयु वर्ग के अधिक होते हैं। इनमें महिलाओं की संख्या तुलनात्मक तौर पर अधिक होती है। डॉ. नौटियाल कहते हैं कि अगर माता-पिता में किसी एक को अस्थमा की दिक्कत है तो बच्चे में होने की आशंका रहती है। अगर बच्चे में अस्थमा के लक्षण दिखाई दें तो इलाज शुरू करा देना चाहिए। बचपन से ही इलाज हो जाता है तो उसके आगामी जीवन पर बीमारी का कोई फर्क नहीं पड़ता है।

पांच साल में पेटीएम से बदरी-केदार में कितना चंदा आया

होगी जांच, क्यूआर कोड बोर्ड से हरकत में आई समिति

देहरादून, एजेंसी। पेटीएम के साथ किन शर्तों पर अनुबंध हुआ था, इसकी तह तक जाने के लिए स्वयं समिति आगे आई है। मामले में मंदिर समिति से जुड़े कुछ कर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। मंदिर समिति की तरफ से मिले शिकायती पत्र में कहा गया कि कि क्यूआर कोड किसने लगाया, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। अब, पुलिस के स्तर पर पूरे प्रकरण को परत दर परत खंगाला जाएगा। चारधाम यात्रा के दौरान पांच साल में पेटीएम से बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिर में कितना चंदा आया है, इसकी जांच की जाएगी। 2017 में मंदिर समिति और पेटीएम के बीच अनुबंध हुआ था, लेकिन 2018 के बाद ऑनलाइन जमा चंदे का कोई अता-पता नहीं है। यहां तक कि मंदिर समिति की वर्तमान कार्यकारिणी को भी चंदे के लिए अनुबंध की कोई जानकारी नहीं है। केदारनाथ व बदरीनाथ मंदिर में पेटीएम क्यूआर कोड के बोर्ड लगाने के बाद समिति हरकत में आ गई है। केदारनाथ व बदरीनाथ मंदिर ने चंदा राशि के ऑनलाइन भुगतान के लिए

पेटीएम के साथ अनुबंध किया था, लेकिन इससे कितनी राशि प्राप्त हुई, इसकी मंदिर समिति को भी जानकारी नहीं है। पेटीएम के साथ किन शर्तों पर अनुबंध हुआ था, इसकी तह तक जाने के लिए स्वयं समिति आगे आई है। मामले में मंदिर समिति से जुड़े कुछ कर्मियों की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। मंदिर समिति ने दोनों मंदिर परिसर में लगाए गए क्यूआर कोड के बोर्ड हटा दिए हैं। समिति के अध्यक्ष, सीईओ, एसीईओ समेत अन्य अधिकारियों को क्यूआर कोड बोर्ड लगाने की जानकारी नहीं थी। मंदिर परिसर में बोर्ड लगाने पर समिति ने मुकदमा भी दर्ज कराया है। साथ ही इससे कितनी राशि मिली है, इसकी जांच कराने का निर्णय भी लिया गया है। मंदिर समिति की तरफ से मिले शिकायती पत्र में कहा गया कि कि क्यूआर कोड किसने लगाया, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। अब, पुलिस के स्तर पर पूरे प्रकरण को परत दर परत खंगाला जाएगा। यह देखा जाएगा कि क्यूआर कोड किसके नाम पर पंजीकृत है और किसके बैंक खाते में धनराशि जमा हो रही है। साथ ही क्यूआर कोड किसने लगाया, इसके लिए सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जाएंगे।

बदरीनाथ व केदारनाथ में क्यूआर कोड बोर्ड लगाने के बारे में मंदिर समिति को कोई जानकारी नहीं दी गई। पेटीएम के साथ 2017 में किन शर्तों पर अनुबंध किया गया और अब तक ऑनलाइन से कितना चंदा मिला है, इसकी जांच की जाएगी। पुलिस को अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दे दी गई है। साथ ही प्रशासन से भी जांच में सहयोग मांगा है। मामला गंभीर है, जिसकी आंतरिक रूप से भी जांच की जा रही है। बीकेटीसी पिछले साल चारधाम यात्रा के दौरान भी केदारनाथ मंदिर में पेटीएम का क्यूआर कोड बोर्ड लगा था। लेकिन बदरीनाथ धाम में इस बार ही यह बोर्ड लगाया गया था। बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के मंदिरों में क्यूआर कोड लगाकर डोनेशन मांगे जाने के मामले में चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं।

पीसीसीएफ अनूप मलिक बने वन विभाग के प्रभारी मुखिया

देहरादून, एजेंसी। वन सचिव विजय यादव की ओर से इसके आदेश जारी किए गए हैं। अनूप मलिक के पास मुख्य परियोजना निदेशक जायका का भी प्रभार है। वरिष्ठ आईएफएस अनूप मलिक को वन विभाग का प्रभारी हॉफ बनाया गया है। वह मंगलवार को चार्ज संभालेंगे। इससे पहले प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) पद को लेकर शासन में डीपीसी हुई। फाइल पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का अनुमोदन लिया जाना बाकी है। वन सचिव विजय यादव की ओर से इसके आदेश जारी किए गए हैं। अनूप मलिक के पास मुख्य परियोजना निदेशक जायका का भी प्रभार है। सोमवार देर शाम हॉफ के पद को लेकर डीपीसी भी हुई। ऐसे में माना जा रहा है कि वरिष्ठता को ध्यान में रखते हुए पीसीसीएफ अनूप

मलिक के नाम पर ही मुहर लगी है। फिलहाल उन्हें प्रभारी हॉफ के तौर पर तैनाती दी गई। इससे पहले बीते दिनों हॉफ की कुर्सी को लेकर दो सीनियर आईएफएस राजीव भरतरी और विनोद कुमार सिंघल की लड़ाई हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची। हाईकोर्ट के आदेश पर भरतरी को पुन- हॉफ की कुर्सी सौंपी गई तो विनोद कुमार सिंघल सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश ले आए। हॉफ की कुर्सी से विनोद कुमार सिंघल 30 अप्रैल को रिटायर हो गए। जबकि राजीव भरतरी भी इसी दिन जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष के तौर पर रिटायर हुए। सोमवार को नए हॉफ को लेकर वन मुख्यालय में कई तरह की चर्चाएं थीं। लेकिन प्रभारी हॉफ के आदेश देर शाम को ही हो पाए। प्रभारी हॉफ बनाए जाने के बाद देर शाम अनूप मलिक ने यमुना कॉलोनी स्थित वन मंत्री सुबोध उनियाल के आवास पर पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की। प्रभारी हॉफ बनाए गए अनूप मलिक मंगलवार को चार्ज संभालेंगे। शासन स्तर पर एक मई को देर शाम आदेश जारी कर दिए गए, लेकिन प्रदेश में ऐसा सात साल बाद होगा, जब हॉफ की कुर्सी एक दिन या उससे अधिक दिन तक खाली रही। इससे पहले वर्ष 2015 में हॉफ की कुर्सी तीन दिन खाली रही थी।

धरनारत खिलाड़ियों के समर्थन में दिल्ली के 360 गांवों के प्रतिनिधि कल पहुंचेंगे जंतर-मंतर : गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

जंतर-मंतर पर इंसाफ की मांग को लेकर धरनारत खिलाड़ियों के समर्थन में दिल्ली के 360 गांवों के किसान भी आ गए हैं। मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में एक प्रेसवार्ता के दौरान आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने बताया कि खिलाड़ियों के समर्थन में बुधवार को दिल्ली के 360 गांवों के प्रतिनिधि जंतर-मंतर पर पहुंचेंगे। इस दौरान इलाके के जन प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे और आंदोलन की आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि कभी प्रधानमंत्री देश का नाम रौशन करने वाली इन बेटियों पर गर्व करते थे, लेकिन आज वो इनकी आवाज नहीं सुन रहे हैं। लगता है कि केंद्र सरकार गलतफहमी है कि खिलाड़ियों की आवाज को दबा देगी, लेकिन ऐसा नहीं होगा। खिलाड़ियों की आवाज को गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में जंतर-मंतर पर पिछले 9 दिनों से देश की बेटियां धरना दे रही हैं। इन बेटियों ने पूरे विश्व में देश का नाम रौशन किया है और इन पर पूरा देश गर्व करता है। पिछले 9 दिनों से ये बेटियों मच्छरों की मार झेल रही है। सोमवार को बारिश में भी ये बेटियों वहीं डटी रहीं। कभी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी इन खिलाड़ियों पर गर्व हुआ करता था, लेकिन आज जंतर-मंतर पर बैठी बेटियों की आवाज उन्हें सुनाई नहीं दे रही है। प्रधानमंत्री के पास उनका पक्ष सुनने या उनकी मांगों पर विचार करने के लिए समय नहीं है। इसके उलट महिला खिलाड़ियों की एक एफआईआर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट को आदेश देना पड़ा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय खेल मंत्री अभी तक इन खिलाड़ियों की बात सुनने को तैयार नहीं है। प्रधानमंत्री मौन साधे हुए हैं और पूरी भारतीय जनता पार्टी इनके खिलाफ दुष्प्रचार करने में लगी हुई है। जिस तरह से किसानो के आंदोलन को हर तरह से बदनाम कर उनके मनोबल को तोड़ने की कोशिश की गई है। आज उसी तरह इन पहलवानो के मनोबल को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। पुलिस उन्हें माइक सिस्टम और ऐसे मौसम में टेंट तक लगाने की इजाजत नहीं दे रही है।

प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि यह जो भी इन खिलाड़ियों के साथ हो रहा है, वो पूरा देश देख रहा है। सभी लोगों के समर्थन की आवाज सोशल मीडिया के जरिए से जंतर-मंतर तक पहुंच रही है। अगर भाजपा की सरकर को यह लगता है कि ये तो सिर्फ चंद लोग हैं और इनके आंदोलन को दबा दिया जाएगा तो वो गलतफहमी में है। किसानो के आंदोलन के समय भी उन्हें लगता था कि वे उनको कुचल देंगे, फजीर्वाड़े में फसा देंगे या झूठी एफआईआर कर बदनाम कर देंगे या कटीले तार लगा कर डरा देंगे, लेकिन अंत में किसान आंदोलन के आगे उन्हें झुकना पड़ा था और तीनों कानून वापस लेने पड़े। आज भाजपा और खासतौर पर केंद्र सरकर के खिलाफ देश के लोगो में रोष बढ़ रहा है और इनमे ज्यादातर लोग वे हैं जो गांवों से निकलकर खेल की तैयारी कर पूरी जिंदगी लगा कर देश का नाम रौशन करते हैं। बुधवार (कल) को दिल्ली के 360 गांवों के प्रतिनिधि जंतर-मंतर पर पहुंचकर इन खिलाड़ियों का समर्थन करेंगे। इसमें इन इलाकों के विधायक, पार्षद और प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार बात नहीं सुनती है तो कल इन प्रतिनिधी के साथ बैठकर आंदोलन को हर गांव तक पहुंचने की रणनीति बनाई जाएगी। इसके बाद इस आंदोलन को लेकर के गांव-गांव तक इन खिलाड़ियों की आवाज को पहुंचाई जाएगी ताकि इन्हें इंसाफ मिल सके। क्योकि अगर किसी भी तरह के मुगालते में केंद्र सरकार है कि खिलड़ियों द्वारा उठाई जा रही मांग को वह ठुकरा देगी तो अब गांव के लोग भी इसके लिए कमर कस रहे हैं। वे भी खिलाड़ियों के साथ जंतर-मंतर पर डेरा डालेंगे। पहले चरण में कल दिल्ली के 360 गांवों के प्रतिनिधि जंतर-मंतर पहुंचकर खिलाड़ियों को समर्थन देंगे और इस आंदोलन को आगे बढ़ने की अपनी रणनीति की घोषणा करेंगे।

एम सी डी और स्थानीय निगम पार्षद द्वारा करवाया जा रहा अवैध निमार्णः अमर तिवारी

- वार्ड 105 महावीर एन्क्लेव में अवैध निर्माण से हो रही स्थानीय निवासियों को परेशानियां

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

वार्ड 105 महावीर एन्क्लेव जोकि जनक पूरी विधानसभा के अंतर्गत आने वाला वार्ड है जिसमें महावीर एन्क्लेव पार्ट 2 एवं 3, चाणक्य प्लेस, जीवन पार्क और महिंद्रा पार्क आते है। अब इन सभी इलाकों में बिल्डरों का बोलबाला है तकरीबन सभी जगह बिल्डरों द्वारा अवैध निर्माण कर स्थानीय निवासियों को परेशानी में डाला जा रहा है । सभी अवैध निर्माण कार्यो को अंजाम एम सी डी एवं स्थानीय निगम पार्षद के मिलीभगत द्वारा करवाया जा रहा है। बिल्डरों द्वारा निर्माण इमारतों में घटिया माल का प्रयोग किया जा रहा है किसी भी अप्रिय घटना होने पर जानमाल का अत्यधिक नुकसान हो सकता है आलम यह है गलियों में एम्बुलेंस तक नही जा सकती। सामजिक कार्यकर्ता अमर तिवारी ने बताया कि पूरे वार्ड में बिल्डरों द्वारा अवैध निर्माण किये जा रहे है जोकि सुरक्षा नियमों को ताक में रखकर बिना नक्शे और घटिया माल का प्रयोग कर इमारत को बनाया जा रहा है जिसके कारण इलाकों में पानी की कमी, सीवर का ओवरफ्लो, पार्किंग की समस्या आम होती जा रही है, जिसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों और निगम पार्षद को लिखित और ऐप्प के माध्यम से कई बार की पर केवल खानापूर्ति कर अवैध निर्माण को अंजाम दिया जा रहा है ।

केजरीवाल के निर्देश पर आतिशी ने बवाना के दरियापुर गाँव में बनाए जा रहे शानदार स्कूल का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी के निर्देश पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने पीडब्ल्यूडी व शिक्षा विभाग के अधिकारीयों के साथ केजरीवाल सरकार द्वारा बवाना विधानसभा के दरियापुर गाँव में बनाए जा रहे शानदार स्कूल का निरीक्षण कियो दरियापुर गाँव में लगभग बनकर तैयार हो चुका ये 4 मंजिला वर्ल्ड-क्लास स्कूल 94 कमरों वाले इस स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम, 10 शानदार लैब, लाइब्रेरी, 250 बच्चों की क्षमता वाले एमपी हॉल आदि से लैस है निरीक्षण के दौरान अधिकारीयों ने शिक्षा मंत्री को बताया कि स्कूल का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चूका है और बचा हुआ कार्य 2-3 हफ्ते में पूरा हो जायेगो और जल्द ही स्कूल बच्चों के लिए शुरू किया जा सकेगा। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि बवाना के दरियापुर गाँव में बनकर तैयार हुआ ये नया शानदार स्कूल शिक्षा को लेकर केजरीवाल सरकार की गंभीरता और प्राथमिकता का उदाहरण है उन्होंने कहा कि 2015 में दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल जी की सरकार से पहले सरकारी स्कूलों का हाल किसी खंडहर से कम नहीं होता थो टूटी दीवारे,अँधेरे कमरों में बच्चों का भविष्य भी कही गुम हो जाता था लेकिन मुख्यमंत्री जी ने शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाई इसी का नतीजा है कि दिल्ली के गावों में भी ऐसे शानदार सरकारी स्कूल बनाकर तैयार हो रहे है जिसमें हम अमीर-गरीब हर तबके के बच्चों के लिए वर्ल्ड-क्लास शिक्षा सुनिश्चित करेंगे शिक्षा मंत्री ने कहा कि,शिक्षा के माध्यम से देश को बदलना मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी का विजन है ये विजन तभी पूरा होगा जब एक गरीब परिवार के बच्चे को वो सभी सुविधाएँ मिले जो एक संपन्न परिवार में बच्चों को मिलती है दिल्ली सरकार के स्कूलों को शानदार बनाकर हमने इसकी शुरूआत कर दी है हमारी सरकार ने दिल्ली के पेरेंट्स को ये भरोसा दिया है कि पैसों की कमी कभी भी उनके बच्चों के क्वालिटी एजुकेशन के आड़े नहीं आएगी

दिल्ली के मॉल में नाबालिग लड़की से छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार इलाके में स्थित वी3एस मॉल में एक खिलौना विक्रेता ने सात साल की एक बच्ची से कथित तौर पर छेड़छाड़ की। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कथित घटना रविवार को हुई। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में पुलिस को पीसीआर कॉल की गई थी। आरोपी की पहचान धीरज कुमार (30) के रुप में हुई है। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अमृता गुगुलोथ ने बताया कि बच्ची अपनी दादी के साथ मॉल गई थी। जैसे ही उसकी दादी वॉशरुम गई, वह खिलौनों की दुकान में घुस गई, जहां आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने कहा कि पीड़िता का हेडगेवार अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण किया गया और दिल्ली महिला आयोग ने उसकी काउंसेलिंग की। गुगुलोथ ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (महिला की मयार्दा भंग करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉस्को) के प्रावधानों के तहत सरिता विहार के आली गांव के निवासी धीरज कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच की जा रही है।

राज्यपाल ने स्त्री शक्ति सम्मान से नवाजा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव, तिरुपति (सिद्ध गुरु) की असीम अनुकंपा एवं अनंत आशीर्वाद से श्री सिद्धेश्वर द पावर ऑफ सोल सिद्धासना को महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री रमेश बैस द्वारा गवर्नर हाउस में स्त्री शक्ति राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया । यह पुरस्कार सिद्धेश्वर द पावर ऑफ सोल सिद्धासना को स्वास्थ्य एवं जीवन कौशल के उत्थान के लिए उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रदान किया गया। संपूर्ण ब्रह्मर्षि परिवार आज गौरवान्वित है कि सिद्धेश्वर द पावर ऑफ सोल के माध्यम से मौन साधना की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दे रही है जिससे न जाने कितने ही लोगों ने अपने स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से निजात पाई है। राज्यपाल रमेश बैस ने सिद्धेश्वर द पावर ऑफ सोल की सदस्य शिल्पा श्यामसुखा मेहता, नम्रता मेहता, नीता एवं मीनाक्षी मर्डिया को यह पुरस्कार प्रदान किया। सिद्धेश्वर द पावर ऑफ सोल एक अत्यधिक विकसित कार्यक्रम है जो मनुष्य की चेतना के स्तर को मौन की शक्तियों के द्वारा अनंत की ऊर्जा से जोड़ता है। क्रोध, तनाव, हताशा एवं अवसाद जैसी नकारात्मक भावनाओं को इस कार्यक्रम के माध्यम से दूर करके व्यक्ति अपने परम उद्देश्य के और करीब आ जाता है। सिद्धासना के मूल में ही आत्मशक्ति के उत्थान पर जोर दिया गया है जिसके माध्यम से व्यक्ति परिवार से परमात्मा तक की इस अलौकिक यात्रा को पूर्ण करता है । सिद्धासना, आंध्रप्रदेश के तिरुपति नगर स्थित ब्रह्मर्षि आश्रम में आयोजित की जाती है। इस आवासीय साधना में सात दिनों तक व्यक्ति मौन, ध्यान, योग एवं सात्विकता के साथ स्वयं को और नजदीक से जानता है । दुनिया के कोने-कोने से लोग इस अद्भुत यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इसके लिए पूरे सूर्य दत्ता ग्रुप का आभार प्रकट किया गया।

आवास नवीनीकरण जांच में खुलेगी पोल पट्टी : नीलम चौधरी

नई दिल्ली। बाबरपुर जिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष नीलम चौधरी का कहना है मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के बंगले के सौंदर्यीकरण मे खर्च हुए 45 करोड रुपए में वित्तीय नियमों के उल्लंघन का मामला है उनका कहना है कि करोड़ों रुपयों के गैर कानूनी खर्च में उस समय के मंत्री भी बराबर के साझीदार रहे हैं क्योंकि लगभग 45 करोड खर्च करने के लिए कोई भी सार्वजनिक निविदा जारी नहीं की गई। नियमानुसार सौंदर्यीकरण के लिए निविदा जारी की जाती और नियमों के तहत जिस निर्माण एजेंसी को काम मिलना तय होता उसे निर्माण का जिम्मा दिया जाता लेकिन ऐसा न करके एक बड़े घोटाले का सृजन किया गया। उपराज्यपाल ने सारे मामले की जांच के आदेश दे दिए है अब सारी पोल पट्टी खुलनी तय है। नीलम चौधरी कहती हैं कि 10 करोड़ से अधिक की किसी भी योजना की सैद्धांतिक मंजूरी के लिए मुख्य अभियंता के अनुमोदन की जरूरत होती है लेकिन उस प्रक्रिया से बचने के लिए मुख्यमंत्री आवास के जीर्णोद्धार में 10 करोड से कम की कई योजनाएं बनाकर निर्माण कार्य पूरा कराया गया ताकि योजना की मंजूरी के लिए सचिव और मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारियों तक फाइल भेजी ही न जाए इसीलिए 5 योजनाएं बनाकर मुख्यमंत्री आवास का नवीनीकरण किया गया इस बड़ी वित्तीय अनियमितता की आड़ में हुए घोटाले में शामिल सभी लोगों की जांच की जाए ।

प्रगति मैदान के पास झुग्गियों को 31 मई तक खाली करने का मिला समय, हाईकोर्ट ने दखल देने से किया इनकार

- यह भी पाया कि संबंधित संरचनाएं क्षेत्र में मान्यता प्राप्त झुग्गी क्लस्टर से काफी दूरी पर भी थीं।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

प्रगति मैदान के पास जुग्गयों के तोड़े जाने के मामले में हस्तक्षेप करने से दिल्ली हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। साथ ही कोर्ट ने झुग्गियों में रहने वाले लोगों को परिसर खाली करने के लिए एक महीने का समय दिया है। निवासियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि अधिकारी 31 मई के बाद झुग्गियों को तोड़ने की कार्रवाई कर सकते हैं। आश्रय गृह में मिलेगा वैकल्पिक आवास साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट किया कि याचिकाकताओं को लागू मानदंडों के अनुसार आश्रय गृह में वैकल्पिक आवास प्रदान किया जाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले में दखल देने से इनकार करते हुए कहा कि लागू मानदंडो के अनुसार याचिकाकताओं को शेल्टर होम में जाने के लिए एक महीने का समय दिया जाता है। 31 मई के बाद अधिकारी झुग्गियों को तोड़ने की कार्रवाई कर सकते हैं।

पुनर्वास का निर्देश नहीं दिया जा सकता- कोर्ट कोर्ट ने आगे कहा कि निर्धारित तिथि तक याचिकाकताओं का सारा सामान हटा दिया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि भैरो मार्ग के किनारे स्थित झुग्गियां दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड द्वारा अधिसूचित क्लस्टर का हिस्सा नहीं थीं, इसलिए पुनर्वास का निर्देश नहीं दिया जा सकता है। यह भी पाया कि संबंधित संरचनाएं क्षेत्र में मान्यता प्राप्त झुग्गी क्लस्टर से काफी दूरी पर भी थीं। मान्यता प्राप्त बस्ती का हिस्सा नहीं ये झुग्गियां कोर्ट ने कहा कि स्केच में बताया गया कि याचिकाकताओं की झुग्गियां भैरों मार्ग की सड़क किनारे हैं। वे मान्यता प्राप्त झुग्गियां नहीं हैं। कोर्ट ने विध्वंस के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक कोई झुग्गी डीयूएसआईबी के मान्यता प्राप्त समूह का नहीं है, तक पुनर्वास का निर्देश नहीं दिया जा सकता है। इसके अलावा, इस मामले में कोई संदेह नहीं है कि ये झुग्गियां मान्यता प्राप्त बस्ती का हिस्सा नहीं हैं।

बता दें कि इस साल की शुरूआत में याचिकाकताओं ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा प्रगति मैदान के पीछे जनता कैंप रेलवे नर्सरी में झुग्गियों के विध्वंस के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था। याचिकाकताओं ने कोर्ट में दावा किया कि झुग्गियां अधिसूचित क्लस्टर का हिस्सा हैं। फरवरी में अदालत ने विचाराधीन झुग्गी के विध्वंस पर रोक लगा दी थी और इस मुद्दे पर केंद्र और दिल्ली सरकार के अधिकारियों का रुख पूछा था।

400 करोड़ की सहायता राशि मिलने के बाद

एमसीडी के स्कूलों में सुधार की उम्मीद : अधिकारी

- गौरतलब है कि शिक्षा मंत्री आतिशी ने अप्रैल में धनराशि के प्रावधान की घोषणा की थी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार द्वारा दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्कूलों के लिए 400 करोड़ रुपये की मंजूरी दिए जाने के बाद स्कूलों के कई मुद्दों का समाधान होगा और उनमें सुधार लाने में काफी मदद मिलेगी। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि एमसीडी के स्कूलों में पढ़ने वाले नौ लाख बच्चे इस कदम के बाद बेहतर शिक्षा प्राप्त करेंगे।

सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, केजरीवाल सरकार ने एमसीडी स्कूलों को विश्वस्तरीय बनाने के उद्देश्य से उनके विकास के लिए 400 करोड़ रुपये जारी करने की मंजूरी दी है। गौरतलब है कि शिक्षा मंत्री आतिशी ने अप्रैल में धनराशि के प्रावधान की घोषणा की थी। धनराशि की घोषणा करते हुए आतिशी ने कहा था, जब से केजरीवाल सरकार सत्ता में आई है, शिक्षा हमेशा से उसकी प्राथमिकता रही है। हर साल यह सुनिश्चित किया जाता है कि बजट का एक बड़ा हिस्सा शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा था कि दिल्ली की शिक्षा प्रणाली संकट का सामना कर रही है क्योंकि पहली कक्षा से पांचवी कक्षा तक के सरकारी स्कूल एमसीडी के अंतर्गत आते हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के स्कूलों के बाद अब केजरीवाल सरकार की प्रतिबद्धता है कि उसी तर्ज पर एमसीडी के स्कूलों को भी विश्वस्तरीय बनाया जाए। केजरीवाल सरकार ने एमसीडी स्कूलों के विकास के लिए अनुदान सहायता के रूप में 1,700 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। यह राशि एमसीडी स्कूलों में बेहतर बुनियादी ढांचा और सुविधाएं सुनिश्चित करने और कर्मचारियों को समय पर वेतन देने में एमसीडी की मदद करेगी।

हल्की बारिश, तेज हवा चलने का अनुमान

नई दिल्ली। दिल्ली के कई हिस्सों में भारी बारिश के एक दिन बाद मंगलवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 19.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शहर में आज गरज के साथ छींटे पड़ने और तेज हवा चलने का अनुमान जताया है।

आईएमडी ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक बीते 24 घंटे में 15 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गयी। दिल्ली में सोमवार को 14.8 मिमी बारिश दर्ज की गयी थी जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 19.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 19.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 87 फीसदी दर्ज किया गया। सोमवार को अधिकतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो साल के इस वक्त के लिए औसत तापमान से 13 डिग्री सेल्सियस कम है। यह 13 साल में मई में सबसे ठंडा दिन भी रहा और इस साल गर्मियों के मौसम में लगातार दूसरे दिन ठंड रही जब अधिकतम तापमान सामान्य से 10 डिग्री नीचे चला गया जबकि आम तौर पर इस महीने में भीषण गर्मी पड़ती है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण दो और दिन बारिश होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों ने हल्की बारिश और तेज हवा चलने के साथ आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। मंगलवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 73 यानी संतोषजनक श्रेणी में दर्ज किया गया।

उल्लेखनीय है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब तथा 401 और 500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

डेढ़ साल पहले ही बन चुकी थी टिल्लू ताजपुरिया मर्डर की प्लानिंग, बस एक मौके की तलाश में था गोगी गैंग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

एशिया की सबसे सुरक्षित और आजकल सबसे ज्यादा बदनाम तिहाड़ जेल में आज सुबह गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया के कत्ल पर हैरत नहीं होनी चाहिए, क्योंकि उसके इस कत्ल की स्क्रिप्ट तो 24 सितंबर 2021 को उसी दिन लिखी जा चुकी थी, जिस दिन दिल्ली की सबसे सुरक्षित समझी जाने वाली रोहिणी कोर्ट में जज के सामने टिल्लू के शूटर्स ने जितेंद्र मान उर्फ गोगी को गोलियों से भून डाला था। वे दोनों ही शूटर्स खुद इसी टिल्लू ताजपुरिया ने ट्रेंड किए थे।

हां, हैरानी इस बात पर जरूर होनी चाहिए कि आखिर दिल्ली की जिन जेलों की सुरक्षा पर अरबों रुपए सालाना फूंका जा रहा है, वहां की सुरक्षा को लेकर हवा में दावे किए जाते हैं कि दिल्ली की जेलों में परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। उसी दिल्ली की तिहाड़ जेल में आखिर आए दिन कत्ल-ए-आम कैसे संभव हो जा रहे हैं? अगर दिल्ली की जेलों की सुरक्षा में झोलों की भीड़ मौजूद नहीं है तो?

बहरहाल, फिलहाल दिल्ली की जेल में किसी बदमाश के कत्ल पर हैरत करने में वक्त जाया करना भी ठीक नहीं है। यह बात टीवी9 से बातचीत में खुद दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के रिटायर्ड डीसीपी एलएन. राव ही कहते हैं। लंबे समय से दिल्ली हाईकोर्ट में वरिष्ठ क्रिमिनल लॉयर की हैसियत से प्रैक्टिस कर रहे एलएन. राव ने कहा कि तिहाड़ का हौवा अब खतम हो चुका है। एलएन. राव ने कहा कि जिस जेल का डीजी (जेल महानिदेशक) ही रिश्वत लेने के कथित आरोपों में सस्पेंड चल रहा हो, वहां की सुरक्षा राम भरोसे ही होगी। इसमें चर्चा या हैरत की क्या बात है? गंभीर मुद्दा यह है कि आखिर जब अदालत से सजायाफ्ता मुलजिम या मुजरिम जेल में ही जिंदा नहीं रखे जा सकते हैं तो फिर अब देश की अदालतें टिल्लू ताजपुरिया जैसे खूंखार अपराधियों को कहां ले जाकर बंद करें?

गोगी की हत्या के बाद लिखी जा चुकी थी टिल्लू के मर्डर की स्क्रिप्ट

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की नौकरी में लंबे समय तक टिल्लू ताजपुरिया और गोगी जैसे खतरनाक गैंगस्टर्स से दो-दो हाथ करते रहे एलएन. राव आगे कहते हैं, जिस दिन इसी टिल्लू ताजपुरिया के बदमाशों ने रोहिणी की भरी कोर्ट में जज के सामने गोगी को गोलियों से भून डाला था। जेल के भीतर इस तरह से टिल्लू को कत्ल किए जाने की स्क्रिप्ट उसी दिन लिख गई थी। यह दावा मैं दिल्ली पुलिस की नौकरी के दौरान इन गैंगस्टर्स के करीब रहने के चलते कर सकता हूं। दरअसल लॉरेंस बिश्नोई, गोल्डी बरार, दविंदर बंबिहा, नीरज बवाना उर्फ बवानिया, टिल्लू ताजपुरिया और गोगी जैसे गैंगस्टर के अंदर गुरूर और घमंड कूट-कूट कर भरा होता है। अगर, यह इनके अंदर मौजूद न हो तो यह खून खराबे की जिंदगी अपनाएं ही न। इनका अहम इन्हें अपराध की दुनिया में लेकर आता है और यह अहम की लड़ाई लड़ते हुए ही एक दूसरे के हाथों मार कर निपटा दिए जाते हैं। एलएन. राव ने कहा कि जिस दिन रोहिणी कोर्ट में टिल्लू ताजपुरिया के लड़कों (शूटर्स) ने जिस तरह दुस्साहिसक रूप से गोगी को गोलियों से भूना था, मैं उसी दिन समझ गया था कि अब पुलिस का काम आसान हो चुका है। इन गैंगस्टर और इनके गुर्गों को दबोचने के लिए पुलिस को मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। आज नहीं तो कल जिस दिन गोगी के लड़कों के हाथ मौका आया, वे टिल्लू ताजपुरिया को या तो जेल के भीतर या फिर कोर्ट में आते जाते निपटा लेंगे।

देख लीजिए आज वही हो गया है, जो मैंने 24 सितंबर 2021 को रोहिणी कोर्ट में गोगी के कत्ल के बाद सोचा था। हालांकि, टिल्लू ताजपुरिया का कत्ल रास्ते में और कोर्ट में किया जाना काफी मुश्किल होता, क्योंकि जिस तरह से भरी अदालत में सुरक्षाकर्मियों के बीच गोगी का कत्ल किया गया था, उसके बाद से दिल्ली पुलिस अलर्ट थी। गोगी के दोनों हमलवार कोर्ट में ही मारे गए थे

लिहाजा चूंकि रास्ते में या फिर कोर्ट में लाते ले जाते टिल्लू को निपटाने की कोशिश में उसके हमलावर भी निपटा दिए जाते। जैसा कि गोगी के कत्ल के दौरान हुआ। उसके हमलावरों को कोर्ट में ही दिल्ली पुलिस के सुरक्षाकर्मियों ने गोलियों से भून डाला था। लिहाजा ऐसे में टिल्लू ताजपुरिया को तिहाड़ के भीतर ही कत्ल करने में दुश्मन गैंग के बदमाशों ने भलाई समझी। तिहाड़ में टिल्लू के कत्ल के दौरान दुश्मन गैंग के गुंडे (हमलावर) खुद को साफ जिंदा बचा ले जाने में सफल रहे और दुश्मन यानी टिल्लू ताजपुरिया आसानी से मार डाला गया।

जेल के अंदर अटैक कर बच गए हमलावर दिल्ली पुलिस के पूर्व डीसीपी एलएन. राव कहते है कि, बदमाश यूं तो मरने से नहीं डरता है। हां, लेकिन जब वो अपनी मौत और जिंदगी में से किसी को चुनता है तो अपनी जिंदगी को पहले चुनता है। इसीलिए टिल्लू के हमलावरों ने भी उसे निपटाने के बाद भी खुद को जिंदा रखने की सोचते हुए ही जेल के भीतर टिल्लू को मार डाला। अगर, यही हमला टिल्लू के ऊपर जेल से बाहर किया जाता तो जवाबी हमले में हमलावरों को भी नुकसान होना तय था। विचार इस पर करने की जरूरत है कि आखिर तिहाड़ सी सुरक्षित जेल में आए दिन कत्ल-ए-आम क्यों और कैसे हो जा रहे हैं?

दिल्ली हाईकोर्ट ने दहाड़ी मजदूरों को जब्ती के खिलाफ अपील के लिए जुमार्ना जमा कराने से दी छूट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली हाईकोर्ट ने गरीब दिहाड़ी मजदूरों को बिना जुमार्ना जमा कराए जब्ती के खिलाफ अपील की अनुमति दी है। न्यायमूर्ति राजीव शकधर और तारा वितस्ता गंजू की खंडपीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि अपील के लिए पूर्व अर्हताओं को पूरा करना कानूनी तौर पर जरूरी हो सकती है, लेकिन बेहद कठिन अर्हता होने से अपील का अधिकार बेमानी हो सकता है। याचिकाकर्ता असम के होजाई के इस्लाम नगर के रहने वाले गरीब दिहाड़ी मजदूर हैं जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। वे खेती और थोड़ी बहुत अगर की लकड़ियां बेच कर अपना गुजर-बसर करते हैं। उन्होंने दावा किया कि कस्टम अधिकारियों ने उनके पास से जो सामान बरामद किया था वे उन्होंने खरीदे थे जिसकी रसीद कारण बताओ नोटिस के जवाब के साथ संलग्न किए गए हैं। याचिकाकताओं का कहना है कि सामग्रियों की गलत कीमत के आधार पर उन पर जुमार्ना लगाया गया है जो उनके बाजार मूल्य से काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण वे अपील के लिए जुमार्ने की राशि जमा कराने में सक्षम नहीं हैं और इसलिए कस्टम एक्ट की धारा 129ई के तहत अपील नहीं कर सकते। उन्होंने सेक्शन 129ई की संवैधानिक वैधता पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि खेती से प्राप्त अगर की लकड़ी और तेल का निर्यात प्रतिबंधित नहीं है। याचिकाकताओं ने अपने तर्क के समर्थन में 29 नवंबर 2021 की एक अधिसूचना का हवाला दिया और कहा कि इस अधिसूचना के जरिए संशोधन के बाद इन सामग्रियों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा है। कस्टम अधिकारियों द्वारा जब्ती के समय 20 सितंबर 2019 को यह नीति लागू नहीं थी। कस्टम विभाग ने 20 सितंबर 2019 के वाइल्ड लाइफ इंस्पेक्टर की एक रिपोर्ट के हवाले से कहा कि ये सामग्रियां कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन इंडेंजर्ड स्पीसीज ऑफ वाइल्ड फौना एंड फ्लोरा के दूसरे एपेंडिक्स में शामिल हैं और इसलिए संरक्षित की श्रेणी में हैं। जिला मजिस्ट्रेट ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि याचिकाकताओं की वित्तीय स्थिति अच्छी नहीं है और वे कस्टम एक्ट की धारा 129ई के तहत अपील करने में सक्षम नहीं हैं। अदालत ने कहा कि कस्टम विभाग के अधिकारियों ने अस्थाई तौर पर अगर की लकड़ी की कीमत पांच लाख रुपए और उसके तेल की कीमत आठ लाख रुपए प्रति किलोग्राम तय की है। इस कीमत के समर्थन में उन्होंने कोई दस्तावेज या तर्क नहीं दिया है। कीमत के बारे में अंतिम रिपोर्ट भी नहीं दी गई है। यह कीमत असम सरकार की अगर की लकड़ी संबंधित नीति के अनुरूप नहीं है। खंडपीठ ने कहा कि जुमार्ने के निर्धारण के लिए ठीक से गणना नहीं की गई। इसलिए इसका कोई कानूनी आधार नहीं है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा, इसलिए, याचिकाकर्ता को मूल्य निर्धारण के खिलाफ अपना पक्ष रखने का अवसर

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 03 मई, 2023

आवास सौंदर्यीकरण मामले में केजरीवाल को जेल जाना होगा: रामवीर सिंह बिधूड़ी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मंगलवार को दावा किया कि अपने सरकारी आवास के सौंदर्यीकरण पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल जाना होगा। बिधूड़ी यहां केजरीवाल के घर के बाहर धरने पर बैठे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं को संबोधित कर रहे थे। भाजपा ने सोमवार को मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया था। बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास के सौंदर्यीकरण पर 15 लाख रुपये तक खर्च करने के हकदार थे लेकिन इसके बदले उन्होंने 45 करोड़ रुपये खर्च कर डाला। उन्होंने कहा, जब तक केजरीवाल तिहाड़ जेल नहीं पहुंच जाते, तब तक भाजपा के कार्यकर्ता चैन से नहीं बैठेंगे। सौंदर्यीकरण में हुए खर्च में घोटाले का आरोप लगाते हुए, भाजपा ने केजरीवाल के इस्तीफे की भी मांग की है। बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के गलत कामों का दिल्ली की जनता के सामने पदार्फाश हो गया है और उन्हें 2025 में सत्ता से हटा दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा सरकार बनाएगी। आप नेताओं ने कहा है कि भाजपा-नीत केंद्र सरकार जनता से जुड़े मुद्दों से देश का ध्यान हटाने के लिए केजरीवाल पर हमले कर रही है।

ईडी के आरोप में मेरा नाम है, ये सारी खबरें झूठी हैं: राघव चड्ढा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम ईडी की सप्लीमेंट्री चार्जशीट में आया है। मंगलवार को प्रेस वार्ता कर राघव चड्ढा ने बताया कि एक किसी बैठक का जिक्र है कि मैं वहां था, लेकिन एक बार फिर से बता दूं कि मामले में ना तो अभियुक्त हूं ना ही गवाह या संदिग्ध। ऐसे में मीडिया के लोगों से हाथ जोड़कर विनती है कि एक व्यक्ति के लिए उसकी छवि ही सबकुछ होती है। जिसे बिना मेरे पक्ष के छापा या दिखाया गया, मुझे आरोपित के तौर पर बताया गया, उसे ठीक कर लें वर्ना मुझे कानूनी कार्रवाई करनी पड़ेगी। ये सब राजनीति से प्रेरित है। भाजपा मेरा नाम खराब करने की कोशिश कर रही है, क्योंकि राघव चड्ढा अरविंद केजरीवाल का सच्चा सिपाही है।

चड्ढा ने बताया कि मेरे नेता अरविंद केजरीवाल ने मुझे पंजाब में जिम्मेदारी दी वहां हमारी सरकार बनी, गुजरात में सहप्रभारी बनाया गया वहां से हम राष्ट्रीय पार्टी बने। अरविंद केजरीवाल के सभी सिपाहियों को परेशान किया जा रहा है।

राघव ने कहा कि ये भाजपा के दिमाग का घोटाला है। इस जांच में एक हजार अधिकारी लगे हुए हैं, 400 से ज्यादा रेड हुई हैं। इसमें कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन भाजपा की एजेंसियों को 10 रुपए भी नहीं मिले हैं। उधर,सीबीआई और ईडी के अफसरों पर आप नेताओं को गिरफ्तार कर खत्म करने का दबाव बनाया जा रहा है। इस दौरान आम आदमी पार्टी इस तरह की चार्जशीट और मुकदमें से डरने वाली नहीं है।

आप ने शराब नीति से हासिल रकम को गोवा चुनाव में झोंकने के लिए हवाला, नकद भुगतान का रास्ता अपनाया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी (आप) पर दक्षिण समूह की शराब लॉबी से कथित तौर पर मिली 100 करोड़ रुपये की दलाली का इस्तेमाल 2022 के गोवा विधानसभा चुनाव प्रचार में करने का आरोप लगाया है। दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी की ओर से दायर पूरक आरोप-पत्र में ये आरोप लगाये गये हैं। इसने अभियोजन शिकायत में एक मीडिया प्रचार कंपनी, चैरियट प्रोडक्शंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और उसके मालिक-प्रवर्तक राजेश जोशी को आरोपी बनाया है। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को इस आरोप-पत्र का संज्ञान लिया। ईडी के आरोपों के अनुसार, जांच के निष्कर्षों का सावधानीपूर्वक अवलोकन करने से पता चला है कि राजेश जोशी और उनकी कंपनी चैरियट प्रोडक्शंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के अलावा कई व्यक्ति दक्षिण की शराब लॉबी से मिली 100 करोड़ रुपये की दलाली के हिस्से से जुड़ी कई प्रक्रियाओं/गतिविधियों में शामिल हैं। जांच एजेंसी ने कहा है, चैरियट प्रोडक्शंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड न केवल बैंकिंग चैनल के माध्यम से भुगतान करने में शामिल है, बल्कि हवाला नेटवर्क के माध्यम से नकद भुगतान करने में भी और इन भुगतान की वास्तविक लाभार्थी आप है, क्योंकि इन भुगतानों का उपयोग वर्ष 2022 में गोवा चुनाव के खर्च को पूरा करने के लिए किया गया था। इसमें कहा गया है, पिछले साल इस मामले में धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत शुरू की गई धनशोधन की जांच में पाया गया कि 30 करोड़ रुपये की आपराधिक कमाई का एक हिस्सा हवाला नेटवर्क के माध्यम से गोवा चुनाव प्रचार में आप के विज्ञापन के लिए वेंडर को भुगतान के लिए स्थानांतरित किया गया था। ईडी ने कहा, भुगतान बैंकिंग चैनल के साथ-साथ नकद भी किया गया था। जांच एजेंसी का कहना है कि ये सभी लेन-देन आपस में जुड़े हुए हैं, जो विभिन्न प्रक्रियाओं और गतिविधियों के माध्यम से 100 करोड़ रुपये के इस्तेमाल की कहानी बयां करते हैं और ये रकम आप सरकार के मंत्रियों, नेताओं और सहयोगियों द्वारा इस्तेमाल की गयी थी। आप ने बार-बार इन आरोपों का खंडन किया है। एजेंसी ने पहले के आरोप-पत्र की भांति ही इस बार भी आप नेता एवं सांसद राघव चड्ढा के नाम का उल्लेख किया है। हालांकि, आरोप-पत्र में चड्ढा को आरोपी के रूप में नामित नहीं किया गया है। दक्षिण समूह की शराब लॉबी कथित तौर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी एवं विधान पार्षद के. कविता और ओंगोल से वाईएसआर कांग्रेस सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, उनके बेटे राघव मगुंटा और अन्य से जुड़ी हुई है।

लोहे की ग्रिल काटी, चादर की मदद से सेल में कूदे यही चार बदमाश जिसने टिल्लू ताजपुरिया को मारा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया उर्फ सुनील मान की आज सुबह तिहाड़ जेल में हत्या कर दी गई। वारदात को चार बदमाशों ने मिलकर अंजाम दिया। इनकी पहचान दीपक, योगेश, राजेश और रियाज के तौर पर हुई है। चारों बदमाशों की तस्वीर भी सामने आई है। ये चारों तिहाड़ जेल नंबर 9 की फर्स्ट फ्लोर के एक सेल में बंद थे। जेल के अधिकारियों के मुताबिक, वारदात में शामिल सभी अपराधियों का गोगी गैंग से कनेक्शन है। चारों बदमाशों ने वारदात को पूरी प्लानिंग के साथ अंजाम दिया। चारों ने पहले लोहे की ग्रिल को काटा फिर चादर की मदद से ग्राउंड फ्लोर पर कूदे। यहीं पर हाई सिक्योरिटी में टिल्लू ताजपुरिया जेल की एक सेल में बंद था। इसके बाद चारों ने अचानक टिल्लू पर हमला बोल दिया। बदमाश अपने साथ लोहे के रॉड और सूए लाए थे। टिल्लू के शरीर पर किसी ने रॉड से हमला किया तो किसी ने सूए से। बदमाशों ने उसके पेट में रॉड घोंप दिया।

हमले के बाद टिल्लू बेहोश हो चुका था जेल कर्मी जब सेल में आए तो टिल्लू बेहोश हो चुका था। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोगी गैंग की कमान दीपक बॉक्सर के हाथ मे थी। दीपक बॉक्सर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल मेक्सिको से गिरफ्तार करके लाई थी। दीपक पर भी अपराध के कई मामले दर्ज हैं। वह भी अपने अन्य गुर्गों के साथ तिहाड़ जेल में बंद है।

रॉड को बदमाशों ने नुकिला बनाया था टिल्लू मर्डर को बदमाश गोगी की हत्या के बदले के तौर पर देखा जा रहा है। बदमाशों ने हमले में जिस रॉड का इस्तेमाल किया है, उसे वह लोहे की ग्रिल से निकालकर लाए थे। रॉड को बदमाशों ने नुकिला बनाया था। इस हमले में टिल्लू के साथ एक अन्य कैदी रोहित भी जख्मी हो गया था। टिल्लू ताजपुरिया पर अपराध के कुल 11 केस दर्ज हैं, जिनमें 3 केस तो सिर्फ हत्या के हैं। टिल्लू गैंग के कई सदस्यों पर साल 2018 में मकोका भी लगाया गया था।

टिल्लू का नीरज बवाना और सुनील राठी गैंग से था कनेक्शन टिल्लू अपराध को अंजाम देने के लिए कई टूसरे गैंग की भी मदद लेता था। उसका नीरज बवाना और सुनील राठी गैंग से भी कनेक्शन था। साल 2016 में पुलिस ने हत्या के आरोप में हरियाणा के रोहतक से टिल्लू को अरेस्ट किा था, तब से लेकर वह जेल से बाहर नहीं निकला था।टिल्लू बाहरी दिल्ली के ताजपुर गांव का निवासी है। टिल्लू और गोगी एक अच्छे दोस्त थे, लोग उनकी दोस्ती की मिसालें दिया करते थे। हालांकि, इस दोस्ती में फूट डालने का काम किया कॉलेज का चुनाव। दरअसल, दोनों अलग-अलग उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करने लगे। इसके बाद ये दोस्ती दुश्मनी में बदल गई। साल 2021 में रोहिणी कोर्ट रूम के अंदर दिनदहाड़ी जितेंद्र गोगी की हत्या हो गई। ऐसे आरोप लगे कि इस हत्याकांड को टिल्लू ने अपने गुर्गों की मदद से अंजाम दिलवाया है।

एम्स में देश का पहला रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र खुला

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली में आज (मंगलवार) पूर्वाह्न 11 बजे रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया। यह देश का पहला रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र है। एम्स के अधिकारियों के अनुसार, यह सुविधा एम्स नई दिल्ली के वेट लैब, एसईटी (कौशल, ई-लर्निंग, टेलीमेडिसिन) सुविधा और कन्वर्जेंस ब्लॉक में उपलब्ध होगी। इस केंद्र की स्थापना इंडिया मेडट्रॉनिक प्राइवेट लिमिटेड की साझेदारी में की गई है। यह केंद्र सर्जनों को रोबोटिक सर्जरी में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इसमें सिमुलेशन के साथ वेट लैब प्रशिक्षण भी शामिल है। यहां एम्स के अलावा दूसरे अस्पतालों के डॉक्टर भी रोबोटिक सर्जरी का प्रशिक्षण ले सकेंगे। अब डॉक्टरों को रोबोटिक सर्जरी के प्रशिक्षण के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दिल्ली रोहिणी अदालत में गोलीबारी मामले के आरोपी टिल्लू ताजपुरिया की तिहाड़ जेल में हत्या

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की रोहिणी अदालत में गोलीबारी की घटना के आरोपी टिल्लू ताजपुरिया की तिहाड़ जेल में आज सुबह उसके प्रतिद्वंद्वियों ने हमला कर कथित तौर पर हत्या कर दी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कारागार अधिकारियों के मुताबिक, घटना सुबह करीब साढ़े छह बजे की है। प्रतिद्वंद्वियों के हमले के बाद ताजपुरिया को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कारागार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया (33) को उच्च जोखिम वार्ड के निचले तल में बंद किया गया था। प्रतिद्वंद्वी गुट गोगी गिरोह के चार कैदियों ने सुबह छह बजकर 15 मिनट पर उस कथित हमला किया। अधिकारी ने बताया कि हमलावर-दीपक उर्फ तीतर, योगेश उर्फ टुंडा, राजेश और रियाज खान उसी वार्ड के पहले तल पर बंद थे।

उन्होंने उच्च सुरक्षा वाले वार्ड के पहले तल पर लगी लोहे की जाली को कथित तौर पर काटा तथा चादर की सहायता से वे नीचे उतर आए। अधिकारी के अनुसार, इसके बाद हमलावरों ने ताजपुरिया पर धारदार वस्तु से हमला किया। जेल के अधिकारी ने बताया कि जेल में उपचार के बार तेजपुरिया को सुबह छह बजकर करीब 45 मिनट पर दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) अक्षत कौशल ने बताया कि सुबह करीब सात बजे उन्हें तिहाड जेल से दो विचाराधीन कैदियों को लाए जाने के संबंध में दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल से सूचना मिली थी। कौशल ने बताया कि तेजपुरिया को बेहोशी की अवस्था में लाया गया था, उसे मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, अन्य व्यक्ति रोहित का उपचार चल रहा है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जाती है। गौरतलब है कि सितंबर 2021 में गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की रोहिणी अदालत परिसर में दो लोगों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। हमलावर वकीलों का परिधान पहने हुए थे। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों हमलावर मारे गए थे।

एमसीडी में सदस्यों का मनोनयन: न्यायालय आठ मई को करेगा दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली नगर निगम में 10 सदस्यों को मनोनीत करने के उप राज्यपाल के अधिकार को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर वह आठ मई को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने इस तथ्य का संज्ञान लिया कि उप राज्यपाल कार्यालय की ओर से पक्ष रख रहे वकील ने पत्र देकर कार्यवाही स्थगित करने का अनुरोध किया है। पीठ ने कहा, हम तब इसे सोमवार, आठ मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे। उप राज्यपाल की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता पक्ष रख रहे थे और दिल्ली सरकार की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी पेश हुए। शीर्ष अदालत ने इस बारे में पहले मौखिक रूप से कहा था कि उप राज्यपाल एमसीडी में 10 सदस्यों को मनोनीत करने में मंत्रिपरिषद की सलाह और सहायता के बिना किस तरह काम कर सकते हैं। इससे पहले न्यायालय ने दिल्ली सरकार की उस अर्जी पर नोटिस जारी किया था जिसमें 10 सदस्यों के मनोनयन को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। उप राज्यपाल कार्यालय ने कहा था कि शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के 2018 के फैसले के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार (जीएनसीटीडी) कानून की धारा 44 में संशोधन किया गया। उप राज्यपाल की ओर से विधि अधिकारी ने कहा, संशोधन के मद्देनजर एक अधिसूचना जारी की गयी थी जिसे एक अलग याचिका के माध्यम से चुनौती दी गयी है। उन्होंने कहा कि हलफनामा के माध्यम से जवाब दाखिल किया जाएगा। दिल्ली सरकार का पक्ष रख रहे सिंघवी ने दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि वे साफतौर पर गलत हैं और उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 239एए की संवैधानिक व्याख्या को किसी विधान को बदलकर नकारा नहीं किया जा सकता।

नई आबकारी पॉलिसी अरविंद केजरीवाल का ही प्लान

- इसी के ही साथ कहा गया है कि विजय नायर पार्टी का महत्वपूर्ण सदस्य और आबकारी नीति को पूरी तरह से मैनेज कर रहा था।
- चार्जशीट में कहा गया है कि विजय नायर ने अपने सहयोगियों के साथ वीडियो कॉल की थी।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली आबकारी नीति मामले में ईडी ने कोर्ट में पेश की अपनी दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में कई आरोप लगाए हैं। ईडी ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि दिल्ली की नई आबकारी नीति मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ही योजना थी। चार्जशीट में कहा गया है कि विजय नायर ने अपने सहयोगियों के साथ वीडियो कॉल की थी। इसी के ही साथ कहा गया है कि विजय नायर पार्टी का महत्वपूर्ण सदस्य और आबकारी नीति को पूरी तरह से मैनेज कर रहा था।

इस चार्जशीट में तेलंगाना सीएम की बेटी के.कविता के बारे में भी जिक्र किया गया है। आरोप लगाया गया है कि दिल्ली की आबकारी नीति बनने और उसके लागू होने के बाद के.कविता ने कई बार विजय नायर के साथ कई बार मीटिंग की। ईडी ने चार्जशीट में कहा मगुंटा श्रीनिवास रेड्डी की भी केजरीवाल के साथ मीटिंग हुई। आबकारी नीति को बनाने और उसको लागू करने से लेकर सभी तरह की अवैध गतिविधियों के लिए सीएम केजरीवान और मनीष सिसोदिया ने विजय नायर को पूरा सर्पोट दे रखा था।

चार्जशीट में कहा गया है कि विजय नायर ने समीर महेंद्रु से कहा था कि अरुण और उसके सहयोगी अभिषेक बोइनपल्ली और बुची बाबू ग्रुप दिल्ली शराब नीति में निवेश करने के लिए एक्साइटिड है। इसका सबसे बड़ा कारण ग्रुप के पास खूब पैसा और सीएम केजरीवाल के साथ ही अन्य राजनैतिक दलों से अच्छे संबंध होना था।ईडी ने चार्जशीट में कहा कि समीर महेंद्रू ने विजय नायर को परखने के लिए उसे कहा था कि वो उसकीकेजरीवाल से मीटिंग कराए, जिसके बाद नायर ने समीर और सीएम के बीच आईफोन के फीचर फेसटाइम के जरिए मीटिंग कराई थी।

चार्जशीट में कहा गया है कि शुरूआत में राज्यसभा सांसद संजय सिंह से मुलाकात हुई जिसके बाद वो उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से एक पार्टी के दौरान मिले। ईडी ने चार्जशीट में कहा कि दिनेश अरोड़ा ने बताया कि संजय सिंह के कहने पर उसने दिल्ली के कई रेस्टोरेंट के मालिक से 82 लाख रुपए अरेंज करा कर मनीष सिसोदिया को पार्टी फंड के लिए दिया था। जिसका इस्तेमाल दिल्ली चुनाव में किया गया।

न्यायालय ने दिल्ली पुलिस की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2020 उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगा मामले मंध तीन छात्र कार्यकताओं को जमानत दिए जाने के उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दिल्ली पुलिस की ओर से दायर याचिकाओं को मंगलवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति ए अमानुल्ला की पीठ ने दिल्ली पुलिस की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उन्हें खारिज कर दिया। दिल्ली पुलिस ने अपनी याचिकाओं में संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा मामले में छात्र कार्यकर्ता नताशा नरवाल, देवांगना कालिता और आसिफ इकबाल तन्हा को जमानत दिए जाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के 15 जून 2021 के फैसलों को चुनौती दी थी। पीठ ने कहा, विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है।

इस मामले में जुलाई 2021 को हुई सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने तीन कार्यकताओं को दी गई जमानत रद्द करके के पहलू पर गौर करने के प्रति अनिच्छा व्यक्त की थी। इन लोगों के खिलाफ कड़े आतंक रोधी कानून तथा गैर कानूनी गतिविधि(रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले पुलिस ने अपनी दलील में कहा था कि दंगों में 53 लोग मारे गए और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। ये दंगे तब हुए थे जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रीय राजधानी में थे। पुलिस ने उच्च न्यायालय के फैसले के विरोध में कहा था कि उच्च न्यायालय की व्याख्या आतंकी मामलों में अभियोजन को कमजोर करेगी। गौरतलब है कि उच्च न्यायालय ने आरोपियों को जमानत देने हुए कहा था कि असहमति को दबाने की जल्दबाजी में राज्य ने प्रदर्शन के अधिकार तथा आतंकी गतिविधि के बीच की रेखा को धुंधला कर दिया और अगर इस प्रकार की मानसिकता को बल मिलता है तो यह लोकतंत्र के लिए दुखद दिन होगा।

प्रदूषण से निपटने के लिए केजरीवाल सरकार का समर एक्शन प्लान, इन 14 पॉइंट्स पर फोकस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। इससे निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने समर एक्शन प्लॉन जारी किया है। इस बीच दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने 14 बिंदुओं का समर एक्शन प्लॉन जारी किया है। समर एक्शन प्लान जारी कर हुए सीएम केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में पिछले 7-8 सालों में वायु प्रदूषण में काफी सुधार हुआ है। हर शहर में प्रदूषण की स्थिति खराब हो रही है। मगर, दिल्ली वालों की मदद से दिल्ली में प्रदूषण कम हो रहा है। वहीं, साल 2016 से 2022 तक के वायु प्रदूषण में 30 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, इससे पहले 2016 में 26 दिन सीवीयर होते थे। जो 2022 में सिर्फ 6 रह गए, गुड सैटिस्फेक्टरी दिन 2022 में बढ़कर 163 दिन हो गए। जबकि, गर्मियों में और सर्दियों में प्रदूषण की वजह अलग अलग होते हैं, हम गर्मियों के लिए आज समय एक्शन प्लान जारी कर रहे हैं। 30 विभागों के साथ बैठकर इसका प्लॉन बनाया गया है। इसके 14 मुख्य प्वाइंट हैं। वहीं, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि डस्ट प्रदूषण की बड़ी वजह है, इसे कम करने के लिए दिल्ली सरकार 84 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें लगा रही। जिसमें 70 ऐसी मशीनें और 250 वाटर स्प्रिंकलिंग मशीनें खरीद रहे हैं। वहीं, मोबाइल पेट्रोलिंग टीम लगा रहे हैं, इंडस्ट्रियल प्रदूषण और वेस्ट मैनेजमेंट के लिए योजना तैयार कर रहे हैं। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए एमसीडी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि दिल्ली में ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए इस साल 52 लाख पौधे लगाने का टारगेट तय किया गया है। जिसमें से 42 लाख इसी समर में लगाए जाएंगे और 4 लाख पौधे बांटे जाएंगे। इसके अलावा 7 सिटी फॉरेस्ट डेवलप किए जा रहे हैं। जबकि, पार्कों के विकास के लिए एनडीएमसी और एमसीडी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, अपनी तरह का पहला ई वेस्ट इको पार्क बना रहे हैं। इसके साथ ही पड़ोसी राज्यों से बात करके संपर्क किया जा रहा है। वहां के प्रदूषण को भी नियंत्रित किया जाए। चूंकि, पंजाब में हमारी सरकार है, मैं लगातार भगवंत मान के संपर्क में हूं, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ाने के लिए भी काम कर रहे हैं।

तिहाड़ में मारे गए गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया और गोगी की दोस्ती-दुश्मनी की कहानी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

टिल्लू ताजपुरिया की क्राइम और जन्म कुंडली पढ़ने-जानने से भी पहले यह समझ लेना जरूरी है कि वो 24 सितंबर 2021 को हिंदुस्तान की राजधानी दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में हुए शूटआउट-कत्ल-ए-आम का मास्टरमाइंड था। जज के सामने भरी कोर्ट में अपने दुश्मन नंबर-1 गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी को कत्ल करने वाले शूटर्स इसी टिल्लू ताजपुरिया ने ट्रेंड किए थे। उस कांड को अंजाम देने वाले टिल्लू ताजपुरिया द्वारा ट्रेंड करके भेजे गए दोनो शूटर्स को भी दिल्ली पुलिस के जवानों ने मौके पर ही घेरकर मार डाला था। इस वक्त टिल्लू की उम्र करीब 33-34 साल रही होगी। अब आइए जानते हैं ऐसे खूंखार और अब निपटाए जा चुके गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की क्राइम और जन्म कुंडली।

कत्ल के वक्त उसे तिहाड़ जेल नंबर-3 के हाई रिस्क वार्ड में, ग्राउंड फ्लोर पर अतिरिक्त सुरक्षा में कैद करके रखा गया था। ताकि उसके आसपास भी कोई और न फटकने पाए। मंगलवार तड़के करीब सवा छह बजे (2 मई 2023) उसके ऊपर दीपक उर्फ तीतर, योगेश उर्फ टुंडा, राजेंद्र और रियाज खान ने नुकीली चीजों से हमला बोल दिया। साथ ही हमले के दौरान भारी रॉड का भी इस्तेमाल किया गया। सुनील मान से कैसे बना टिल्लू ताजपुरिया? अपराध की दुनिया में टिल्लू ताजपुरिया इसी नाम से बदनाम था। हालांकि, दिल्ली पुलिस के दस्तावेजों को पलट कर देखें तो उसका असल नाम था सुनील मान। चूंकि वो बाहरी दिल्ली के ताजपुर गांव का मूल निवासी थी। इसलिए वो अपने नाम के आगे ताजपुरिया लगाने लगा। जबकि टिल्लू उसके घर का आम बोलचाल वाला नाम था। इसलिए सुनील मान बदमाश बनते ही टिल्लू ताजपुरिया के नाम से कुख्यात हो गया था। दिल्ली का ताजपुर गांव अलीपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली की सीमा में मगर, हरियाणा सीमा पर स्थित है। इसलिए दिल्ली और हरियाणा दोनो राज्यों में टिल्लू ताजपुरिया का सिक्का चला करता था। कहते तो यह हैं कि टिल्लू ताजपुरिया के दिल्ली में बढ़े हुए जबर के रुतबे-रसूख को देखकर, उसकी चौपाल पर हरियाणा, यूपी और पंजाब के भी कई कुख्यात बदमाश-गैंगस्टर दरबार लगाने आते रहते थे।

दोस्ती फिर ऐसे बन गए एक-दूसरे के दुश्मन दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के रिटायर्ड डीसीपी और टिल्लू ताजपुरिया से बदमाशों से अक्सर मोर्चा लेते रहने वाले एल एन राव बताते हैं, सुनील मान उर्फ टिल्लू ताजपुरिया और जितेंद्र मान और उर्फ गोगी थे तो एक ही जाति कौम के। उनके बीच शुरूआती दिनो में जिस तरह दांत काटे की दोस्ती थी, बादमें मगर उससे ज्यादा खूनी रंजिश पनप गई। सिर्फ और सिर्फ जरायम की जिंदगी में वर्चस्व को लेकर। दिल्ली के श्रद्धानंद कॉलेज में साथ-साथ पढ़े दोनो ही दिल्ली के श्रद्धानंद कॉलेज में साथ साथ पढ़े थे। साल 2013 में कालेज छात्र संघ चुनाव हुए तो उनके बीच वहीं से दुश्मनी का बीज पड़ गया। जो अब दोनो के निपटने के बाद भी खत्म नहीं होगा। भले ही अब गोगी और टिल्लू दोनो ही क्यों न निपट चुके हों, मगर अब इनके गैंग के बाकी बचे गुंडों में वर्चस्व और बदले की खूनी गैंगवार होना तय मानी जा रही है। जब गोगी और टिल्लू के रास्ते अलग हुए तो, टिल्लू ने नीरज बवानिया गैंग पकड़ लिया। जिसमें कुलदीप फज्जा और रोहित भी टिल्लू के साथ ही जा मिले थे। साल 2018 में दिल्ली के बुराड़ी इलाके में टिल्लू गैंग ने जबरदस्त खूनी गैंगवार को अंजाम दे डाला। जिसमें तीन कत्ल हो गए। कई बदमाश जख्मी हुए थे। उस दौरान उस गैंगवार में जितेंद्र मान उर्फ गोगी का भी नाम सामने आया था।

ऐसे शुरू हुई टिल्लू-गोगी के बीच जंग साल 2013 की बात करें तो उन दिनों दिल्ली-हरियाणा में गैंगस्टर नीतू दाबोदिया का दबदबा हुआ करता था। जिसकी साल 2013 में ही एनकाउंटर में मौत हो गई। उन्हीं दिनों नीरज बवानिया भी गिरफ्तार करके जेल में ठूंस दिया गया। इसके बाद जेल से बाहर बचे टिल्लू ताजपुरिया और गोगी के बीच वर्चस्व की खुली जंग शुरू हो गई। साल 2016 में टिल्लू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। फिर वो तिहाड़ के भीतर से ही अपना गैंग ऑपरेट करने लगा। टिल्लू को अब से पहले भी तिहाड़ में निपटाने की कोशिश की गईं। मगर हर बार दुश्मन नाकाम हो गए, टिल्लू को निपटाने की कोशिशो में लॉरेंस बिश्नोई और जग्गू भगवानपुरिया सबसे ऊपर थे। टिल्लू ताजपुरिया तिहाड़ के अंदर से ही गैंग को कर रहा था ऑपरेट बात अगर इन दिनों की करें तो टिल्लू ताजपुरिया तिहाड़ के अंदर से ही, बदमाश नवीन बाली, कौशल, नीरज बवानिया के साथ मिलकर गैंग को ऑपरेट कर रहा था। जिन दिनों उसने 24 सितंबर 2021 को उसने रोहिणी कोर्ट में अपने लड़कों से गोगी को गोली से उड़वा डाला, तब वो दिल्ली की मंडोली जेल में बंद था। वहां उसकी जान को खतरा भांपते हुए तिहाड़ जेल शिफ्ट कर दिया गया था।

दक्षिण दिल्ली में कार से टक्कर में महिला की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के कालकाजी इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने 45 साल की एक महिला को टक्कर मार दी जिसमें उसकी मौत हो गई। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार रात की है और मृतका की पहचान कालकाजी मंदिर इलाके में रहने वाली गुड्डी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, कालकाजी मंदिर के गेट नंबर 2 के सामने एक दुर्घटना के बारे में पुलिस कंट्

संक्षिप्त खबरें

कटेया में झाड़ी से 35 कार्टन शराब व बाइक बरामद

गोपालगंज। जिले के कटेया थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर भगवानपुर कुर्मी टोला के समीप झाड़ी से एक बिना रजिस्ट्रेशन की अपाची बाइक व 35 कार्टन देशी शराब को बरामद कर लिया। वही पुलिस धंधेबाज की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुट गयी है। इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भगवानपुर कुर्मी टोला में एक झाड़ी में शराब की बड़ी खेप छिपाकर रखी गयी है। जिसके आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर एक बाइक व करीब 35 कार्टन देशी शराब बंटी बबली को बरामद कर लिया। उन्होने बताया कि फरार धंधेबाज की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही फरार धंधेबाज को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गांजा व 32 खोखा व मोबाइल के साथ युवक गिरफ्तार

गोपालगंज। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर गठित क्यूआरटी बी की टीम ने शहर के यादोपुर रोड में छापेमारी कर गांजा, कारतुस सहित अन्य सामान के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक वार्ड संख्या चार का अंकित कुमार बताया गया है। गिरफ्तार युवक के पास से 202 ग्राम गांजा, 8 एमएम का 19 खोखा, 7.65 एमएम का 10 खोखा, तीन बिना अंकित खोखा सहित दो मोबाइल बरामद किया गया है। इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि गठित क्यूआरटी बी टीम को सूचना मिली थी कि यादोपुर रोड स्थित एक होटल के समीप एक युवक गांजा की ब्रिकी कर रहा है।

जुआ खेल रहे चार लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोपालगंज। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर गठित क्यूआरटी बी और क्यूआरटी सी की टीम ने शहर के हजियापुर चैक के समीप छापेमारी कर जुआ खेल रहे चार लोगो को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास के देशी शराब बंटी बबली की खाली बोतल, ताश का पत्ता और करीब 15270 रूपया नगदी बरामद किया गया है। पुलिस गिरफ्तार जुआरियों से पूछताछ करने में जुटी हुयी है। इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि क्यूआरटी बी और क्यूआरटी सी की टीम को हजियापुर चैक के समीप जुआ खेलने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद टीम ने त्वरित कारवाई करते हुए जुआ खेल रहे चार लोगो को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्तार जुआरियों से पूछताछ कर रही है।

जानलेवा हमला मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

गोपालगंज। जिले के भोरे थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव में जानलेवा हमला मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसे आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव निवासी गौरीशंकर राम एक मामले में फरार चल रहा था। थाने के पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार पासवान को यह गुप्त सूचना मिली कि फरार आरोपी अपने घर पर हैं। पुलिस पदाधिकारी अनिल पासवान ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

मां की डांट से नाराज बेटी घर से हुई फरार

गोपालगंज। जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव में 18 वर्षीय लड़की अपनी मां की डांट से नाराज होकर घर छोड़कर फरार हो गई। घटना 30 अप्रैल के शाम की बताई जा रही है। काफी खोजबीन के बाद भी जब लड़की का पता नहीं चला तो मामले को लेकर लड़की के पिता के आवेदन पर अज्ञात के विरुद्ध थाने में अपहरण की प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

घर के बाहर टहल रही नाबालिग लड़की का हुआ अपहरण

गोपालगंज। जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र के नवादा परसौनी गांव में अपने घर के बाहर टहल रही एक नाबालिक लड़की का कुछ लोगों ने बाइक पर बैठाकर अपहरण कर लिया। घटना 29 अप्रैल की रात की बताई जा रही है। जब घर के सभी लोग घर के अंदर खाना खा रहे थे। काफी खोजबीन के बाद भी जब लड़की का कोई पता नहीं चला तो मामले को लेकर अपहृत लड़की के पिता के आवेदन पर थाना क्षेत्र के बरारी हरकेश गांव के नीतीश कुमार और उनके भाई रोहन कुमार के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

आंख में मिर्ची का पाउडर झोंक कर की पिटाई

गोपालगंज। जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र के दहीभाता गांव में कुछ लोगों ने आपसी विवाद को लेकर गांव के मुन्ना बरनवाल सहित परिवार के तीन लोगों को आंख में मिर्चा का पाउडर डालकर जमकर पिटाई की। मामले में घायल मुन्ना बरनवाल, उनके पिता गेना बरनवाल और मां किशोरी देवी का इलाज उचकागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। घटना 28 अप्रैल के रात की बताई जा रही है।

महिला को ब्लैकमेल करता था युवक पति व देवर के साथ मिलकर की हत्या

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के गोपालपुर थाने के नटवा गावं के महम्मद साहेब अंसारी की हत्या प्रेम-प्रसंग में हुई थी। उसका गांव के ही एक महिला से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। महिला के विरोध के बाद युवक अश्लील फोटो भेजकर महिला को ब्लैकमेल करता था। इसी बीच युवक ने महिला की तस्वीर उसके पति को भेज दी। इससे खार खाए महिला के पति ने भाई व ससुर के साथ मिलकर महम्मद साहेब अंसारी को मौत के घाट उतार दिया।

हत्या में शामिल महिला बबिता देवी, देवर अजय सिंह और पिता बलिराम सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त दुपट्टा, चोकर बा बोरा, साडी की धारी को बरामद कर लिया गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने अपने कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि श्रीपुर ओपी अन्तर्गत भगवानपुर नहर पुल के समीप झाड़ी से बोरे में बंद एक शव को बरामद किया गया था। शव की पहचान गोपालगपुर थाने के नटवा गांव के महम्मद साहेब अंसारी के रूप में हुई, जो दर्ज का काम करता था। मामले में हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर एसआइटी का गठन किया गया। गठित एसआईटी की जांच के दौरान यह बात सामने आई कि वह एक सप्ताह पूर्व शुक्रवार की रात छत पर सोया हुआ था। और रात में ही गायब हो गया था। जिसके बाद परिजनों के द्वारा गोपालपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी गयी थी। मृतक के मोबाइल नंबर का सीडीआर निकालने पर पता चला कि घटना से पहले उसकी एक ही नंबर पर कई बार बात हुई थी। छानबीन में नंबर गांव ही एक महिला का निकला। महिला को हिरासत में ले पूछताछ की गई तो उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। महिला ने बताया कि महम्मद साहेब अंसारी के द्वारा अश्लील फोटो भेजकर ब्लैकमेल किया था। इसी बीच उसके पति के पास भी उसकी फोटो भेज दी गयी। जिसके बाद उसके मोबाइन पर फोन कर उसे घर बुलाया गया और पति विरेन्द्र सिंह, देवर अजय सिंह और पिता बलिराम सिंह की मदद से दुपट्टे से गला घोटकर मौत के घाट उतार दिया गया। हत्या के बाद युवक के शव को चोकर के बोरे में रखकर नहर के किनारे झाड़ी में फेंक दिया गया। एसपी ने बताया कि 24 घंटे के अंदर पुलिस ने हत्या के मामले का खुलासा कर लिया है। वही महिला के फरार पति की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गठित एसआइटी में हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार, सदर एसडीपीओ प्रांजल, मीरगंज इंस्पेक्टर ललन कुमार, सदर इंस्पेक्टर हीरालाल प्रसाद, श्रीपुर ओपी प्रभारी अशोक कुमार, फुलवरिया थानाध्यक्ष अब्दुल मजीद, गोपालपुर थानाध्यक्ष दीपक कुमार, तकनीकी शाखा प्रभारी दिनेश कुमार यादव सहित अन्य शामिल थे।

जनता दरबार लगाकर सांसद ने सुनीं लोगों की समस्याएं

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

शहर के थावे रोड स्थित सांसद के आवास पर सोमवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंड से पहुंचे लोगो की सांसद सह जदयू के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार सुमन ने एक-एक कर समस्याएं सुनी।

इस दौरान संबधित विभाग के पदाधिकारी से बात कर कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट निष्पापदन किया गया। जनता दरबार में रोजगार, एम्स में इलाज कराने की व्यवस्था, आधार कार्ड, पैन कार्ड, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता से इलाज कराने की व्यवस्था, पुलिस के द्वारा करवाई नही करने एवं विदेश में फँसे लोगों को बुलाने, सड़क तथा नाला बनवाने, रेलवे से संबंधी समस्याओं को लेकर पंहुचे थे। सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन ने लोगो की समस्याएं सुनने तथा इन समस्याओं के निदान का प्रयास करने को लेकर अपने आवास पर जनता दरबार लगाने की पहल की है। इस पहल के तहत सोमवार को सांसद ने अपने आवास पर जनता दरबार लगाया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंड के दर्जनों लोग अपनी समस्याओं को लेकर पंहुचे थे। सांसद ने सभी की समस्याओं को बारी-बारी से सुनने के बाद उनका निष्पादन करने का आश्वासन भी दिया।

मजदूर दिवस पर प्रारंभिक शिक्षक संघ ने निकाला प्रतिरोध मार्च

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के राज्यव्यापी आहावान के तहत अध्यापक नियुक्ति नई नियमावली 2023 में नियोजित प्रारंभिक, माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक शिक्षक एवं पुस्तकालय अध्यक्ष को समायोजित कर राज्यकर्मी का दर्जा देने सहित कई मांगों को लेकर जिलाध्यक्ष रतिकांत साह के नेतृत्व में जिला मुख्यालय में प्रतिरोध मार्च निकालकर सरकार के शिक्षा एवं शिक्षक विरोधी नीतियां का पुरजोर विरोध किया गया। प्रतिरोध मार्च शिक्षा विभाग परिसर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए समाहरणालय पंहुचा। जहां डीएम के माध्यम से सीएम को मांग भेजा गया। जिलाध्यक्ष रतिकांत साह ने कहा कि बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक नियुक्ति नियमावली 2023 में पंचायती राज एवं नगर निकाय अंतर्गत नियोजित शिक्षकों को समायोजित नहीं क्या जाना सरकार की दोहरी नीति का परिचायक है। इससे नियोजित शिक्षकों में नाराजगी है। महागठबंधन की चुनावी 2020 की घोषणा पत्र में नियोजित शिक्षकों को समान काम का समान वेतन देने, राज्यकर्मी का दर्जा एवं पुरानी पेंशन लागू करने की वादे किए गए, परंतु महागठबंधन सरकार में ही नई नियमावली 2023 आने पर नियोजित शिक्षकों की सेवा को सीधे समायोजन करने की नीति तैयार नहीं की गई जिससे नियोजित शिक्षकों में सरकार के विरूद्ध आक्रोश व्याप्त है। प्रतिरोध मार्च में अशोक कुमार तिवारी, जयनरायण सिंह, महम्मद कौसर अली, मनोज सिंह, सचिदानंद पाण्डेय, नागेन्द्र राम, अभिषेक कुमार, आनंद, अरविन्द पाठक, राजीव रंजन सिंह, विपीन बिहारी, संजय त्रिपाठी, प्रदीप कुमार, त्रिपुरारी ठाकुर, विरेन्द्र, राजेश, अमरजीत, तारकेश्वर द्विवेदी सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

लोक अदालत को लेकर जिला जज ने न्यायधीशों के साथ की बैठक

बैठक में लोक अदालत को सफल बनाने को लेकर हुयी विस्तृत चर्चा

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष -सह- जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश मालवीय की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय के नए भवन स्थित सभागार में न्यायिक पदाधिकारीगण के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। जिसमें 13 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी। बैठक के दौरान प्रत्येक न्यायिक पदाधिकारियों के द्वारा अपने-अपने न्यायालयों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु चिन्हित वादो, नोटिस निर्गत वादों एवं लोक अदालत हेतु निष्पादन योग्य तैयार वादो आदि के प्रगति के संबंध में जिला जज को अवगत कराया गया। समीक्षा के उपरांत जिला जज के द्वारा सभी न्यायालयों को अधिक से आधिक वादों को चिन्हित करने एवं चिन्हित वादों में पारा लीगल वालंटियर के माध्यम से नोटिस तैयार कर पक्षकारों पर निर्गत करने हेतु निर्देशित किया गया। वही जिला जज के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव द्वारा मांझागढ़, एवं बैकुंठपुर प्रखंड के विभिन्न ग्राम कचहरियों के न्यायमित्र के साथ बैठक की गयी। जिसमें ग्राम कचहरी में लंबित वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु चिन्हित करने, चिन्हित वादों में पक्षकारो के बीच प्री सिटिंग कर वादों को तैयार करने से संबधित आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

स्कूली वान और बाइक कें बीच हुए टक्कर के बाद चाकूबाजी, तीन घायल

गोपालगंज। नगर थाना क्षेत्र के अरार मोड़ स्थित कमला राय कॉलेज के समीप मामूली विवाद में दो पक्षों के बीच कहा सुनी हो गई। इस दौरान जमकर चाकूबाजी हुयी। चाकूबाजी के दौरान तीन लोग जख्मी हों गए। जिन्हें तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों की देख रेख में तीनों का इलाज चल रहा है। घायलों में मांझा थाना क्षेत्र के भोजपुरवा गांव के अर्जुन कुमार और अनिरुद्ध प्रसाद के आलावे छवही तक्की गांव के मोहम्मद सहिन बताए गए है। बताया जाता है सहिन स्कूल वाहन से बच्चों को उतार रहा था। इसी दौरान अर्जुन ने बाइक से उसके गाड़ी में धक्का मार दिया। जिसके दोनों के बीच तू तू मैं मैं होने लगी। जिसके बाद दोनो ने एक दुसरे पर चाकू से हमला कर दिया। जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल इस घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मजदूर दिवस पर चलाया गया जागरूकता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार गोपालगंज के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर विष्णु शुगर मिल परिसर में जागरूकता कार्यक्रम सह ई श्रम रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रखंडों एवं शुगर मिल के मजदूरों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित मजदूरों के बीच जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता संजय कुमार द्विवेदी, गिरिजेश मिश्रा, मजदूर नेता ताहिर हुसैन, विभिन्न प्रखंडों के श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी तथा शुगर फैक्ट्री के पदाधिकारीगण ने कार्यक्रम में मजदूरों के हितार्थ बाते रखी। कार्यक्रम में उपस्थित मजदूरों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं, मजदूरों के अधिकार, ई श्रम कार्ड, श्रम अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी आदि विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। मजदूरो को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि श्रमिक देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान और भूमिका अदा करते है। मजदूर अगर अधिकारों के प्रति जागरूक रहेंगे तो कोई उनका शोषण नही कर सकता, लेकिन मजदूरो को अधिकार के साथ-साथ कर्तव्य के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए।

विदेशी शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

फुलवरिया पुलिस को उस समय एक बड़ी सफलता हाथ लगी जब मंगलवार की दोपहर एक गुप्त सूचना मिली की एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब भागीपट्टी समउर-मीरगंज मुख्य पथ होकर जा रही है। सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए थाने में पदस्थापित एसआई सुनील कुमार पुलिस बल के जवानों के साथ बथुआ बाजार स्थित इंसाफ मोड़ के पास वाहन जांच शुरू कर दी। कुछ ही देर बाद पंचदेवरी बाजार की ओर से एक तेज गति में लग्जरी कार आती दिखाई थी। जिसे मौजूद पुलिस के जवानों ने रोकने के लिए इशारा किया। पुलिस की इशारा को देखते ही लग्जरी कार में सवार तस्कर और तेज गति से गाड़ी को भगाने लगे। जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर लग्जरी कार को पकड़ लिया। शराब से भरी लग्जरी कार सहित तीन तस्करों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पुलिस शराब से भरी लग्जरी कार को थाना परिसर लायी। जहां लग्जरी कार को खोलकर शराब की गिनती की गयी। जिसमें 90 बोतल विदेशी शराब पायी गयी। गिरफ्तार तस्करों में मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत पारू थाना क्षेत्र के सरमस्तपुर गांव के निवासी स्वर्गीय रामदास राय का पुत्र संतोष कुमार राय, उसी गांव के अशोक सिंह का पुत्र ओमप्रकाश सिंह तथा उसी जिले के सरेया थाना क्षेत्र के स्वर्गीय लक्ष्मण राय का पुत्र अमरजीत राय बताए जाते हैं। पुलिस ने उक्त तस्करों के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के तहत थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद तस्करों को न्यायिक हिरासत गोपालगंज भेज दिया है।

डीएसपी व थानाध्यक्ष ने एसआई को श्रीमद्भागवत गीता दे कर दी विदाई

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

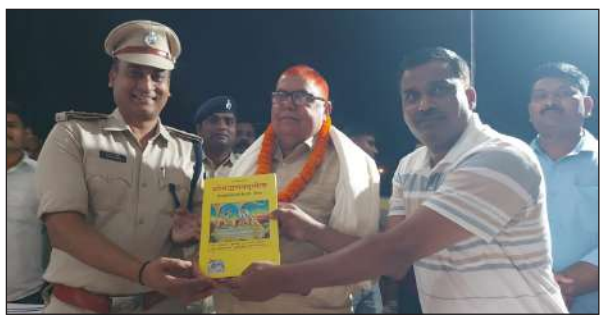

फुलवरिया थाना में पदस्थापित एसआई कपिल देव सिंह को सेवानिवृत्त होने पर सोमवार की देर शाम उन्हें विदाई दी गई। थाना परिसर में एक सादे समारोह आयोजित कर उन्हें विदा किया गया।

कार्यक्रम में पहुंचे हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार ने एएसआई कपिल देव सिंह को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किए। इसके बाद एसडीपीओ एवं थानाध्यक्ष अब्दुल मजीद ने श्रीमद्भागवत गीता ग्रंथ की प्रति एसआई कपिल देव सिंह को भेंट की। अपने संबोधन में एसडीपीओ अनुराग कुमार ने कहा कि सेवानिवृत्त होने का मतलब सिर्फ दैनिक सेवा की कर्तव्यों से अलग होना है न की सामाजिक व्यवस्था से, हम सभी को आप हमेशा याद रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यवाही या फिर कोई अन्य सुविधा के लिए हम व्यक्तिगत रूप से आप के लिए तत्पर रहेंगे। थानाध्यक्ष अब्दुल मजीद अपने संबोधन में एसआई की ओर से किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उनके उपलब्धियों के बारे में आयोजित समारोह में उपस्थित पुलिसकर्मियों को बताया। विदित हो कि एसआई कपिल देव सिंह विगत डेढ़ वर्षो से फुलवरिया थाने में एसआई के पद पर पदस्थापित थे। जो सोमवार को 60 वर्ष की अवधि पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हो गए। विदाई समारोह में उन्होंने कहा कि हम हमेशा फुलवरिया थाना के पुलिस पदाधिकारी, पुलिसकर्मी के साथ-साथ पूरे परिसर व क्षेत्र के लोगों को याद रखेंगे। वही चैकीदार दफादार संघ के अध्यक्ष बैरिस्टर यादव तथा उपाध्यक्ष कृष्णानंद यादव के अलावे चैकीदार चंदन कुमार यादव, विजय पासवान, बुलेट कुमार, गुड्डू कुमार यादव, संतोष कुमार ने एसआई कपिल देव सिंह के कार्यों को सराहना करते हुए उनसे प्रेरणा मिलने की बात कही। विदाई समारोह में एसआई सुनील कुमार, ब्रज भूषण पाठक, महेश मंडल, बोएलाल पासवान सहित अन्य मौजूद रहे।

कला एंव शिक्षा ही एक बेहतर समाज की निर्माण करती है: मंत्री जितेंद्र राय

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा ।मेलोड्रामा वेलफेयर सोसाइटी, नई दिल्ली के बहुचर्चित मुहिम "हौसला" द्वारा आयोजित "प्रतिभा रत्न अवार्ड" सारण के प्रेक्षागृह में संपन्न हुआ। इसमें बिहार के कई जिले में मैट्रिक व इंटर की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं सम्मानित किया गया। साथ ही शिक्षा और सामाज के विकास के लिए कार्य कर रहे शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी "प्रतिभा रत्न"- 2023 से संमानित हुए। समारोह का उद्घाटन सम्मिलित रूप से दीप प्रज्वलित कर कला-संस्कृति मंत्री बिहार सरकार श्री जितेंद्र राय और कुमार राजीव , सत्यप्रकाश यादव, ज्ञान प्रकाश, सहायक कोषागार पदाधिकारी डॉ. संतोष कुमार , डीआरडीए डायरेक्टर बलदेव चौधरी,बाल संरक्षण पदाधिकारी धर्मवीर सिंह, ई.विजय राज, नितु गुप्ता, बिंदिया जयसवाल , अर्जुन सिंह ने की। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि बिहार सरकार कला,संस्कृति,खेल मंत्री श्री जितेन्द्र राय ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि समाज की तरक्की के लिए शिक्षा जरूरी है। शिक्षा के बिना मानव जीवन अधूरा है और इस तरह के कार्यक्र्महमेशा होने चाहिए। समारोह की अध्यक्षता मेलोड्रामा वेलफेयर सोसाइटी के सचिव सरोज कुमार सिंह ने की और बताया की उनकी "हौसला" का विजन बहुत ही बड़ा है इसमे कला शिक्षा और समाज के हीरो सभी को प्रोत्साहित करना है जिसे एक बेहतर समाज की कल्पना को साकार किया जा सके। वही मंच संचालन का का भार शिक्षाविद डॉ. मनोज वर्मा संकल्प ने किया एवं आगत अतिथियों का स्वागत ई.विजय राज ने की।

"प्रतिभा रत्न अवार्ड" समारोह में बिहार थर्ड टॉपर अदिति कुमारी, तनू कुमारी सहित बिहार के कई जिले से आए लगभग 250 टॉपर्स छात्र-छात्राओं को प्रतिभा रत्ना अवार्ड 2023 से सम्मानित किया। वही डॉ. संतोष कुमार ने मेलोड्रामा को इस तरह का सम्मान समारोह आयोजित करने के लिए सर्वाधिक शुभकामनाएँ दी और कहा कि सम्मानित होने वाले बच्चों में अपनी जिम्मेदारियों एवं दायित्वों के निर्वहन की समझ बढ़ती है और वे अपने एवं देश के भविष्य निर्माण में बखूबी जुटने लगते हैं कुमार राजीव ने कहा कि हौसला द्वारा ग्रामीण छात्रों को मंच दिए जाने से उन्हें उच्च शिक्षा के प्रति आकर्षण बढ़ता है। जदयू प्रदेश सचिव सत्याप्रकाश यादव ने कहा कि शिक्षा पाने का लक्ष्य केवल निजी या सरकारी विभाग में उच्च पदों पर आसीन होना नहीं है , बल्कि श्रेष्ठ समाज की रचना में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना है। ज्ञान प्रकाश ने कहा कि गुरु के बिना समाज अधूरा है। बिना शिक्षक के समाज में अच्छे नागरिकों की कल्पना नहीं की जा सकती है। शिक्षक जीवन का सार हैं।

महिला हेल्पलाइन ने टूटे दिलों को फिर से जोड़ा, हंसते हुए किया विदा

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

पति पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर हो रही कहासुनी व गाली गलौज परिवार के टूटने का कारण बन रही है। ऐसे में उचकागांव थाना परिसर स्थित महिला हेल्पलाइन टूटे परिवार को आपसी समझौते के आधार पर जोड़ने का काम कर रही है। मंगलवार के दिन उचकागांव थाना परिसर में स्थित महिला हेल्प लाइन में तैनात पूनम कुमारी ने पति पत्नी के बीच चल रहे विवाद के मामले में सुनवाई की। जिसे आपसी समझौते के बाद समाप्त कर दिया गया। बताया जा रहा है कि थाना क्षेत्र के बंकीखाल गांव के नरेंद्र कुमार राम व उनकी पत्नी अमिता देवी के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर हो रहे नोकझोंक व गाली गलौज के कारण विवाद चल रहा था। जिससे नाराज होकर पत्नी अमिता देवी पिछले छह माह से अपने मायके रह रही थी। जिसके बाद विवाद को बढ़ता देख महिला अमिता देवी की मां कौशल्या देवी ने महिला हेल्पलाइन में लिखित आवेदन देकर मामले में शिकायत की। जिसके बाद दोनों परिवारों के सदस्यों की उपस्थिति में दोनों पक्षों की बातों को सुना गया। जिसके बाद दोनों पक्षों के गिले-शिकवे दूर करते हुए आपसी समझौते के बाद पति पत्नी के बीच चल रहे विवाद का निपटारा किया गया। आपसी समझौते के आधार पर विवाद का निपटारा होने के बाद छह माह से अलग रह रहे पति-पत्नी हंसते हुए एक साथ घर जाने के लिए थाने से विदा हुए।

पोखर में स्कूली बस पलटी दर्जनों बच्चे घायल

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । इसुआपुर प्रखंड के सीमावर्ती सहाजीत पुर थाना क्षेत्र के मरीचा गांव स्थित पोखरे में मंगलवार की सुबह एक स्कूली बस पलट गई। जिसमें सवार दर्जनों बच्चे घायल हो गए। जिनका उपचार सदर अस्पताल छपरा, सीएचसी इसुआपुर तथा स्थानीय अस्पतालों में चल रहा है। घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शी मरीचा गांव के गोविंद गिरी, शामदेव तिवारी, मंटू तिवारी, पंकज तिवारी, अरविंद गिरी, मुन्ना तिवारी, जितेश कुमार, सुनील भारती व अन्य ग्रामीणों का कहना था कि सुबह करीब 7 बजे इसुआपुर बाजार स्थित संचालित निराला सेंट्रल स्कूल की बस अनियंत्रित होकर पोखरे में पलट गई। जिसमें दो दर्जन से अधिक स्कूली बच्चे सवार थे। स्कूली बच्चों के चिल्लाने पर आसपास के ग्रामीण दौड़कर आए तथा पानी में आंशिक रूप से डूबी बस में फंसे दर्जनों बच्चों को बाहर निकाला। जिसमें 17 बच्चे घायल थे। स्थानीय पीडीएस डीलर योगेंद्र सिंह के पुत्र अपने निजी वाहन से ग्रामीणों के सहयोग से घायल बच्चों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल तथा सीएचसी इसुआपुर में कुछ बच्चों को भर्ती कराया। जहां से गंभीर रूप से जख्मी 3 बच्चों को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया है। ग्रामीणों का यह भी कहना था कि बस का ड्राइवर नशे में अनियंत्रित गाड़ी चला रहा था। जिसके चलते दुर्घटना घटित हुई। उनका यह भी कहना था कि गनीमत यह थी कि पोखरे में पानी कम होने की वजह से बच्चे पानी में डूबे नहीं। जिससे बड़ी दुर्घटना घटित होने से बच गई। घटना घटित होने के बाद ड्राइवर फरार हो गया।

अवकाश प्राप्त शिक्षक रामनरायण सिंह का सम्मान सह विदाई समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले के गरखा प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय नरांव में अवकाश प्राप्त शिक्षक रामनरायण सिंह का भव्य स्वागत एवं विदाई कार्यक्रम किया गया। सम्मान सह विदाई समारोह में पूर्व में अवकाश प्राप्त दर्जनों शिक्षकों को विद्यालय परिवार ने आमंत्रित कर उन्हें भी सम्मानित किया गया तथा उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद सिंह ने कहा कि श्री सिंह पूरी इमानदारी एवं लगन के साथ पठन पाठन में रुचि के साथ पढ़ाने का कार्य करते थे।उनके अवकाश प्राप्त होने से विद्यालय एवं समाज को काफी क्षति हुई है। विद्यालय के शिक्षक नेता संतोष कुमार सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि रामनरायण सर का विद्यालय एवं समाज के प्रति योगदान का उल्लेख किया तथा शिक्षक संघर्ष में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेकर दुसरो को भी प्रोत्साहित करते थें। शिक्षक निरंजन सिंह ने उनकी खुबियों के साथ व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला तथा उन्होंने कहा कि सर शिक्षक के साथ बच्चों के चहेते बने हुए हैं। उपस्थित दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम की तारिफ करते हुए अपने सम्बोधन में श्री सिंह के किए गए कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा अपने स्तर से उपहार भी प्रदान किया।

पूर्व के अवकाश प्राप्त शिक्षकों में रमन सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, विरेंद्र प्रसाद, बृजराज प्रसाद उमाशंकर चौधरी के साथ ,भीषम सिंह हरेंद्र प्रसाद ,राजेश कुमार तिवारी, प्रमोद सिंह, हरेंद्र राय, अब्दुल सलाम, अजय कुमार, रविशंकर प्रसाद, अरविंद कुमार, मनिंदर सिंह, तारकेश्वर प्रसाद, हरेंद्र राय, धर्मेंद्र सिंह, अनिल द्विवेदी, अनिल दुबे,विजय कुमार, राजेश कुमार सिंह,सरिता कुमारी,माया कुमारी मुख्य रूप से सामिल हुए।

185 बोतल शराब व बाइक के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, एक फरार

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के भोरे थाने की पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई कर 185 बोतल शराब और एक बाइक जब्त करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। वहीं एक तस्कर फरार होने में कामयाब हो गया। मंगलवार को गिरफ्तार तस्कर को न्यायिक हिरासत में गोपालगंज भेज दिया गया। बताया जाता है कि थाने के सहायक अवर निरीक्षक सुधीर कुमार पासवान पुलिस बल के साथ गश्ती पर थे,तभी सूचना मिली कि यूपी की तरफ से जगतौली ओपी के रास्ते बाइक से एक व्यक्ति शराब लेकर जाने वाला है। सूचना पर पहुंची पुलिस कोइरीगावां तिनमुहानी के पास छिपकर तस्करों का इंतजार करने लगी। इसी बीच एक बाइक आती दिखी। रुकने का इशारा करने पर तस्कर बाइक छोड़कर फरार हो गया। बाइक पर रखे बोरे की तलाशी ली गई तो 161 पीस देसी शराब बरामद हुई। वहीं दूसरी कार्रवाई कावे गांव के पास की गई जहां पुलिस को देखते ही एक व्यक्ति हाथ में झोला लिए भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके झोले से 24 बोतल देसी शराब बरामद हुई। पकड़े गए धंधेबाज की पहचान थाना क्षेत्र के सुमेरी छापर गांव निवासी नंदजी चैधरी के रूप में की गई। मामले में पुलिस उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर फरार आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है।

सम्पादकीय

कर्नाटक के मन की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के जरिए जनता-जनार्दन का आह्वान तो किया है। उनसे लगातार जुड़े रहे हैं। देश के 100 करोड़ से ज्यादा लोगों ने यह कार्यक्रम देखा और सुना है। संयुक्त राष्ट्र तक में 100वें एपिसोड का सीधा प्रसारण देखा गया, लेकिन अब कर्नाटक के ह्यमन की बात भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। उसे जानने-सुनने का वक्त आ गया है। कर्नाटक में भाजपा सत्तारूढ़ है और 2004 से 2019 तक प्रत्येक लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक सीटें भाजपा जीतती रही है। अब चिंता कर्नाटक विधानसभा की है। भाजपा की अग्नि-परीक्षा जैसी स्थितियां हैं, क्योंकि जो खबरें सामने आ रही हैं और जो सर्वे किए गए हैं, उनका सारांश यह है कि कांग्रेस के पक्ष में अंडर करंट है। कांग्रेस को फायदा हो सकता है। स्पष्ट बहुमत के आसार भी जताए जा रहे हैं। भाजपा सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के आह्वानों, मुद्दों और लोकप्रियता के आसरे ही है, लिहाजा 7 मई तक उनकी 16 जनसभाओं और रोड शो के आयोजन तय कर लिए गए हैं।

कर्नाटक एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां प्रधानमंत्री ने जनवरी से अप्रैल तक 9 दौरे किए हैं। किसी भी तरह प्रधानमंत्री कर्नाटक में सत्ता-विरोधी लहर को थामना चाहते हैं, लिहाजा प्रयास ये भी किए जा रहे हैं कि जनादेश त्रिशंकु आए, ताकि कांग्रेस को सत्ता से बाहर रखा जा सके। भाजपा की रणनीति है कि जनता दल-एस के कुमार स्वामी को मुख्यमंत्री बनाने की पेशकश की जाए और भाजपा जद-एस के साथ गठबंधन सरकार बना सके। बहरहाल यह तो 13 मई को स्पष्ट होगा कि जनादेश किसके पक्ष में, कितना, रहता है, लेकिन 40 फीसदी कमीशन वाली सरकार, मुस्लिम आरक्षण, जातीय जनगणना, स्थानीय मुद्दे, किसानी और रेवडिां आदि पर कन्नड़ की जनता स्पष्ट प्रतिक्रियाएं दे रही है। भ्रष्टाचार और दलाली बेहद अहं मुद्दे बन चुके हैं। जाहिर है कि वे भाजपा के खिलाफ ही जा रहे हैं। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार को देश भर की कड़वी हकीकत बताने की कोशिश की है। कांग्रेस प्रधानमंत्री को जो 91 गालियां दे चुकी है, उस पर भी जनता की तल्खी और नाराजगी तय करने की कोशिश खुद प्रधानमंत्री ने की है। प्रधानमंत्री कर्नाटक को देश का नंबर वन राज्य बनाना चाहते हैं। सबसे अधिक विदेशी निवेश इस बार कर्नाटक में आया है। अमूमन यह मुंबई में आता रहा है, क्योंकि वह देश की आर्थिक राजधानी है। उद्योग फल-फूल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और जद-एस की गारंटियों को बेमानी करार दिया है।

हालांकि अभी तक यह परिभाषित नहीं है कि जन-कल्याण और मुफ्तखोरी की रेवडिों के बीच अंतर क्या है? अपनी-अपनी सुविधा से परिभाषाएं तय की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने आगाह किया है कि दोनों ही विपक्षी दल वंशवादी हैं और परिवार के बाहर उन्हें किसी की भी चिंता नहीं है। बयान कुछ भी देते रहें। वायदे कुछ भी करते रहें। कर्नाटक के चुनाव में जातीयता का मुद्दा भी रंग दिखाएगा। कर्नाटक में मुख्य तीन क्षेत्र हैं। ओल्ड मैसूर में जद-एस, हैदराबाद कर्नाटक में कांग्रेस और बंबई कर्नाटक में भाजपा के पुराने वर्चस्व रहे हैं। यह वर्चस्व और जनाधार आज भी है, लेकिन प्रतिशत में अंतर आ सकता है। भाजपा का पूरा फोकस यह रहा है कि कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार नहीं रही, तो वहां के लोगों पर डबल मार पड़ेगी। विकास ठप हो सकता है और देशद्रोही संगठनों को फिर से सक्रिय किया जा सकता है। प्रधानमंत्री और भाजपा की इन चेतावनियों से चुनाव कितना प्रभावित होता है और लोग भाजपा की ओर ध्रुवीकृत होते हैं, यह जनादेश के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। अलबत्ता भाजपा नेताओं का ही अनौपचारिक तौर पर मानना है कि 50-55 सीटें अनिर्णय की स्थिति में हैं। पलड़ा किसी भी ओर झुक सकता है। कर्नाटक दक्षिण भारत में प्रवेश के लिए भाजपा का एक दुर्ग है। यदि यही ढह जाता है, तो केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना में भाजपा की अस्वीकार्यता बढ़ सकती है।

क्या कर्नाटक से खुलेंगे आम चुनाव के पत्ते?

नरेन्द्र नाथ

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी के बीच जैसा हाई वोल्टेज घमासान देखने को मिल रहा है, वह सिर्फ प्रदेश की सत्ता हासिल करने को लेकर नहीं है। इस चुनाव में दोनों दल जिस तरह के प्रयोग कर रहे हैं, उनकी भी परीक्षा होनी है। राज्य की 224 विधानसभा सीटों पर वोटिंग 10 मई को होनी है और परिणाम 13 मई को आएंगे। माना जा रहा है कि जिस दल का प्रयोग सफल होगा, उसका असर आने वाले दिनों में दूसरे राज्यों के विधानसभा चुनावों से लेकर अगले साल होने वाले आम चुनाव पर भी देखा जाएगा।

कांग्रेस ने इस बार चुनाव के बीच कर्नाटक में नया सामाजिक प्रयोग किया है। चुनाव के दौरान ही पार्टी ने जाति जनगणना की मांग के अलावा आरक्षण की सीमा को 50 फीसदी से अधिक करने का वादा किया। राज्य के पूर्व सीएम और पार्टी के सीनियर नेता सिद्धारमैया अब हर सभा में आरक्षण की सीमा को 75 फीसदी तक करने की बात दोहरा रहे हैं। राहुल गांधी भी राज्य में हो रही सभाओं में आक्रामक रूप से ओबीसी कार्ड खेल रहे हैं। दिलचस्प बात है कि मोदी सरनेम पर राहुल की टिप्पणी 2019 में कर्नाटक में ही सामने आई थी, जिसके बाद से बीजेपी उन पर ओबीसी के अपमान का आरोप लगा रही है। पार्टी के इस सामाजिक प्रयोग के पीछे उसकी अपनी राजनीतिक गणना है। राज्य में जातियों के समीकरण बहुत मायने रखते हैं और इसमें सभी का पहले से ही अपना-अपना हिसाब-किताब रहा है। जहां तक इस चुनाव की बात है, वोक्कालिगा समुदाय इस बार जेडीएस के साथ दिख रहा है। इसमें बीजेपी और कांग्रेस को बहुत छोटा हिस्सा मिलने की संभावना है।

एकमुश्त वोटों पर है कांग्रेस की नजर कांग्रेस को लगता है कि मुस्लिम और ईसाई वोट उसे एकमुश्त मिलेगा। लिंगायत वोट में कांग्रेस जरूर सेंध लगाने की कोशिश कर रही है, लेकिन इसमें जो भी वोट आएगा-वह बोनस ही होगा क्योंकि लिंगायत समुदाय के लोग बड़ी तादाद में बीजेपी को वोट करते रहे हैं। ऐसे में पार्टी को वोट का बड़ा हिस्सा ओबीसी से ही मिलने की उम्मीद है। सिद्धारमैया खुद ओबीसी नेता हैं। इसके अलावा जिसकी जितनी आबादी, उसको उतना हक के दांव से कांग्रेस दलितों को भी अपने पक्ष में करने में लगी हुई है। कांग्रेस को लगता है कि अगर इस चुनाव में यह दांव सफल रहा तो आम चुनाव तक इसी रणनीति के साथ मैदान में उतरा जाएगा। हाल के सालों में पूरे देश में बीजेपी की बड़ी सियासी जीत के पीछे ओबीसी वोट का बड़ा योगदान रहा है। नरेंद्र मोदी खुद को ओबीसी नेता के रूप में जनता के बीच पेश करते हैं। इस प्रयोग से पार्टी को इसकी काट भी मिलने की उम्मीद है। हालांकि इसके अपने जोखिम भी हैं। पार्टी जितने आक्रामक रूप से ओबीसी राजनीति करेगी, आरक्षण की सीमा को बढ़ाने की मांग करेगी, सवर्ण वोट पार्टी से छिटकते जाएंगे। लेकिन कांग्रेस के एक सीनियर नेता ने कहा कि अभी भी सवर्णों के वोट पार्टी को ना के बराबर मिल रहे है। ऐसे में इस प्रयोग से कुछ वोट बढ़ेंगे ही, घटेंगे नहीं। बीजेपी ने भी इस बार कर्नाटक विधानसभा चुनाव में एक खास राजनीतिक प्रयोग किया है। यह प्रयोग कमोबेश गुजरात मॉडल की तर्ज पर है। इसके तहत पार्टी चुनाव के दौरान ही पुराने नेतृत्व के मुकाबले नए नेतृत्व को सामने करती है। कुछ वक्त पहले पार्टी ने इसी मंशा से येदियुरप्पा को सीएम पद से हटाकर एसआर बोम्मई को वहां का मुख्यमंत्री बनाया था। पार्टी ने टिकट वितरण में भी यही ट्रेंड कायम रखा। पूर्व सीएम और छह बार के विधायक जगदीश शेट्टार तक को पार्टी ने चुनाव में टिकट नहीं दिया। इस कारण शेट्टार बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए। लिंगायतों में शेट्टार का भी असर है। इसी तरह पार्टी ने दूसरे कुछ दिग्गजों को टिकट दिए। पार्टी ने संदेश दिया कि राज्य में वह नए नेतृत्व और नई पीढ़ी के साथ चुनाव में हैं। इसके पीछे बीजेपी की दोहरी सोच है। पहली, इससे वह एंटी इनकंबेंसी फैक्टर को काउंटर कर लेगी। और दूसरी, पुराने और उम्रदराज हो रहे नेतृत्व के रहते हुए नया नेतृत्व खड़ा कर लेगी, ताकि आने वाले दिनों में भी अपनी स्थिति मजबूत बनाए रख सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी ने यह प्रयोग पिछले दिनों गुजरात विधानसभा चुनाव में सफलतापूर्वक किया था। अब यही प्रयोग इस बार कर्नाटक में हो रहा है। पुराने चेहरों को हटाने पर जोर

एक स्थानीय बीजेपी नेता ने कहा कि दक्षिण की राजनीति इस लिहाज से थोड़ी अलग है और हर नेता के पास अपना वोट बैंक होता है। वे जिधर भी रुख करते हैं, वह वोट बैंक उधर ही जाता है। ऐसे में इस प्रयोग के अपने जोखिम हैं। लेकिन पार्टी नेतृत्व को लगता है कि इस प्रयोग में फायदा अधिक और नुकसान कम है। अगर कर्नाटक में बीजेपी का यह प्रयोग सफल हो गया तो आने वाले समय में पीढ़ी परिवर्तन की यह प्रक्रिया बीजेपी में और तेजी से देखी जा सकती है। साल के अंत में राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और वहां भी सालों से बीजेपी का मुख्य चेहरा बदला नहीं गया है।

पाकिस्तान को दर्द का एहसास कराना होगा

चार युद्धों में शर्मनाक शिकस्त का दंश झेल कर आलमी सतह पर बेआबरू हो चुका पाक अपनी कायराना हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। गत 20 अप्रैल 2023 को पुंछ जिले के संगयोट क्षेत्र में आंतकियों ने सेना के वाहन पर हमले को अंजाम दिया था। उस हमले में 49 राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान शहीद हो गए। सेना के वाहन पर यह आतंकी हमला ऐसे वक्त में हुआ जब कई सियासतदान ईद के जश्न में इफ्तार पार्टियों में मशगूल थे। देश आईपीएल के खुमार में डूबा है। इसलिए सेना के पांच जवानों का बलिदान न्यूज चैनलों की सुर्खियां नहीं बना। सशस्त्र सेनाएं किसी एक राज्य या सियासी दल की नहीं होती हैं। मुल्क की सालमियत व मोहिब्बे वतन की प्रतीक सेना भारत की शान है। देशरक्षा के लिए शहादत देशभक्ति की पराकाष्ठा है तथा शौर्य पराक्रम का सबसे बड़ा सबूत। पुंछ हमले में पंजाब के शहीद सिपाही कुलवंत सिंह के पिता बलवंत सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में इसी कश्मीर के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था।

प्रताप सिंह पटियाल
स्वतंत्र लेखक

मजहब के नाम पर वजूद में आया पाकिस्तान आज तक ऐसा कोई मुकाम हासिल नहीं कर सका जिसमें वो भारत का मुकाबला कर सके। चार युद्धों में शर्मनाक शिकस्त का दंश झेल कर आलमी सतह पर बेआबरू हो चुका पाक अपनी कायराना हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। गत 20 अप्रैल 2023 को पुंछ जिले के संगयोट क्षेत्र में आंतकियों ने सेना के वाहन पर हमले को अंजाम दिया था। उस हमले में 49 राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान शहीद हो गए। सेना के वाहन पर यह आतंकी हमला ऐसे वक्त में हुआ जब कई सियासतदान ईद के जश्न में इफ्तार पार्टियों में मशगूल थे। देश आईपीएल के खुमार में डूबा है। इसलिए सेना के पांच जवानों का बलिदान न्यूज चैनलों की सुर्खियां नहीं बना। सशस्त्र सेनाएं किसी एक राज्य या सियासी दल की नहीं होती हैं। मुल्क की सालमियत व मोहिब्बे वतन की प्रतीक सेना भारत की शान है। देशरक्षा के लिए शहादत देशभक्ति की पराकाष्ठा है तथा शौर्य पराक्रम का सबसे बड़ा सबूत। पुंछ हमले में पंजाब के शहीद सिपाही कुलवंत सिंह के पिता बलवंत सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में इसी कश्मीर के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। दरअसल भारत के खिलाफ जेहाद पाकिस्तान की विचारधारा बन चुका है। 22 अक्तुबर 1947 को कश्मीर पर किए गए हमले को पाक सिपहसालारों ने जेहाद का ही नाम दिया था। 1947 के उस हमले में घुसपैठिया युद्धकला के मास्टरमांइड मेजर अकबर खान ने आपरेशन गुलमर्ग नामक सैन्य मिशन की कयादत करके श्रीनगर का फातिम बनने का जहालत भरा ख्वाब देखा था मगर भारतीय सेना के पलटवार के बाद अकबर खान को युद्धभूमि से भाग कर जान बचानी पड़ी थी। कश्मीर के महाज पर जिल्लत भरी शिकस्त व नाकामी के बदनुमां दाग से अफसुर्दा होकर अकबर खान ने 1950 में रावलपिंडी में पाक सैन्य बगावत को अंजाम दिया था।

अपनी किताब रेडर्स इन कश्मीर में अकबर खान ने खुद इसका जिक्र किया था। सन-1965 में जनरल अयूब खान ने आपरेशन जिब्राल्टर के तहत कश्मीर को हथियाने का दुस्साहस किया था। पांच सितंबर 1965 को तीन डोगरा बटालियन के 17 जवानों ने अपना बलिदान देकर इसी पुंछ के मोर्चे पर पाक फौज को धूल चटाकर कश्मीर को बचाया था। तीन डोगरा के हिमाचली शूरवीर कैप्टन प्रेम सिंह वीर चक्र तथा सिपाही सुखराम वीर चक्र (मरणोपरांत) ने उस आपरेशन जिब्राल्टर के खिलाफ अहम किरदार अदा किया था। 1971 के युद्ध में इसी पुंछ के मोर्चे पर हिमाचली सूरमा कर्नल कश्मीरी लाल रतन महांवीर चक्र तथा कर्नल पंजाब सिंह वीर चक्र ने सिख बटालियन का नेतृत्व करके पाक फौज की पेशकदमी को ध्वस्त करके पुंछ को महफूज रखने में निर्णायक भूमिका निभाई थी। जनरल याहिया खान के दौरे हुकूमत में दुनिया की चश्म ए पलक ने वो नजारा भी देखा जब बांग्लादेश के रामना रेसकोर्स गार्डन में भारतीय सेना ने 16 दिसंबर 1971 को पाक फौज को पाकिस्तान की गैरत को नीलाम करने पर मजबूर कर दिया था।

कश्मीर पर तमाम नाकामियों तथा तीन युद्धों में पाक सेना की करारी शिकस्त का हिस्सा रहे पाकिस्तान की सैन्य हुकूमत का सफ्फाक चेहरा जनरल जिया उल हक मार्च 1976 को पाक सेना के आठवें सिपहसालार बने थे। जनरल जिया भारतीय सेना के आक्रामक तेवरों को भलिभांति जानते थे कि प्रत्यक्ष युद्ध में पाक फौज भारतीय सेना का सामना नहीं कर सकती। अतः 1980 के दशक में जिया उल हक ने भारत के विरूद्ध ऑपरेशन टोपाक नाम से वार विद लो इंटेसिटी का मंसूबा तैयार किया था। जनरल जिया को ऑपरेशन टोपाक का मशवरा देने वाले आईएसआई के तत्कालीन सरवराह व अफगान जेहाद के अहम किरदार जनरल अख्तर अब्दुल रहमान थे। जिला उल हक ने ही अफगानिस्तान के कोल्ड वार में सोवियत संघ की सेनाओं के खिलाफ पाक के पेशावर शहर को अमरीका के हवाले कर दिया था। भावार्थ यह है कि आंतक व पाकिस्तान का चोली दामन का साथ रहा है। पाक हुक्मरानों की आंतक नीति का खामियाजा कश्मीर के साथ पाकिस्तान भी भुगत रहा है। जिया उल हक झूठी हसरत पाल बैठे थे कि ऑपरेशन टोपाक के तहत कश्मीर पाक का हिस्सा बन जाएगा मगर 13 अप्रैल 1984 को भारतीय सेना ने ऑपरेशन मेघदूत को अंजाम देकर सियाचिन ग्लेशियर पर कब्जा करके जिया उल हक के अरमानों को ध्वस्त कर दिया था। सियाचिन में पाक फौज की शिकस्त से मायूस होकर पाकिस्तान की मारूफ सियासी लीडर बेगम बेनजीर भुट्टो ने जनरल जिया उल हक को हिजाब पहनने का मशवरा दे डाला था।

अपनी हैसियत व औकात से बड़े ख्वाब देखना पाक जरनैलों की खासियत रहा है। पाकिस्तान की जम्हुरियत फौजी बूटों से लहुलुहान होकर कठपुतली बन चुकी है। पाकिस्तान के सियायतदान हर वक्त तख्ता पलट के खौफ में जीने को मजबूर रहते हैं मगर फिर भी मई के पहले हफ्ते में गोवा में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री तशरीफ ला रहे हैं। बुनियादी सवाल यह है कि क्या पाक विदेश मंत्री के समक्ष कारगिल युद्ध में पाक सेना के किरदार को बेनकाब करने वाले कैप्टन सौरभ कालिया व उनके पांच साथियों की हत्या का मुद्दा उठेगा। पुंछ में बलिदान हुए पांच जवानों की शहादत पर कोई जवाब तलब किया जाएगा। सरहद के पार भारत को दहलाने के मकसद से आंतकी कैंप चल रहे हैं। एलओसी पर आंतकी घुसपैठ जारी है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन के जरिए नशा व हथियारों की अवैध तस्करी हो रही है। अतः पाक विदेश मंत्री का खैर मकदम करने के बजाय भारत को अपने रुख पर कायम रहकर सख्त लहजे में सवाल दागने होंगे। क्रिकेट डिप्लोमेसी भी बंद होनी चाहिए। मुजाकरात, खेल तथा आंतक एक साथ नहीं चल सकते। बहरहाल पाक फौज की कश्मीर को हथियाने की मुद्दत की आरजू को खाक में मिलाकर भारतीय सैन्य पराक्रम शूरवीरता की कसौटी पर सर्वश्रेष्ठ साबित हुआ है। भारतीय सेना दुश्मन की सरजमीं में घुसकर दहशतगर्दों को नेस्तानाबूद करने की पूरी सलाहियत रखती है। पुंछ में जो हिमाकत हुई है पाकिस्तान को उसके दर्द का एहसास उसी लहजे में कराना होगा। यही हमारे बलिदानी जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विदेशों में भारतीयों की सफलता में हमारे संस्कारों का सबसे अहम योगदान है

जो अमेरिका में निवासरत समस्त अन्य देशों के मूल के अमेरिकी नागरिकों की औसत आय में सबसे अधिक है। दूसरे क्रमांक पर ताईवान मूल के अमेरिकी नागरिक आते हैं जिनकी वार्षिक औसत आय 95,736 अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इसी प्रकार चीनी मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 81,497 डॉलर, जापानी मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 80,036 एवं अमेरिकी मूल के गोरे नागरिकों की वार्षिक औसत आय 65,902 आंकी गई है। इसी प्रकार, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे अमेरिकी मूल के नागरिकों की संख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या का 13 प्रतिशत है, एशिया के समस्त देशों का औसत 10 प्रतिशत है जबकि भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों में केवल 6 प्रतिशत नागरिक ही गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

प्रह्लाद सबनानी
सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक

अमेरिकी जनगणना ब्यूरो (यूएस सेंसस ब्यूरो) द्वारा अमेरिका में निवास कर रहे विभिन्न देशों के मूल के अमेरिकी नागरिकों की औसत आय एवं अन्य कई मानदंडों पर जारी की गई जानकारी के अनुसार अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 119,858 अमेरिकी डॉलर है, जो अमेरिका में निवासरत समस्त अन्य देशों के मूल के अमेरिकी नागरिकों की औसत आय में सबसे अधिक है। दूसरे क्रमांक पर ताईवान मूल के अमेरिकी नागरिक आते हैं जिनकी वार्षिक औसत आय 95,736 अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इसी प्रकार चीनी मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 81,497 डॉलर, जापानी मूल के अमेरिकी नागरिकों की वार्षिक औसत आय 80,036 एवं अमेरिकी मूल के गोरे नागरिकों की वार्षिक औसत आय 65,902 आंकी गई है।

इसी प्रकार, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे अमेरिकी मूल के नागरिकों की संख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या का 13 प्रतिशत है, एशिया के समस्त देशों का औसत 10 प्रतिशत है जबकि भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों में केवल 6 प्रतिशत नागरिक ही गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों का दबदबा पाया गया है। वर्ष 2021 के जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, 25 वर्ष की आयु की कुल जनसंख्या में से 33 प्रतिशत अमेरिकी मूल के नागरिक स्नातक स्तर तक शिक्षा प्राप्त करते हैं, जबकि भारतीय मूल के 25 वर्ष की आयु के अमेरिकी नागरिकों में 80 प्रतिशत नागरिक स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त करते हैं। इनमें से 49 प्रतिशत भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों ने व्यावसायिक डिग्री (डॉक्टर, इंजीनियर, प्रबंधन) प्राप्त की थी जबकि अमेरिकी मूल के केवल 13 प्रतिशत नागरिकों ने व्यावसायिक डिग्री प्राप्त की थी।

अमेरिकी मूल के कई नागरिक स्नातक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त करने पर भारी खर्च करने के उपरांत भी उच्च आय वाले क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं। जबकि अधिकतर अमेरिकी नागरिकों का सोचना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु उन क्षेत्रों को चुना जाना चाहिए जिससे स्नातक डिग्री प्राप्त करने हेतु किए गए खर्च को उच्च निवेश की श्रेणी में परिवर्तित कर उच्च आय वाले क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त किया जा सके। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों द्वारा व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करते समय उक्त बात पर विचार किया जाता है। इसी कारण से 36 प्रतिशत भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक इंजीनीयरिंग के क्षेत्र में, 35 प्रतिशत गणित एवं कम्प्यूटर साइंस के क्षेत्र में एवं 10 प्रतिशत व्यवसाय एवं प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करते हैं। कुल मिलाकर, अमेरिका में निवास कर रहे अप्रवासी नागरिकों में से 37 प्रतिशत नागरिक इंजीनीयरिंग, साइंस एवं प्रबंधन के क्षेत्र में व्यावसायिक डिग्री हासिल कर पाते हैं एवं अमेरिकी मूल के 43 प्रतिशत नागरिक परंतु भारतीय मूल के 79 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक इन विधाओं में व्यावसायिक डिग्री प्राप्त करते हैं। अमेरिका में चूंकि उद्योग एवं कृषि के क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध ही नहीं हैं अतः अमेरिकी मूल के नागरिक सेवा के क्षेत्र में सबसे बड़ी संख्या में कार्य करते हैं। इन क्षेत्रों में वेतन तुलनात्मक रूप से बहुत कम मात्रा में प्रदान किया जाता है। अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की संख्या अमेरिका की कुल जनसंख्या का केवल एक प्रतिशत है परंतु अमेरिका में प्रारम्भ की जा रही उच्च तकनीकी कम्पनियों के निर्माण में 8 प्रतिशत भागीदारी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की है। साथ ही, अमेरिका में प्रारम्भ किए जा रहे कुल स्टार्ट-अप में से 33 प्रतिशत स्टार्ट-अप भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के सहयोग से प्रारम्भ किए जा रहे हैं। यह समस्त संस्थान बहुत सफल भी हो रहे हैं। इससे भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की बिलिनायर्स (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति) के रूप में संख्या भी तेजी से बढ़ती जा रही है। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक श्री जय चौधरी की सम्पत्ति 830 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है, इसी प्रकार श्री विनोद खोसला की सम्पत्ति 530 करोड़ अमेरिकी डॉलर, श्री रोमेश वाधवानी की सम्पत्ति 510 करोड़ अमेरिकी डॉलर, श्री राकेश गंगवाल की सम्पत्ति 400 करोड़ अमेरिकी डॉलर, श्री नीरज शाह की सम्पत्ति 280 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं श्री अनिल भुरसी की सम्पत्ति 230 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। यह सूची बहुत लम्बी है। जब अमेरिका में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों की उल्लेखनीय सफलता के पीछे कारण खोजने का प्रयास किया जाये तो निम्नलिखित कारण ध्यान में आते हैं। भारतीय संस्कारों के अनुसार, भारतीय माता-पिता अपने बच्चों के लिए अपने हितों का त्याग करते पाए जाते हैं। भारतीय माताएं अपने व्यावसायिक कार्य के प्रति जुनून को अपने बच्चों के हित में त्याग देती हैं। इसी प्रकार, भारतीय पिता अपने व्यवसाय में अपने बच्चों के हित में कई प्रकार के समझौते करते हैं। अतः भारतीय माता पिता के लिय अपने बच्चों का लालन पालन सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाती है। भारतीय माता पिता अपने जीवन के व्यस्ततम पलों में भी सबसे उत्कृष्ट समय अपने बच्चों के विकास पर खर्च करते हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों द्वारा अपने बच्चों को अमरीका में अभी भी भारतीय संस्कारों के अनुसार ही पाला पोसा जाता है। भारतीय माता-पिता अपने बच्चों में बचपन में ही विश्वास का भाव जगाते हैं। वे स्वयं भी अपने बच्चों पर विश्वास करते हैं एवं उन्हें भी समाज के अन्य वर्गों के प्रति विश्वास करना सिखाते हैं। बच्चों में विकसित किए गए इस विश्वास के चलते माता-पिता अपने बच्चों के सबसे अच्छे मित्र बन जाते हैं एवं बच्चे अपने माता पिता के साथ अपने जीवन की समस्त बातों को साझा करने में डरते नहीं हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक, अमेरिका में भी संयुक्त परिवार के रूप में एक ही मकान में रहते हैं। इससे इनके पारिवारिक व्यवसाय को विकसित करने एवं तेजी से तरक्की करने में बहुत आसानी होती है। साथ ही, संयुक्त परिवार के रूप में रहने से तुलनात्मक रूप से पारिवारिक खर्चे भी कम होते हैं। अमेरिका में वैवाहिक जीवन के मामले में भी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक बहुत संतुष्ट एवं सुखी पाए जाते हैं। इसे शादी के बाद दिए जाने वाले तलाक सम्बंधी आंकड़ों के माध्यम से आंका गया है। अमेरिका में सबसे अधिक तलाक की दर अमेरिकी काले नागरिकों के बीच 28.8 प्रतिशत है, अमेरिकी गोरे नागरिकों के बीच यह 15.1 प्रतिशत है, परंतु भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के बीच यह केवल 1.3 प्रतिशत है (हालांकि कुछ सूर्वे में यह 6 प्रतिशत भी आंकी गई है), जो कि समस्त अन्य देशों के नागरिकों के बीच सबसे कम दर है। यह भारतीय संस्कारों का ही परिणाम है। भारतीय माता पिता अपने बच्चों को भारतीय सामाजिक मान्यताओं से बचपन में ही परिचित कराते हैं।

गैर-भाजपाई दलों के सरपरस्तों का सवालिया विलाप

मनोज ज्वाला

केन्द्र की सत्तासीन भाजपा-सरकार के विरुद्ध चुनाव-हराऊ वातावरण तैयार करने के लिए देश भर में सत्तालोलुप कांग्रेस-कम्युनिष्ट-सेक्युलरिष्ट दलों के नेताओं और उनके चापलूस बुद्धिबाजों का महकमा अपनी धूर्त्ततापूर्ण बातों से जनमत को बरगलाने में लगा हुआ है। यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि भाजपा-मोदी के शासन में सरकार से प्रश्न पुछना मना है अथवा प्रश्न पुछने पर भाजपा-नेताओं-कार्यकताओं-समर्थकों और उसकी सरकार के प्रधानमंत्री या मंत्रियों द्वारा प्रश्न-कर्त्ता को देशद्रोही या गद्दार घोषित-आरोपित कर दिया जाता रहा है। सत्ता से वंचित कांग्रेस के पप्पू को देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए ऐसा सफेद झूठ फैलाने का काला धंधा करने की ठेकेदारी चलाने वाले बुद्धिबाजों का सूत्र-संचालन उन सेक्युलरिष्ट-कम्युनिष्ट-कॉमरेडों के शातिर दिमाग से होता है, जिन्हें तिल को ताड बनाने से ले कर बाल की खाल नोचने तक एवं किसी झूठ को हजार-हजार मुखों से बोलवा कर उसे सच बना देने की बकवादी जुगाली करते रहने तक की महारत हासिल है। ये वो दिमाग हैं, जो कहीं के शब्द, कहीं के वाक्य, कहीं के विन्यास, कहीं के संदर्भ आदि को तोड-मरोड कर अपने लक्षित कथ्य-कथानक, पात्र व तथ्य के साथ जोड-मोड कर न केवल एक से एक कहानी-कविता-गीत-पहेली रच-गढ लेते हैं, बल्कि उन कहानियों की धूर्त्त-रचनाओं का शास्त्र भी निर्मित कर लेते हैं। भाजपा-मोदी-सरकार से प्रश्न पुछने पर प्रश्नकर्त्ता को देश-द्रोही घोषित कर दिए जाने का जो थोथा राग अलापा जा रहा है, इसकी सच्चाई भी यही है। मालूम हो कि यह थोथा राग तब से शुरू हुआ है, जब से जम्मू-कश्मीर के पुलवामा आतंकी विस्फोट मामले में मोदी सरकार के निदेर्शानुसार भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान को सबक सिखाने के बावत उसकी सीमा के भीतर जा कर आतंकी ठिकानों पर हमला किये जाने के बाद जनता स्वतः मोदी के सीने को छप्पन इंच से भी ज्यादा मापने लगी और मोदी की बढती लोकप्रियता से जल-भुन कर कांग्रेस-अध्यक्ष और उसके दरबारी कांग्रेसी कारिन्दे सेना के उस पराक्रम का सबूत मांगने लगे, तो पूरा देश उन्हें स्वाभाविक ही देशद्रोही कहने लगा।

अपने ही देश की सेना को जलील करना तथा उसके पराक्रम को कठघरे में खडा करना और शत्रु-देश का पक्ष-पोषण करना वास्तव में देश-द्रोह के समान ही है और इसी कारण देश के प्रति निष्ठावान जनता के बीच से उन्हें देश-द्रोही करार दिया जाने लगा, तो इसे अनुचित नहीं कहा जा सकता। किन्तु भाजपा-मोदी-सरकार की हर नीति-कार्रवाई व कार्य-पद्धति का निराधार ही विरोध करते रहने वाली कांग्रेसी-कम्युनिष्ट-सेक्युलरिष्ट जमात अपनी इस विरोधवादी नीति के बहाव में बह कर देश की सुरक्षा-सम्प्रभुता व सेना की राष्ट्रीय निष्ठा का भी विरोध करने में जुट जाने के बाद इसके औचित्य-अनौचित्य पर बहस-विमर्श करने के बजाय इसे न केवल उचित ठहराने, बल्कि इसे मोदी-विरोध के एक नये हथियार में तब्दील करने की कोशिश करती रही और यह कहते हुए लोगों को भडकाती रही कि सरकार से सवाल पुछना तो देश-द्रोह माना जा रहा है। यहां उल्लेखनीय है कि भाजपा-मोदी-सरकार की ओर से ऐसा न कभी माना गया है, न कहा गया है, बल्कि विरोधवादियों के देश-विरोधी रवैये के कारण जनता के बीच से यह संवाद मुखरित हुआ कि सेना को कठघरे में खडा करने वाले विपक्षी नेतागण देशद्रोही हैं। अब इस जन-संवाद के शब्दों को इधर से उधर हेर-फेर कर जनमत बदल डालने या यों कहिए कि पप्पू को पास कराने के निमित्त कांग्रेस के रणनीतिकारों अर्थात सेक्युलरिष्ट-कम्युनिष्ट-कॉमरेडों ने एक नई युक्ति से युक्त नायाब उक

संक्षिप्त खबरें

भाजपा प्रत्याशी राजेश सैनी ने निकाला रोड शो, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

मंडी धनौरा ।निकाय चुनाव प्रचार के अंतिम दिन नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के भाजपा प्रत्याशी राजेश सैनी ने अपने समर्थकों के साथ रोड शो निकाल कर नगर वासियों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। रोड शो का जगह - जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया ।रोड शो का शुभारंभ नगर के रामलीला मैदान हुआ। जो नगर के कंचन बाजार, हरदेव बाजार, अग्रसेन बाजार, पुराना स्टेट बैंक तिराहा, होली पार्क तिराहा से होते हुए रामलीला मैदान में जाकर समाप्त हुआ। इस अवसर पर जिले के प्रभारी विकास अग्रवाल ने मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी राजेश सैनी के पक्ष में वोट देकर बड़े अंतर से जिताने की अपील की। रोड शो के दौरान नगर वासियों ने भाजपा प्रत्याशी राजेश सैनी का जगह-जगह फूल माला पहनाकर एवं पुष्प वर्षा कर के भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रशांत कुमार अग्रवाल, शरद गर्ग, गीतेश अग्रवाल, चिंतामणि अग्रवाल, कमल कुमार अग्रवाल, नरेंद्र कुमार, देवेश तवर, विशाल कौशिक, आकाश मोदी, मुकेश शर्मा, राजीव उपाध्याय, अनिल जैन आदि मौजूद रहे।

मायावती ने विपक्षी दलों पर नगर निकाय चुनाव में साम, दाम, दंड, भेद जैसे हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने विपक्षी दलों पर नगर निकाय चुनाव में साम, दाम, दंड, भेद जैसे अनेक हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया है। मायावती ने मंगलवार को कहा कि लोगों को वोट के अपने बहुमूल्य संवैधानिक हक और दायित्व के प्रति वफादार और ईमानदार रहते हुए मतदान करना है। बसपा नेता ने ट्वीट करके आरोप लगाया, ह्लउप्र निकाय चुनावों के लिए चार मई को होने वाले पहले चरण के मतदान के लिए विरोधी दलों ने साम, दाम, दंड, भेद समेत अनेक हथकंडों का लगातार इस्तेमाल किया है, लेकिन लोगों को वोट के अपने बहुमूल्य संवैधानिक हक व दायित्व के प्रति वफादार और ईमानदार रहकर ही मतदान करना है। उन्होंतने आरोप लगाया कि इस चुनाव के लिए भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व अन्य विरोधी दलों ने लुभावने वादे, हवा-हवाई बातें तथा कागजी दावे करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है, लेकिन मतदाताओं को इनके बहकावे में नहीं आना चाहिए। मायावती ने लोगों से अपील की कि वे अपने व अपने क्षेत्र के हित एवं विकास के लिए बसपा उम्मीदवारों को ही वोट दें। गौरतलब है कि उप्र में दो चरणों में चार मई और 11 मई को निकाय चुनाव के लिए मतदान होंगे और 13 मई को मतगणना होगी। लखनऊ में चार मई को मतदान है और दो मई की शाम को यहां प्रचार थम जाएगा।

जनपद में शुरू हुआ 'पानी नहीं, केवल स्तनपान' अभियान

30 जून तक चलेगा अभियान,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा, एएनएम घर-घर जाकर धात्री महिलाओं को देंगी परामर्श

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। शिशु को छह माह की आयु तक सिर्फ स्तनपान कराने और उसके प्रति समुदाय में जागरूकता बढ़ाने के लिए सोमवार से ह्लपानी नहीं, केवल स्तनपानह्व अभियान की शुरूआत की गई। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के तत्वावधान में यह अभियान 30 जून तक चलाया जाएगा ।जिला कार्यक्रम अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि जनपद के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर पानी नहीं, केवल स्तनपान अभियान शुरू किया जा चुका है। इसके तहत आंगनबाड़ी व आशा कार्यकताओं को समुदाय में छह माह तक के बच्चों को केवल स्तनपान कराना सुनिश्चित करना है। छह महीने तक सिर्फ स्तनपान बच्चे के लिए अमृत के समान होता है ।बाल मृत्यु दर में कमी लाने के लिए आवश्यक है कि जन्म के एक घंटे के अंदर बच्चे को स्तनपान शुरू करा दिया जाए ।डीपीओ ने कहा कि छह माह की आयु तक केवल स्तनपान बच्चे के जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है लेकिन जागरूकता की कमी के साथ ही समाज में प्रचलित विभिन्न मान्यताओं और मिथकों के कारण बच्चे का स्तनपान सुनिश्चित नहीं हो पाता है ।उन्होंने बताया कि अभियान के तहत ग्रामस्तरीय रैली का आयोजन, वीएचएसएनडी सत्र पर जन्म से छह माह तक की आयु के शिशुओं की माताओं व अभिभावकों को ह्यपानी नहीं केवल स्तनपानह्व का परामर्श दिया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा, एएनएम, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और धात्री माताओं के घर भ्रमण के दौरान स्तनपान का परामर्श देंगी ।इसके अलावा लाभार्थी बैठकों, सामुदायिक बैठकों और स्वयं सहायता समूह की बैठकों में केवल स्तनपान पर चर्चा की जाएगी।

इण्डिया इन्टरनेशनल एजूकेशन एक्सपो में वेंक्टेश्वरा विवि का जलवा

प्रात: किरण, संवाददाता

अमरोहा। वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं उसकी शैक्षणिक योजनाओं की धूम रही। इस तीनदिवसीय शिक्षा महाकुम्भ में रिकार्ड दस हजार से अधिक छात्र-छात्राओ ने वेंक्टेश्वरा के छात्र सेवा केन्द्र पर विजिट कर विभिन्न रोजगारपरक कल्याणकारी शैक्षणिक योजनाओ के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल की। इस अवसर पर वेंक्टेश्वरा ने इंजीनियरिंग, आई0टी0, मैनेजमैन्ट आदि पाठ्यक्रमो के यू0जी0/पी0जी0 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक गरीब किन्तु मेधावी छात्र-छात्राओ के लिए अपनी पाँच करोड़ की कल्याणकारी स्कॉलर्शिप योजना ऑपरेशन स्माईल का शुभारम्भ किया। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने बताया कि इस स्कॉलर्शिप योजना में यू0जी0/पी0जी0 में प्रवेश के लिए क्रमशः बारहवी व ग्रेजूऐशन के प्राप्तांको एवं प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। ग्रेटर नोएडा के इण्डिया एक्सपो सेन्टर में आयोजित इण्डिया इन्टरनेशनल एजूकेशन एक्सपो एवं कान्फ्रेंस -2023 का शुभारम्भ पूर्व पर्यटन मंत्री भारत सरकार डॉ0 महेश शर्मा आई0ई0एम0एल0 के चेयरमैन डॉ0 राकेश कुमार आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि डॉ0 महेश शर्मा ने कहा कि नयी शिक्षा नीति के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थय सेवाओ, इंफ्रास्ट्रक्चर एवं शानदार विदेश नीति दम पर भारत फिर से विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर सी0ई0ओ0 अजय श्रीवास्तव, कुलपति प्रो0 राकेश यादव, डॉ0 जयन्ती, कुलसचिव प्रो0 पीयूष पाण्डेय, निदेशक विपणन विक्रांत चौधरी, निदेशक एडमिशन मारूफ चौधरी, डॉ0 ज्योति सिंह, आशीष श्रीवास्तव, मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि मौजूद रहे।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन बसपा प्रत्याशी ने झौकी ताकत,उमड़ी भीड़

बहुजन समाज पार्टी ही ला सकती है बदलाव:मुनकाद अली

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा ।चुनाव प्रचार के अंतिम दिन बड़ी मूसलाधार बारिश के बावजूद बसपा प्रत्याशी मौहम्मद आमिर के चुनावी रोड शो में भारी भीड़ रही। जिस से विपक्षियों में खलबली मच गई और आमिर के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। बसपा प्रत्याशी मौ. आमिर ने आज अपने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन अपने समर्थकों सहित ताकत झोंकते हुए रोड शो का आयोजन किया। रोड शो पेट्रोल पंप चौराहे से शुरू होकर मुस्लिम चौधरियान, सब्जी मंडी, कला मस्जिद, शिवाजी मार्केट, बड़ा बाजार, जुमेरात का बाजार, मुर्गा मंडी ,थाना चौराहा, मोहल्ला शेरखान, चामुंडा मंदिर, इस्लामनगर ,स्टेशन रोड, हयातनगर, लाल मस्जिद, होते हुए पेट्रोल पंप चौराहे पर समाप्त हुआ।

रोड शो में आए बसपा के राष्ट्रीय महासचिव मुनकाद अली ने कहा बसपा का नारा है सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय बसपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है ।

जो बदलाव ला सकती है और इसमें सभी वर्गों का हित सुरक्षित है आज जनता की उम्मीदों पर बसपा ही खरी उतर सकती हैं सभी लोग एकजुट होकर बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी को वोट करें ।नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं लोकसभा में बसपा संसदीय दल के नेता गिरीश चंद्र ने कहा आज के राजनीतिक माहौल में बहुजन समाज पार्टी ही एकमात्र विकल्प है जो फिरकापरस्त ताकतों से छुटकारा दिला सकती है। बहुजन समाज पार्टी का वोट हमेशा अपनी जगह डटा खड़ा हुआ है ।

उसे बहुत से लोग लालच देकर इधर-उधर भटकाने का प्रयास करते हैं परंतु बहन जी के सिपाही अपने लक्ष्य से नहीं भटकते ।

उन्होंने भी बसपा प्रत्याशी के हक में सर्व समाज के साथ-साथ विशेष कर दलित समाज से भारी तादाद में वोट करने की अपील की। इस अवसर पर बाबू मुनकाद अली राष्ट्रीय महासचिव बहुजन समाज पार्टी ,गिरीश चंद सांसद नगीना, हाजी मौहम्मद इलियास पूर्व प्रभारी मुरादाबाद, बसपा प्रत्याशी मौहम्मद आमिर ,मेजर रईस चौधरी,लताफत चौधरी, हाजी इब्राहिम ,परवेज चौधरी उर्फ बिल्लू, हैदर चौधरी, मण्डल कोऑर्डिनेटर दीपक सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह , चौधरी अजीम अहमद उर्फ जोनी, सुलेमान चौधरी, सलीम चौधरी,इफ्तखार पारवा, एहसान एडवोकेट, अफजाल चौधरी , चौधरी शकील एडवोकेट, अफसार चौधरी , चौधरी इफ्तखार नगर अध्यक्ष बसपा, आदिल चौधरी, अकबर चौधरी, गोहर इलियास पूर्व सभासद, विकास उर्फ मोनू जगमोहन राकेश कुमार, चंद्र प्रकाश, अतहर परवेज, सैयद आरिफ अली, नन्हे सिंह, महिपाल सिंह, महावीर सिंह, ताबिश रईस खालिद खंडेलिया, इकबाल चौधरी, अतीक अहमद, अनीस अहमद, सुल्तान अहमद, राशिद घोसी, जुबैर चौधरी, दिलशाद फरीदी ,शहजाद फरीदी,असलम अल्वी, हकीम रईस सलमानी मुस्तकीम अंसारी हाजी इंतजार चौधरी,हाजी गफ्फार पूर्व सभासद आदि सहित सैकड़ों की तादाद में समर्थक मौजूद रहे।

हमने तुष्टिकरण नहीं, सशक्तिकरण पर ध्यान दिया है: योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां कहा कि उनकी पार्टी की सरकार ने तुष्टिकरण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण पर ध्यान दिया है, सब का विकास किया है। महापौर पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी उमेश चंद्र गणेश केसरवानी के पक्ष में शहर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के लीडर प्रेस ग्राउंड में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, आज उत्तर प्रदेश, परिवारवादी और जातिवादी मानसिकता के दलों से आगे बढ़कर एक राष्ट्रवाद की सोच के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा, पार्टी के एक साधारण से कार्यकर्ता गणेश केसरवानी को महापौर का प्रत्याशी बनाना यह साबित करता है कि भाजपा नए कार्यकताओं को जोड़ने की पार्टी है। यही देश का लोकतंत्र है और भाजपा का लोकतंत्र है। परोक्ष तौर पर माफिया अतीक अहमद के संदर्भ में इशारा करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, जहां अन्याय और अत्याचार से पीड़ित व्यक्ति न्याय पाने की अभिलाषा से आता है, कुछ लोगों ने उस प्रयागराज की धरती को अन्याय और अत्याचार का शिकार बना दिया था। लेकिन यह प्रकृति ना किसी पर अत्याचार करती है और ना किसी के अत्याचार को स्वीकार करती है। सबका हिसाब बराबर करके रख देती है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह वही उत्तर प्रदेश था जहां पर्व और त्योहार भय और आतंक के साये में मनाए जाते थे। लेकिन आज प्रदेश में पर्व और त्योहार खुशहाली लाते हैं। आज प्रदेश में कर्फ्यू नहीं, दंगा नहीं, बल्कि सभी ओर चंगा ही चंगा है। उन्होंने कहा जो लोग पहले आतंक के बल पर गरीबों की संपत्तियों पर कब्जा करते थे, व्यापारियों से रंगदारी वसूलते थे, आज गले में तख्ती लटकाकर जाने के लिए मजबूर हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज व्यापारी को राज्य के व्यापारी कल्याण बोर्ड की ओर से 10 लाख रुपये की सुरक्षा बीमा दिया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ह्यह्यआज नगरों में किसी प्रकार का शोहदों का आतंक नहीं है। आज हमारे नगर ह्यसेफ सिटीह्व (सुरक्षित शहर) हो रहे हैं। लड़कियां सुरक्षित स्कूल जा सकती हैं, व्यापारी व्यापार कर सकता है। आज युवाओं के हाथ में तमंचे नहीं, टैबलेट हैं। मुख्यमंत्री ने नगर वासियों से प्रयागराज नगर निगम के सभी 100 वार्डों के पार्षद प्रत्याशियों और महापौर प्रत्याशी को विजयी बनाकर 2025 में होने वाले महाकुम्भ को और भी दिव्य और भव्य बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, इलाहाबाद लोकसभा सांसद रीता बहुगुणा जोशी, फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल, कौशांबी सांसद विनोद सोनकर, निवर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी और कई विधायक मौजूद थे। प्रयागराज नगर निगम का चुनाव आगामी चार मई को होगा, जबकि चुनाव प्रचार अभियान मंगलवार शाम समाप्त हो रहा है।

प्रकृति सबका हिसाब बराबर करके रख देती है: योगी

प्रयागराज, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि कुछ लोगों ने प्रयागराज की धरती को अन्याय और अत्याचार का शिकार बना दिया था, लेकिन यह प्रकृति ना किसी पर अत्याचार करती है और ना किसी के अत्याचार को स्वीकार करती है, सबका हिसाब बराबर करके रख देती है। योगी आदित्यनाथ का इशारा परोक्ष तौर पर माफिया अतीक अहमद की ओर था। गौरतलब है कि अतीक अहमद (60) तथा अशरफ की मीडियाकर्मी बनकर आए तीन लोगों ने नजदीक से गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह हत्या उस वक्त की गयी थी जब दोनों को पुलिस की सुरक्षा में स्वास्थ्य जांच के लिए प्रयागराज के एक मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था। महापौर पद के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी उमेश चंद्र गणेश केसरवानी के पक्ष में शहर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के लीडर प्रेस ग्राउंड में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हमने तुष्टिकरण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण पर ध्यान दिया है, सबका विकास किया है। तुष्टिकरण करने वाले लोग भेदभाव करते थे, वही बंटवारा भी करते थे। उल्लेखनीय है कि शहर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र, अतीक अहमद का गढ़ रहा है जहां से वह पांच बार विधायक रहा। उमेश पाल हत्याकांड में नामजद अतीक और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल को पुलिस हिरासत में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा, आज उत्तर प्रदेश, परिवारवादी और जातिवादी मानसिकता के दलों से आगे बढ़कर एक राष्ट्रवाद की सोच के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा, पार्टी के एक साधारण से कार्यकर्ता गणेश केसरवानी को महापौर का प्रत्याशी बनाना यह साबित करता है कि भाजपा नए कार्यकताओं को जोड़ने की पार्टी है। यही देश का लोकतंत्र है और भाजपा का लोकतंत्र है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह वही उत्तर प्रदेश था जहां पर्व और त्योहार भय और आतंक के साये में मनाए जाते थे। लेकिन आज प्रदेश में पर्व और त्योहार खुशहाली लाते हैं। आज प्रदेश में कर्फ्यू नहीं, दंगा नहीं, बल्कि सभी ओर चंगा ही चंगा है। उन्होंने कहा जो लोग पहले आतंक के बल पर गरीबों की संपत्तियों पर कब्जा करते थे, व्यापारियों से रंगदारी वसूलते थे, आज गले में तख्ती लटकाकर जाने के लिए मजबूर हुए हैं। आज व्यापारी को राज्य के व्यापारी कल्याण बोर्ड की ओर से 10 लाख रुपये की सुरक्षा बीमा दिया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, आज नगरों में किसी प्रकार का शोहदों का आतंक नहीं है। आज हमारे नगर सेफ सिटी (सुरक्षित शहर) हो रहे हैं। लड़कियां सुरक्षित स्कूल जा सकती हैं, व्यापारी व्यापार कर सकता है। आज युवाओं के हाथ में तमंचे नहीं, टैबलेट हैं। मुख्यमंत्री ने नगर वासियों से प्रयागराज नगर निगम के सभी 100 वार्डों के पार्षद प्रत्याशियों और महापौर प्रत्याशी को विजयी बनाकर 2025 में होने वाले महाकुम्भ को और भी दिव्य और भव्य बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, प्रयागराज से लोकसभा सांसद रीता बहुगुणा जोशी, फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल, कौशांबी सांसद विनोद सोनकर, निवर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी और कई विधायक मौजूद थे। प्रयागराज नगर निगम का चुनाव आगामी चार मई को होगा, जबकि चुनाव प्रचार अभियान मंगलवार शाम समाप्त हो रहा है।

शून्यच पर पहुंच गये हैं आजम खां: जया प्रदा

प्रयागराज, एजेंसी

फिल्मा अभिनेत्री एवं रामपुर की पूर्व सांसद जया प्रदा ने समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठे नेता आजम खां पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि वोट डालने तक का अधिकार खो चुके खां अब शिखर से शून्य पर पहुंच गये हैं। जया ने नगरीय निकाय चुनाव में रामपुर नगर पालिका अध्येक्ष पद की भाजपा उम्मीदवार मसर्रत मुजीब के पक्ष में नगर में रोड शो किया और उन्हों वोट देने की अपील की। सपा के वरिष्ठन नेता एवं पूर्व मंत्री आजम खां पर अपनी जनसभाओं में अभद्र भाषा का इस्ते ।माल करने के आरोपों के बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे गये सवाल पर जया ने कहा, आजम खां बौखला गये हैं। उन्हेंब कोई नहीं सुधार सकता। वह आज हार रहे हैं और हार मानते हुए भी जीतने की उम्मीद करते हैं। वह अब कहां के कद्दावर नेता रह गये हैं, 100 प्रतिशत का नेता अब शून्यल पर आ गया है। उन्होंयने कहा, आजम खां का वोट देने का अधिकार तक नहीं बचा है। मैं उनसे एक ही अपील करती हूं कि वह अब गालियां देना बंद करें और खुद को सुधारने के लिये अपने दिमाग को ठीक करें। इससे पहले, जया प्रदा ने शहर में रोड शो किया और जनता से भाजपा उम्मी दवार के पक्ष में वोट की अपील की। इस दौरान रामपुर के प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर, भाजपा सांसद घनश्याम सिंह लोधी और शहर विधायक आकाश सक्सेना भी मौजूद रहे।

भाजपा सांसद मेनका गांधी सड़क पर गिरने से चोटिल हुईं

प्रयागराज, एजेंसी

सुल्तानपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी अपने निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के चुनाव प्रचार के दौरान बारिश से बढ़ी फिसलन के कारण सड़क पर गिरने से मामूली रूप से चोटिल हो गयीं। मेनका निकाय चुनावों के दौरान भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार के लिए अपने दौरे के पहले दिन सोमवार को घासीगंज वार्ड पहुंचीं। जब वह अपनी कार से उतरकर लोगों से मिलने के लिए आगे बढ़ने लगीं तो बारिश के कारण फैले कीचड़ में पैर फिसलने से वह गिर गयीं। हालांकि, उनके साथ चल रहे लोगों ने उन्हेंढ फौरन उठाया। इस घटना में मेनका को मामूली चोटें भी आई हैं। गौरतलब है कि शहर में सोमवार को तेज बारिश के साथ ओले भी पड़े थे जिससे शहर में जगह-जगह जलभराव हो गया था।

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम पर कॉंग्रेस विधायक ने कसा तंज

भागलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात की। मन की बात का सौ वें एपिसोड पूरा हुआ इसको लेकर बिहार में सियासत तेज हो गयी है। इसको लेकर कॉंग्रेस विधानमंडल दल के नेता अजित शर्मा ने कहा कि पीएम मोदी तो सत्ता के पहले से मन की बात बोल रहे है। रोजगार देने की बात कही थी। मन की बात का उल्टा असर पड़ा। चुनाव जितने के लिए पुलवामा में सैनिकों को मरवाते हैं ये भी आपके मन की बात है। 2024 के पहले फिर आप इसी तरह कीजियेगा चाहे सैनिक की हत्या करवाईयेगा। मन की बात जनता जानती है। 2024 में जवाब मिलेगा।

थाना पहुंच किया औचक निरीक्षण

नाथनगर (भागलपुर)। एसपी सिटी अमित रंजन जिले के थाना पुलिस कार्यशैली व गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करने की दिशा में अपनी रणनीति तैयार कर ली है। इसी कड़ी में मधुसुदनपुर थाना परिसर में अचानक पहुंचकर थाना व्यवस्था के साथ साथ थाना पंजी रख रखाव की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से औचक निरीक्षण किया। वही एसपी ने थाना परिसर का जायजा लेने के साथ साथ करीब 1 घंटे तक थाने की पंजीकृत रजिस्टर के अलावा अन्य फाइलों की जांच की। वहीं एसपी ने पूलसिंग कार्रवाई को लेकर थानेदार को कई जरूरी दिशा निर्देश भी दिए है। इस दौरान एसपी ने फाइलों की जांच के साथ लंबित कांडों की समीक्षा के तहत थाने के स्टोर किये सामानों के रखरखाव, रनिंग रजिस्टर आदि की जांच की। वही एसपी ने वांछित अभियुक्तों की धरपकड़ करने व लंबित कांडों को शीघ्र निपटारा करने का भी निर्देश दिया है।

मानसिक रूप से बीमार युवक ने तेज रफ्तार ट्रेन के सामने आकर की खुदकुशी

भागलपुर। तड़के सुबह जगदीशपुर टेकानी रेल लाइन पर योगीवीर बहियार के समीप मानसिक रूप से बीमार युवक ने ट्रेन से कट कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेने का मामला सामने आया है। वही घटना के शिकार हुए मृतक युवक की पहचान जगदीशपुर प्रखंड के सैनो गांव के 28 वर्षीय चंदन तांती के रूप में हुए है। वही घटना को लेकर परिजन ने बताया कि मृतक चंदन तांती विगत कई दिनों से मानसिक रूप से बीमार चल रहा था, वही वर्तमान में टाइफाइड बुखार से पीड़ित था। वही उन्होंने बताया कि रविवार को मृतक ने गंगा पुल से कूद कर जान देने की भी कोशिश थी, लेकिन मछुआरों ने उसे बचाया था, वही मृतक चंदन तांती को तीन बेटा भी है, इस घटना से परिजन के घरों में सन्नाटा छाया हुआ है। घटना से आहत परिजन का रो रो कर बुरा हाल है।

रात भर कटी रही बिजली उपभोक्ता दिखा आक्रोश

मुंगेर सदर। रविवार को देर रात बिजली कट गई और सोमवार को लगभग 8:00 बजे बिजली आई। नौवागढ़ी क्षेत्र में बिजली की आंख मिचौली शुरू हो गई है। कभी रात तो कभी दिन में घंटों बिजली कट रही है। बिजली कट जाने से क्षेत्र के उपभोक्ताओं में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। बिजली नहीं रहने से ग्रामीणों के समक्ष जहां पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई, वहीं मोबाइल चार्ज करना भी किसी मुसीबत से कम नहीं रहा। बहरहाल बिजली विभाग के बिजली कट नीति से क्षेत्र के लोग काफी परेशान हैं। उपभोक्ता को ने बताया कि कि साउथ बिहार पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड के अधिकारी उपभोक्ताओं ने के हित के प्रति उदासीन रवैया अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी समय में भी बिजली कट जाती हैं।

बीमा दावा के निष्पादन को लेकर जिला जज ने की बैठक

मुंगेर। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपांकर पांडे ने कहा कि आगामी 13 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा. इसमें अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन हो खास कर दावा वाद एवं वीमा दावा से संबंधित वाद के मामलों का निष्पादन कराएं. वे शनिवार को दावा वाद एवं वीमा विवाद से संबंधित अधिवक्ता गण के साथ आयोजित बैठक में कहा. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन बीमा दावा के अधिकारी और संबंधित अधिवक्ता गण अपनी उपस्थित दर्ज करें. ताकि ज्यादा से ज्यादा बीमा से संबंधित दावा वाद का निष्पादन हो सके. उन्होंने कहा कि पिछली राष्ट्रीय लोक अदालत में बीमा दावा से संबंधित कुल 14 वादों का ही निष्पादन किया गया था. इस बार अधिक से अधिक बीमा वादों से संबंधित मामले का निष्पादन के लिए ज्यादा से ज्यादा नोटिस निर्गत करने का कार्य करें और प्रचार-प्रसार पर जोर दें ताकि अधिक से अधिक लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत से लाभ मल सके. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के दिन अधिक से अधिक बीमा वादों का निष्पादन कराने पर जोर दिया जाए. उपस्थित अधिवक्तागण यह आश्वासन दिया कि इस बार बीमा दावा से संबंधित अधिक से अधिक मामले का निष्पादन किया जाएगा।

पति ने पत्नी को गला घोट कर उतारा मौत के घाट, परिजनों ने लगाया आरोप

हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए बालू की बोरी बांध नदी के पानी में फेंका

प्रात: किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिला के बुद्धुचक इलाके में एक पति ने अपने भाई व भाभी के साथ मिलकर एक बड़ी वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि इलाके की एक महिला को उसके पति और उसके भाई और भाभी ने मिलकर गला घोट कर महिला की हत्या करने के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए महिला के शव को गंगा नदी में फेंक दिया है। गंगा क्षेत्र इलाके में मछुआरे ने जब महिला के शव को नदी में देखा तो क्षेत्र में शव देखे जाने का शोर मचाया। जिससे मृत महिला शव की पहचान हो पाई। वही घटना को लेकर मिली जानकारी के तहत बुद्धूचक थाना क्षेत्र इलाके की रहने वाली 22 वर्षीय रीता कुमारी का उनके पति और उसके भाई व भाभी के द्वारा गला दबाकर हत्या करने की वारदात को अंजाम दिये जाने के की मृतिका रीता के परिजनों ने आरोप लगाया है, साथ ही परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा है कि आए दिन दहेज की मांग को लेकर मारपीट कर प्रताड़ित किया करता था, मांग पूरी नहीं करने पर रीता के साथ गाली गलौज और मारपीट भी किया करता था। वही मृतिका के परिजन ने एक बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि हमारे दामाद का अपने ही भाभी से अवैध संबंध था जिसका विरोध हमारी बेटी आए दिन किया करती थी, और इसी के चलते बदले की भावना से मेरी बेटी को मौत के घाट उतार दिया और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से सुनियोजित तरीके से शव को गंगा में फेंक दिया।

गौरतलब हो कि 22 वर्षीय रीता की शादी हिंदू रीति रिवाज से 2020 में बुद्धूचक सुब्बानगर के रहने वाले जनार्दन मंडल के बेटे सौरभ कुमार मंडल से हुई थी। जिससे महिला को एक डेढ़ साल का बेटा भी है। शादी के करीब 6 माह बाद से ही दोनों के बीच दहेज को लेकर विवाद होती रहती थी। मृतिका रीता अपने घर से विगत 26 अप्रैल से गायब थी, जिसको लेकर विगत 27 अप्रैल को उसके मायके वाले ने पुलिस के बुद्धचक थाना में प्राथिमिकी दर्ज कराया गया था, लेकिन स्थानीय थाना पुलिस पदाधिकारी ने मामले को लेकर कोई संज्ञान नही लिया और न ही कोई महिला बरामदगी की दिशा में छानबीन शुरू की, तभी अचानक विगत 30 अप्रैल को इलाके के नाव चलाने वाले मल्लाह ने शव को नदी में तैरते हुए देखकर शोर मचाना शुरू किया। जिससे उक्त शव की बरामदगी के साथ ही शव की शिनाख्त करने पर बरामद महिला के शव की पहचान रीता कुमारी के रूप में हुई थी, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शव को देखने से प्रतीत हो रहा था कि महिला को बेरहमी से पहले गला घोट कर मारा गया है फिर साक्ष्य मिटाने के को लेकर लाश को छिपाने के लिए उससे बालू की बोरी में बांधकर गंगा नदी में फेंक दिया गया है, लेकिन जैसे ही उसका मृत शरीर हल्का पड़ते ही पानी से ऊपर आ कर तैरने लगी है, जिसे देखते ही सभी ग्रामीणों भीड़ मौके पर पहुंची और पता चल सका। मृत रीता का शव उसके घर से महज 4 किलोमीटर दूरी पर नदी के किनारे तैरता हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मृतिका रीता के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वही उनका कहना है हमें इंसाफ चाहिए और डेढ़ साल के बच्चे को भी हमारे पास सुपुर्द किया जाए नहीं तो इस बच्चे को भी यह हैवानियत के पुजारियों द्वारा मार डालने की बात कही जा रही हैं।

वही रीता के परिजनों के मुताबिक शव मिलने के बाद पति सौरव मंडल, उसके भाई गौरव मंडल व उसकी पत्नी को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है लेकिन जब बुद्धूचक के थानेदार से बात की गई तो उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, जबकि दूसरी ओर एफआईआर दर्ज विगत 27 अप्रैल को ही कर लिया गया है।

अब सवाल यह उठता है कि क्या मृतिका रीता कुमारी के मायके वाले को इंसाफ मिल पाएगा या फिर यह फाइल ठंडे बस्ते में बंद हो जाएगा। यह देखने वाली बात होगी एक तरफ बिहार के डीजीपी राजविंदर सिंह भट्टी जनता के बीच न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए अपने पुलिस कर्मियों को कर्तव्यों का पाठ याद करने की कवायद में जुटी हुई हैं तो वही संबंधित पुलिस पदाधिकारी उन नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए आए दिन दिखाई देते हैं।

कूड़े कचरों का डंपिंग ग्राउंड बना वार्ड 5, सुधी लेने वाला नही कोई

प्रात: किरण संवाददाता

नाथनगर (भागलपुर)। स्वक्षता अभियान के तहत शहरी इलाकों को चमकाने के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा जिले भर में जागरूकता अभियान चला रही हैं तो वही नाथनगर इलाके के सटे वार्ड संख्या 5 स्थित रेलवे स्टेशन मुख्य सड़क मार्ग पर कूड़े कचरे का डंपिंग ग्राउंड बना दिया गया है। इलाके का हाल इतना बुरा है कि लोगों का जीना मुहाल हो गया है।आपको बता दें कि इस रोड में एसएस प्लस टू बालिका उच्च विद्यालय और सुखराज राय उच्च विद्यालय अवस्थित है। जहां प्रतिदिन विद्यालय के छात्र छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उक्त कूड़े से उठने वाली दुर्गंध से आस पास के लोग तरह तरह के बीमारियों का शिकार हो रहे है। वही उक्त मार्ग से सैकड़ों सफर करने वाले राहगीर ट्रेन पकड़ने के लिए इन कूड़े से निकलने वाली सड़न दार दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। इस मार्ग से होकर आने वाले यात्रियों को कूड़े के सड़ांध व उनसे निकलने वाली बदबू से काफी जद्दोजहद करना पड़ रहा है।लोग मुंह पर गमछा या रुमाल रख कर परिचालन करने को बेबस है, जिसे देखने वाला कोई नहीं इस रोड से हजारों लोगों की हर रोज आवाजाही होती है। वहीं मामले को लेकर स्थानीय लोग बताते है की इस सड़क को देखने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा की नाथनगर बाजार और मोहल्ले का कूड़ा कचरा का उठाव नहीं किया जा रहा है। सफाई कर्मी कूड़ा यहीं पर डंपर कर खानापूर्ति कर निकल जाते हैं। ऐसे में स्वक्ष समाज, स्वक्ष ग्राम और स्वक्ष शहर की बात मेयर व निगम प्रशासन की सरासर बेमानी साबित होगा।

आई एम स्मार्ट फ्यूचर स्कूल एप का हुआ विधिवत उद्घाटन

प्रात: किरण ब्यूरो

भागलपुर। आईएम स्मार्ट फ्यूचर स्कूल एप का उद्घाटन आदमपुर स्थित एक विवाह भवन में भागलपुर की मेयर डॉ. बसुन्धरा लाल ने विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम शुरूवात की। इस मौके पर उद्घाटन कर्ता के रूप में शहर की मेयर डॉ. वसुंधरा लाल भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रोहित पांडे, फ्रेंचाइजी पार्टनर अनुराधा सिंह एवं फाउंडर नवांशु पराशर मौजूद थे। वही कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया गया। तत्पश्चात नवांशु ने ऐप का डेमो और प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया साथ ही लॉन्चिंग एप के माध्यम से होने वाला लाभ से उपस्थित लोगों से अवगत कराया। ज्ञात हो कि 2020 में कोरोना महामारी के दौरान ही नवांशु पराशर ने इस ऐप को बनाया था। इसकी मुख्य शाखा मुंबई में है और ऑपरेशनल कार्यालय बौंसी, गुरूधाम में स्थित है। अब भागलपुर शहरवासियों को भी आईएम स्मार्ट फ्यूचर स्कूल की सुविधा बेहद कम लागत पर आसानी व सहजता से उपलब्ध हो पाएगी। बौंसी प्रखंड के गुरुधाम निवासी स्वर्गीय नवनीत पराशर के पुत्र नवांशु पराशर द्वारा डिजाइन किया हुआ इस एप की जानकारी साझा करने के साथ उन्होंने बताया कि यह एक ईडी-टच एप है जो कि शिक्षा के क्षेत्र में एक इकोसिस्टम बिल्ड करता है।इसका मकसद है बच्चों को समझ के साथ पढ़ाना। पढ़ाई का मतलब केवल रट्टा मारना नहीं है बल्कि पढ़ाई का मतलब दिमाग को जीवित करना है, तभी समाज में शिक्षा का सही महत्व लोगों को समझ आएगा, और बच्चों की पढ़ाई सार्थक हो पाएगी। इसी दिशा में आईएम स्मार्ट फ्यूचर स्कूल एक बेहतर विकल्प के रूप में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के साथ साथ उनके अभिभावकों को भी बच्चों की चिंता से दूर करने का एक सफल प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन की ज़िम्मेदारी शहर के युवा ऋषभ कश्यप ने निभाई।साथ ही मौके पर टीम के आशुतोष कुमार रॉय, हरिमोहन, अतिकांत सिन्हा, अर्पिता कुंदन एवं शहर के अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

झड़प मामले में एक और अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

नाथनगर (भागलपुर)। मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र के महमदपुर गांव में बीते दिनों जमीन अवैध निर्माण कार्य को रोकने गई पुलिस के साथ एक पक्ष के लोगों द्वारा पुलिस के साथ हाथापाई के क्रम में ड्यूटी पर मौजूद होमगार्ड जवान से उक्त लोगों द्वारा रायफल छीनने का भी प्रयास किये जाने का मामला सामने आया था। जिस मामले को लेकर स्थानीय थाना पुलिस के साथ साथ कई थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंच कर उक्त मामले में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 14 नामजद और 15 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया गया था। उक्त मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूर्व में बिंदेश्वरी तांती, प्रवीण कुमार, विक्रम कुमार और रणजीत तांती को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।वहीं पुलिस ने देर रात छापेमारी करते हुए उक्त मामले में नामजद सुरेंद्र तांती को गिरफ्तार कर लिया है। वही पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के साथ न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वही मामले को लेकर मधुसुदनपुर थानेदार महेश कुमार ने बताया कि पूलसिंग कार्रवाई के दौरान हुई झड़प मामले में पूर्व में 4 आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। वहीं एक अन्य अभियुक्त में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वही अन्य अज्ञात व नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में सघन छापेमारी की जा रही है।

पूर्व उद्योग मंत्री ने लिया भागलपुर स्टेशन का जायजा

प्रात: किरण ब्यूरो

भागलपुर। बीजेपी एमएलसी सह प्रवक्ता सह पूर्व उद्योग मंत्री बिहार सरकार सैयद शाहनबाज हुसैन ने भागलपुर स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान सैयद शाहनबाज हुसैन ने कहा कि भागलपुर से वंदे भारत ट्रेन की मांग को लेकर व रेल मंत्री से मिलेंगे। इस दौरान स्टेशन में चल रहे कार्यों की जानकारी अधिकारियों से ली। वहीं दक्षिणी क्षेत्र के ओर नए बने प्रवेश द्वार को विकसित करने की भी बात कही गई है, इसी क्रम में ईशाकचक स्थित न्यू भागलपुर स्टेशन बनाने को लेकर भी चर्चा की। बीजेपी एमएलसी सह प्रवक्ता ने बताया कि मालदा डिवीजन में सबसे ज्यादा रेवेन्यू देने वाला स्टेशन भागलपुर ही है और इसमें यात्रियों की सुविधा के लिए सारी व्यवस्था की जा रही है। वहीं इसे हाईटेक बनाने के लिए जल्द ही रेल मंत्री से मिलने वाले हैं और यहां के विकास को लेकर उनसे कई सुविधाओं को मुहैया कराये जाने की मांग भी करेंगे।

वही भागलपुर के मेयर डॉक्टर वसुंधरा लाल ने सैयद शाहनबाज हुसैन को धन्यवाद करते हुए कहा कि अपने दक्षिणी क्षेत्र के बारे में सोचा, साथ ही उन्होंने कहा कि जिले के सौंदर्यीकरण की दिशा में स्टेशन परिसर में विशेष कार्य होने से यात्रियों को काफी सुविधा होगी। वही निरीक्षण के दौरान शहर के कई गणमान्य शिक्षाविद चिकित्सक समाजसेवी राजनीतिक दल के लोग उपस्थित थे।

मन की बात के 100वें एपिसोड में 140 करोड़ लोगों से पीएम मोदी ने की संवाद

प्रात: किरण ब्यूरो

भागलपुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मन की बात कार्यक्रम के 100 वें एपिसोड में 140 करोड़ों लोगों के साथ संवाद किया, गौरतलब हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर महीने के आखिरी रविवार को मन की बात कार्यक्रम के जरिए देश दुनिया के लोगों से संवाद करते हैं, यह कार्यक्रम 3 अक्टूबर 2014 से शुरू हुए मन की बात कार्यक्रम का आज 100वां एपिसोड पूरा कर लिया है। सौ वें एपिसोड को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरे भारतवर्ष में जगह-जगह खास तैयारियां की गई है, इस एपिसोड का लाइव प्रसारण देशभर में चार लाख सेंटरों से किया गया। वहीं बिहार के भागलपुर व भागलपुर के आसपास क्षेत्र के करीब 150 जगहों पर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा खास इंतजाम किए गए थे, जहां लोग मन की बात कार्यक्रम को भारी मात्रा में सुनने पहुंचे थे। भागलपुर के बीजेपी कार्यालय, कई वार्ड, कई प्रखंड व कई स्थानीय हॉटल में आयोजित की गई थी, इसी दौरान स्थानीय हॉटल में भागलपुर के पूर्व जिला अध्यक्ष रोहित पांडेय के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित की गई। वहीँ बीजेपी कार्यालय मे वर्तमान जिला अध्यक्ष संतोष साह के नेतृत्व मे लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लाईव प्रसारण को देखा। मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोकल फॉर लोकल, लोकल फॉर ग्लोबल, आत्मा निर्भर भारत, इको फ्रेंडली आईडिया, स्वच्छता, महिला जागरूकता, शिक्षा की भारतीय विधा व सांस्कृतिक संरक्षण व संबर्धन जैसी बातों पर भारतवर्ष के कई राज्यों के लोगों से की।

शराब कारोबारी के विरुद्ध दियारा क्षेत्र में चलाया सर्चिंग अभियान

प्रात: किरण संवाददाता

नाथनगर (भागलपुर)। थाना क्षेत्र इलाके में स्थानीय पुलिस ने सीआईएटी की टीम के साथ संयुक्त रूप से अवैध शराब की बरामदगी और तस्करों की गिरफ्तारी को लेकर शंकरपुर चवनियां दियारा क्षेत्र में सघन छापेमारी अभियान चलाया।वहीं छापेमारी क्रम में पुलिस को बड़ी सफलता भी हांथ लगी है। पुलिस ने मौके से चार शराब तस्कर को धर दबोचा तो वहीं पुलिस ने पकड़ाए शराब तस्कर की निशानदेही पर एक सौ लीटर देशी महुआ शराब भी बरामद किये है। पुलिस ने 7 सौ लीटर अर्धनिर्मित शराब को मौके पर ही विनिष्ट कर दिया जबकि सौ लीटर निर्मित और भारी मात्रा शराब बनाने के उपकरण के साथ गिरफ्तार चारो तस्करों को थाने लेजाया गया है। जहां पुलिस ने तस्कर की पहचान नवगछिया के परबत्ता थाना क्षेत्र के सोनेलाल मंडल, तिलकामांझी के विकास मंडल, दिलदारपुर के टुनटुन महतो और रोहित कुमार के रूप में की है। मामले को लेकर नाथनगर थानाध्यक्ष मो. महताब खान ने बताया की चारो तस्करों से पूछताछ की गई, तत्पश्चात सभी के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के साथ न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जलनल की योजना अधर में अटका, लोग है पानी के लिए त्राहिमाम

भागलपुर। जिले भर में जैसे जैसे गर्मी की तपिश में बदलाव हो रहा है वैसे वैसे पानी की किल्लत से लोगों को जूझना पड़ रहा है। ऐसा ही कुछ नजारा दक्षिणी क्षेत्र स्थित वार्ड नंबर 41 के नारायण दास लेन में देखने को मिल रहा है। विगत 8 दिनों से इलाके का पानी सफ्लाई मोटर खराब हो जल सफ्लाई बाधित चल रहा है। जिसके कारण क्षेत्र में रहनेवाले लोगों को पानी की समस्या से जद्दोजहद करना पड़ रहा है, लगातार गर्मी से परेशान लोग पानी दूसरे वार्ड से लेकर आते हैं। वही दूसरे वार्ड के लोगों के द्वारा पानी को लेकर कई बार विवाद का भी सामना करना पड़ता है। वही जल संकट से परेशान लोगों ने नगर निगम और वार्ड पार्षद के पास पानी मोटर खराब होने की शिकायत करने के बावजूद भी आज तक नगर निगम की ओर से पियाउ में लगे मोटर को ठीक कराने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की। वहीं पानी की समस्या से इलाके के लोग काफी परेशान हो रहे हैं। वही इस क्षेत्र में किसी के घर में शादी है तो कहीं पानी के कारण लोगों को आम दिनचर्या में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सीएमएस स्कूल में पूर्ववर्ती छात्रों का हुआ सम्मेलन

प्रात: किरण ब्यूरो

भागलपुर। सीएमएस हाई स्कूल प्रांगण में पूर्ववर्ती छात्रों का दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा, बिसाफ, जिलाधिकारी सहित कई गणमान्य लोगों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

वही कार्यक्रम के दौरान पुराने शिक्षकों और पूर्ववर्ती छात्रों को सम्मानित भी किया गया। वही शिक्षकों और पूर्ववर्ती छात्रों ने अपने पुराने दिनों को याद किया। विद्यालय की स्थापना सन 1854 ईस्वी में हुई थी, जिसके बाद से ही विद्यालय में उत्तरीन हुए छात्र देश के विभिन्न संस्थाओं में उच्च पदों पर नियुक्त हो अपना सेवाकार्य कर चुके हैं। वही विद्यालय के अभी भी कई छात्र डॉक्टर और इंजीनियर के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रहे। इस विद्यालय में पढ़ने वाले कई लोग आज भी बिहार और स्कूल का नाम रोशन किए हैं। जिसको लेकर पूर्ववर्ती छात्रों का दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें विभिन्न राज्यों में काम कर रहे यहां के पास आउट छात्र सम्मेलन में सम्मिलित हुए है। जिनके द्वारा अपनी जानकारी विद्यालय के प्रगति को लेकर मार्गदर्शन किया जायेगा।

मजदूर दिवस के मौके पर मधुलिमये की 101 वीं जयंती समारोह पूर्वक जिला जदयू ने मनाया

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। स्थानीय बाटा चौक के निकट नंदकुमार पार्क मुंगेर में समाजवादी नेता और मुंगेर के लगातार दो दफा सांसद रह चुके देश को दिशा देने वाले संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके श्रद्धेय मधुलिमये की 101 वी जयंती धूमधाम से जदयू के प्रदेश सचिव श्री संतोष सहनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस अवसर पर जदयू के प्रदेश सचिव संतोष सहनी ने स्वर्गीय मधुलिमये को देश का बड़ा समाजवादी राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर वक्ता, सर्वश्रेष्ठ सांसद बताते हुए कहा कि जदयू भी इनके विरासत को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है मुख्य जिला प्रवक्ता मनोरंजन मजूमदार में स्वर्गीय मधु लिमये के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये समाजवाद के एक बड़े योद्धा तो थे ही हम मुंगेर वासियों को गर्व है कि देश के बड़े समाजवाद के पुरोधा मुंगेर के सांसद लगातार दो बार रह चुके थे ऐसे सांसद जिन्होंने अपना वेतन और पेंशन कभी नहीं लिया, वे 128 किताब को लिखने का काम किया। समाजवाद को देश के कोने कोने में पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था, देश की राजनीति को भी दिशा और दशा देने वाले ऐसे राजनेता के कारण ही आज समाजवाद विचारधारा की चर्चा आम आवाम तक होती है आज उनके आदर्शों को योजनाओं के माध्यम से धरातल पर उतारने का काम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी कर रहे हैं ऐसे महान समाजवादी नेता की जयंती पर हम शत शत नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

जयंती समारोह में अनेकों प्रमुख जदयू नेताओं और कार्यकताओं ने भाग लिया। उपस्थित सभी लोगों ने समाजवादी राजनेता जो संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके थे मुंगेर के पूर्व सांसद स्वर्गीय मधुलिमये के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण अर्पित कर जयंती के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया और उनके समाजवादी सिद्धान्तों को अपना कर उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जयंती समारोह के अन्त में मजदूर दिवस के अवसर पर दो मजदूर क्रमशः मोहम्मद समीर और मोहम्मद नकीर को प्रदेश सचिव संतोष सहनी द्वारा माला पहनाकर और अंगवस्त्र समर्पित कर सम्मानित भी किया गया।

मजदूर दिवस पर आयोजित समारोह में विधायक ने पांच श्रमिकों को किया सम्मानित

पूर्णिया। शहर के माधोपाड़ा सरिता बिहार स्थित मुकेश साह के फीसरी केंद्र पर जया श्रमिक उत्थान संघ द्वारा आयोजित मजदुर दिवस के अवसर पर श्रमिक सम्मान समारोह में सदर विधायक विजय खेमका ने पांच श्रमिकों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। मजदूर संघ की नेत्री पुष्पलता देवी ने विधायक का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मजदूर गोष्ठी को मानवधिकार के पदाधिकारी पीके साह तथा संघ की अध्यक्षा पुष्पलता देवी ने मजदूर के अधिकार विषय पर संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि मजदूरों के श्रम से ही देश का विकास होता है। श्रम दिवस आज की दुनिया के निर्माण में श्रमिकों के योगदान और बलिदान को दशार्ता है। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के श्रमिकों को उनका अधिकार मिले एवं सुविधा प्राप्त हो इसकी चिंता की है।

शादी का प्रलोभन देकर किया यौन शोषण, शादी के बाद अब कर रहा प्रताड़ित

प्रात: किरण संवाददाता

रूपौली (पूर्णिया)। रूपौली प्रखण्ड क्षेत्र में इजहार, प्यार जब प्रेम परवान चढ़ा तो महादेव को साक्षी मान मंदिर में अन्तजार्तीय प्रेम विवाह कर बैठा। सुखद दाम्पत्य जीवन के लिए जम्मू कश्मीर प्रांत को कूच किया। सुखद दाम्पत्य जीवन गुजर बसर करते स्वस्थ नवजात शिशु के पिता बनने की सपनों को भी किया साकार। किन्तु पिता बनते ही अपने परिजनों के दबाब में आकर अपने प्रेमिका पत्नी को महादलित की बेटी कह प्रताड़ित करते हुए छोड़ा। यह वाक्या सुनने में फिल्मी कहानी जैसा जरुर प्रतीत होता है किन्तु इस सत्य घटना का नायक और नायिका टीकापट्टी थाना क्षेत्र के गोड़ियरपट्टी श्रीमाता पंचायत के हरनाहा गांव से सम्बन्धित है। घटना के नायक मुकेश कुमार मंडल तो नायिका महादलित रविदास परिवार की एकलौती बेटी मधु कुमारी है। प्रेम प्रसंग सम्बन्ध में धोखा खाई पीड़िता ने आप बीती बताई कि कम्प्यूटर शिक्षा के लिए जब टीकापट्टी स्थित संस्थान आया जाया करती थी तो गांव के ही मुकेश कुमार मंडल ने प्रेमजाल के मोहपाश में फंसा शादी का प्रलोभन देकर यौन शोषण किया। जब गर्भवती हुई तो पहले मंदिर में 06 सितम्बर 2022 को फिर 09 दिसम्बर 2022 को पूर्णियां न्यायालय में शादी रचाई। सुखमय जीवन यापन के लिए हमें जम्मू कश्मीर लेकर चला गया था। ससुराल वालों ने मेरे पति मुकेश को जब गांव से पिता जयप्रकाश मंडल की तबियत काफी खराब होने की खबर दी। हमलोग वापस ज्यों ही हरनाहा पहुंचे तो ससुराल वालों ने मेरे साथ मारपीट करते, जातिसूचक गालियां देते हुए हमें पति से अलग कर मौके के समीप छोड़ दिया। जबकि मेरे पति को अपने पास रख लिया। इस बात से विचलित हो आदि देव महादेव पर भरोसा रख न्याय के लिए टीकापट्टी थाना, आरक्षी अधीक्षक पूर्णिया, परिवार परामर्श केंद्र, जिला महिला थाना सहित हरिजन थाना का चक्कर लगा रही हूं।फिलहाल कहीं से न्याय तो नहीं मिला है किन्तु दुधमुंही बच्ची के साथ संघर्ष रत जीवन जीने को मजबूरी आन पड़ी है। व्यथित होने की सबसे दुखद पहलू यह उभर कर सामने आ रही है कि ससुराल वाले मेरे पति की शादी पुनः अन्यत्र कराना चाह रहे हैं। पति मुकेश कुमार भी अपने परिजनों के बहकावे में आकर मुंह फेर लिया है।

श्रम दिवस पर उप विकास आयुक्त ने मनरेगा मजदूरों के बीच बांटे प्रशस्ति पत्र

पूर्णिया। श्रम दिवस के अवसर पर डीआरडीए सभागार में मनरेगा द्वारा आयोजित प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान समारोह उप विकास आयुक्त साहिला की अध्यक्षता में आहूत की गई। श्रम दिवस के अवसर पर जिले भर में मनरेगा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 100 दिनों का रोजगार प्राप्त जॉब कार्ड धारियों को सम्मानित एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मनरेगा कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रमिकों के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि श्रम दिवस की आधारशिला मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करना है।

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने प्रतिवाद मार्च निकाला

प्रात: किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन (एआई के के एम एस) अखिल भारतीय कमेटी द्वारा महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न के खिलाफ जंतर मंतर पर चल रहे धरने के समर्थन में अखिल भारतीय प्रतिवाद दिवस के आह्वान प

समलैंगिक विवाह पर बोलीं कंगना रनौत, यह दिल का मामला है

हाल ही में हरिद्वार के दौरे पर गई एक्ट्रेस कंगना रनौत ने साझा किया कि शादी दो दिलों के बीच होती है और अगर दो लोग एक-दूसरे से बंधे हैं, तो उनका जेंडर कोई मायने नहीं रखता। भारत में समलैंगिक शादियों को कानूनी मंजूरी देने की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद कंगना से इस बारे में सवाल किया गया था। कंगना ने कहा, जो शादी होती है, वो दिल के रिश्ते होते हैं, ये सब ही जानते हैं। जब लोगो के दिल मिल गए हैं, बाकी कुछ लोगो की जो प्रेफरेंस है, उसमें हम क्या बोल सकते हैं। कंगना ने इससे पहले ट्विटर पर सुप्रीम कोर्ट में चल रहे समलैंगिक विवाह मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने लिखा- चाहे आप एक पुरुष, महिला या कुछ और हों, आपके जेंडर का आपके अलावा किसी और के लिए कोई महत्व नहीं है, कृपया समझें। आज के समय में हम अभिनेत्रियों या महिला निर्देशकों जैसे शब्दों का भी उपयोग नहीं करते हैं, हम उन्हें एक्टर्स और डायरेक्टर्स कहते हैं। आप दुनिया में क्या करते हैं यह आपकी पहचान है, न कि आप बिस्तर में क्या करते हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा- अपनी सेक्शुअल पसंद को बिस्तर तक ही रखें। उसे अपना आईडी कार्ड या मेडल बनाकर हर जगह मत दिखाओ। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हर उस व्यक्ति का गला काटने के लिए छुरी लेकर न घूमें जो आपके जेंडर से सहमत नहीं है। मैं फिर कह रही हूं कि आपका जेंडर आपकी पहचान नहीं है, इसे इस तरह से न बनाएं। मैं ग्रामीण क्षेत्र की महिला हूं, जीवन ने मुझे कोई रियायत नहीं दी। मैंने अभिनेताओं, फिल्म निर्देशकों, निमार्ताओं और लेखकों की दुनिया में अपनी जगह बनायी।

द केरल स्टोरी को प्रोपगैंडा बताए जाने पर अदा शर्मा ने दिया जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा की अपकमिंग फिल्म द केरल स्टोरी ट्रेलर रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में हैं। यह फिल्म केरल राज्य से 32 हजार महिलाओं के लापता होने के पीछे की घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में दावा किया गया है कि इन लापता महिलाओं का धर्म परिवर्तन कराकर आतंकवाद की राह में लगाया गया है। फैंस इस फिल्म को देखने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं कई लोग फिल्म को कॉन्ट्रोवर्शियल और प्रोपगैंडा बता रहे हैं। बीते दिनों केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने द केरल स्टोरी के निर्माताओं पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे फिल्म के जरिए लव जिहाद का मुद्दा उठाकर राज्य को धार्मिक अतिवाद के केंद्र के रूप में पेश करने संबंधी संघ परिवार के एजेंडे का प्रचार कर रहे हैं। वहीं अब अदा शर्मा ने फिल्म को लेकर चल रहे विवाद पर अपना रिएक्शन दिया है। अदा शर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वह कह रही हैं, हमारी फिल्म किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं है। लेकिन यह निश्चित रूप से एक आतंकवाद विरोधी संगठन है। उन्होंने कहा, हमारी फिल्म लड़कियों को नशीला पदार्थ दिए जाने, ब्रेनवाश किए जाने, बलात्कार, मानव-तस्करी, जबरदस्ती गर्भधारण करने और लोगों द्वारा बार-बार रेप किए जाने के बारे में है। और जिस बच्चे को वे जन्म देते हैं, उन्हें उनसे छीन लिया जाता है और फिर उन्हें आत्मघाती हमलावर बना दिया जाता है। वहीं एक इंटरव्यू के दौरान अदा शर्मा ने कहा, एक इंसान होने के नाते, एक लड़की होने के नाते, ये बहुत ही डरावनी कहानी है कि लड़कियां गायब हो रही हैं। और भी डरावना है कि जो भी लोग इसे प्रोपेगेंडा कह रहे हैं या नंबर डिस्कस कर रहे हैं, मैं यकीन नहीं कर सकती कि पहले हम लोग नंबर जस्टिफिकेशन दे रहे हैं और फिर हम लोग कह रहे हैं लड़कियां गायब हुई हैं। फिल्म द केरल स्टोरी में अदा शर्मा एक मलयाली नर्स फातिमा बी के किरदार में नजर आने वाली हैं। वह आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट में शामिल हो जाती हैं। फिल्म द केरल स्टोरी का निर्देशन सुदीप्तो सेन ने किया है। विपुल अमृतलाल शाह ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 5 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पलक तिवारी वाले बयान पर सलमान खान ने तोड़ी चुप्पी

पलक तिवारी ने किसी का भाई किसी की जान के प्रमोशन के वक्त एक चौंका देने वाला खुलासा किया था। उन्होंने कहा था कि सेट पर महिलाओं के कपड़े पहनने को लेकर सलमान ने नियम बनाए हैं। हालांकि, बाद में उन्होंने ये भी सफाई दी थी कि उनके बयान को गलत समझा गया।

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने सलमान खान की मूवी किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म के प्रमोशन के दौरान पलक ने चौंकाने वाला खुलासा किया था कि सेट पर लड़कियों के कपड़ों को लेकर नियम थे। सलमान चाहते थे कि लड़कियां सेट पर अच्छे से (बदन ढककर) कपड़े पहने। लो नेकलाइन कपड़े ना पहने। हालांकि, बाद में पलक अपने बयान से पलट भी गई थीं और कहा था कि उनकी बातों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। हालांकि, अब इस पूरे मामले को लेकर आखिरकार सलमान ने चुप्पी तोड़ ली है। पलक तिवारी के बयान पर रिएक्ट करते हुए कहा, मुझे लगता है, ये जो औरतों की बॉडी है, वो बहुत कीमती है। वो जितनी ढकी हुई होगी, मुझे लगता है उतनी बेहतर है।

सलमान खान ने आगे कहा कि अब समय काफी बदल गया है। वो कहते हैं, मौजूदा समय में माहौल थोड़ा अलग है... ये महिलाओं के बारे में नहीं है। ये पुरुषों के बारे में है। जिस तरह महिलाओं को पुरुष देखते हैं, आप जानते हैं, आपकी बहनें, आपकी पत्नियां, आपकी माताएं... मुझे ये पसंद नहीं है। मैं नहीं चाहता कि वे इन चीजों से गुजरें। उन्होंने औरतों के ऑनस्क्रीन कैरेक्टर को भी डिफेंड (बचाव) करते हुए कहा कि कोशिश ये है कि हीरोइनों और महिलाओं को इस तरीके से देखने का अवसर मर्दों को ना दिया जाए। वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान की टाइगर 3 की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसमें कटरीना कैफ भी हैं। इसके अलावा वो शाहरुख खान संग टाइगर वर्सेज पठान में भी होंगे।

कपिल शर्मा के कारण कृष्णा के हाथ से छूटी फिल्म

एक्टर और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने हाल ही में बताया कि उन्होंने 'द कपिल शर्मा शो' के लिए डायरेक्टर साजिद खान की फिल्म छोड़ दी। कृष्णा अभिषेक कहा कि उन्हें कपिल शर्मा शो में काम करना था और बिजी डेट्स के चलते दोनों प्रोजेक्ट्स साथ में नहीं किए जा सकते थे। दरअसल, कृष्णा ने हाल ही में द कपिल शर्मा शो में वापसी की है। पिछले साल मेकर्स के साथ फीस को लेकर मनमुटाव के चलते उन्होंने शो छोड़ दिया था। बातचीत के दौरान कृष्णा ने कहा- कुछ दिक्कतें हैं, चैनल के साथ हमारा एक साल का कॉन्ट्रैक्ट और बिजी शेड्यूल है। साजिद खान ने जब मुझे वो फिल्म ऑफर की, तो मेरे पास डेट्स नहीं थी। उन्होंने मुझसे बोला- 'आप कर सकते हैं।' लेकिन यह मुमकिन नहीं था वरना मुझे भी उनके साथ काम करके अच्छा लगता। अपने कमबैक पर कृष्णा ने जताई थी खुशी द कपिल शर्मा शो में कृष्णा की वापसी से फैंस बेहद खुश हैं। शो में उनका जोरदार वेलकम हुआ।

2022 में कृष्णा ने छोड़ा था शो

कृष्णा ने कहा- 'मेरा शो छोड़ कर जाने का मन कभी नहीं था। लेकिन, पैसों और कॉन्ट्रैक्ट को लेकर कुछ प्रॉब्लम थी, लेकिन अब वो सॉल्व हो चुकी है। ये शो और यहां के लोग बिल्कुल घर जैसे हैं। सपना की एंट्री होगी बढ़िया तरह से होगी। घर का भूला शाम को घर पर लौट कर आए तो उसे भूला नहीं कहते। ये वही वाला हिसाब है।

जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की शूटिंग हुई खत्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की पिछली फिल्म मिली कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। अब जाह्नवी कपूर जल्द ही राजकुमार राव के साथ फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में नजर आने वाली हैं। जाह्नवी कपूर की इस फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई है। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक लंबा चौडा पोस्ट शेयर करके दी है। जाह्नवी ने फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की है। इसके साथ उन्होंने लिखा, 2 साल पहले जब मैंने पहली बार अपना बल्ला उठाया था। और अब हमने आखिरकार मिस्टर एंड मिसेज माही की शूटिंग पूरी कर ली है। लेकिन मैं एक तरह से खाली महसूस करती हूं। कोरे कैनवास की तरह। हम आपके बिना खो गए होते। और मैं निश्चित रूप से पहले दिन ही गिर जाती। सर आपने हमें अपने कंधों पर उठा लिया और सुनिश्चित किया कि हम फिनिश लाइन तक पहुंचें।

उन्होंने लिखा, आपने यह सुनिश्चित किया, चाहे चीजें कितनी भी कठिन क्यों न हों, हममें से कोई भी उत्कृष्टता के अपने प्रयास से समझौता नहीं कर रहा है। दुनिया के तनाव के बोझ तले, अभी भी धक्का दे रहा है, कभी नहीं सुलझ रहा है। और साथ में हमें सच्चाई और सुंदरता के क्षणों को खोजने और बनाने की अनुमति दी। और मुझे महिमा दी। यह कितना कठिन रहा है, मुझे पता है कि वह मेरे लिए एक उपहार है, जिसका मतलब है कि मैं इस बिंदु पर महसूस करने में सक्षम हूं। राजकुमार राव मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैंने आपके साथ काम किया और आपकी प्रतिभा देखी। आपने हमारी फिल्म में जादू डाला। मेरी टीम को धन्यवाद मुझे समझदार बनाए रखने के लिए। मुझे ताकत देने के लिए। जरूरत पड़ने पर मुझे उठाने के लिए। मेरी पीठ हमेशा रखने के लिए। करण जौहर मुझे आशा है कि हमने आपको गौरवान्वित किया है! आपने जिस तरह से इस फिल्म में विश्वास किया है, उसके लिए धन्यवाद।

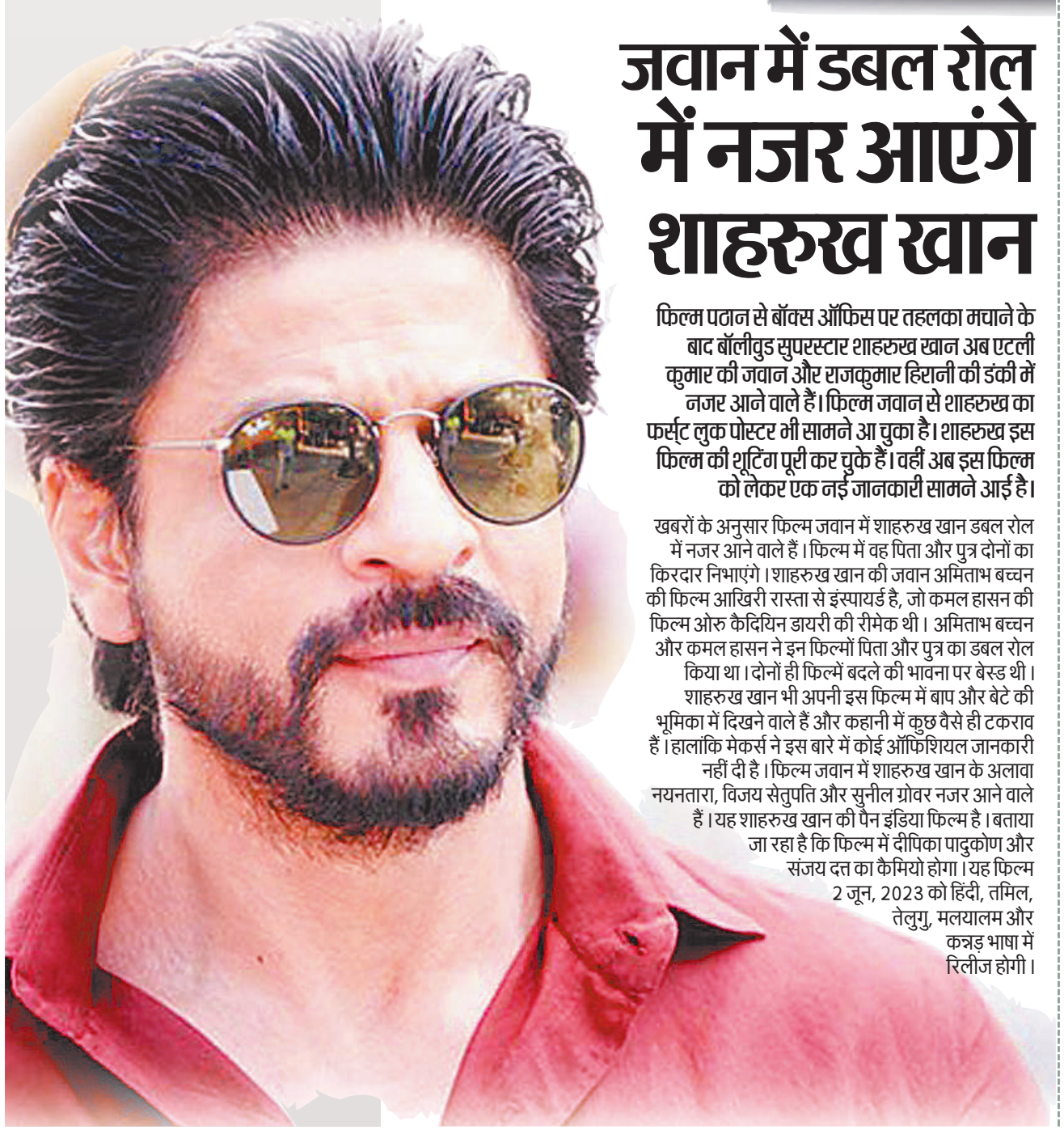

जवान में डबल रोल में नजर आएंगे शाहरुख खान

फिल्म पठान से बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने के बाद बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अब एटली कुमार की जवान और राजकुमार हिरानी की डंकी में नजर आने वाले हैं। फिल्म जवान से शाहरुख का फर्स्ट लुक पोस्टर भी सामने आ चुका है। शाहरुख इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। वहीं अब इस फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है।

खबरों के अनुसार फिल्म जवान में शाहरुख खान डबल रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म में वह पिता और पुत्र दोनों का किरदार निभाएंगे। शाहरुख खान की जवान अमिताभ बच्चन की फिल्म आखिरी रास्ता से इंस्पायर्ड है, जो कमल हासन की फिल्म ओरु कैदियिन डायरी की रीमेक थी। अमिताभ बच्चन और कमल हासन ने इन फिल्मों पिता और पुत्र का डबल रोल किया था। दोनों ही फिल्में बदले की भावना पर बेस्ड थी। शाहरुख खान भी अपनी इस फिल्म में बाप और बेटे की भूमिका में दिखने वाले हैं और कहानी में कुछ वैसे ही टकराव हैं। हालांकि मेकर्स ने इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं दी है। फिल्म जवान में शाहरुख खान के अलावा नयनतारा, विजय सेतुपति और सुनील ग्रोवर नजर आने वाले हैं। यह शाहरुख खान की पैन इंडिया फिल्म है। बताया जा रहा है कि फिल्म में दीपिका पादुकोण और संजय दत्त का कैमियो होगा। यह फिल्म 2 जून, 2023 को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी।

कृष-4 के निर्देशन से पीछे हटे राकेश रोशन

कुछ ही दिन पूर्व फिल्म निर्माता और निर्देशक राकेश रोशन ने सिने गलियारों में कृष-4 के निर्देशन की जिम्मेदारी सिद्धार्थ आनन्द को देने की बात को लेकर कहा था कि कृष-4 के निर्देशन की जिम्मेदारी सिद्धार्थ को नहीं दी गई है। अभी फिल्म की कहानी पर काम हो रहा है। वैसे भी इस फिल्म का निर्देशन मैं स्वयं ही करूंगा। लेकिन अब जो समाचार आ रहे हैं उनके अनुसार कृष-4 की कथा-पटकथा पर काम पूरा हो चुका है और अब राकेश रोशन ने इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी निर्देशक करण मल्होत्रा को सौंप दी है। करण मल्होत्रा वर्ष 2012 में ऋतिक रोशन को लेकर अग्निपथ नामक फिल्म बना चुके हैं। यह फिल्म उस वर्ष की सर्वाधिक कमाई वाली फिल्मों में शामिल हुई थी। हालांकि करण मल्होत्रा की उसके बाद आई फिल्में बद्रर्स और गत वर्ष रणबीर कपूर को लेकर बनाई गई शेमशरा बॉक्स ऑफिस पर अपनी लागत निकालने में असफल रही हैं। राकेश रोशन ने फिल्म के लिए निर्देशन के लिए करण मल्होत्रा को साइन किया है। राकेश रोशन को लगता है कि कृष 4 के लिए करण मल्होत्रा बिल्कुल सही निर्देशक होंगे और वह फिल्म में नयापन लेकर आएंगे।

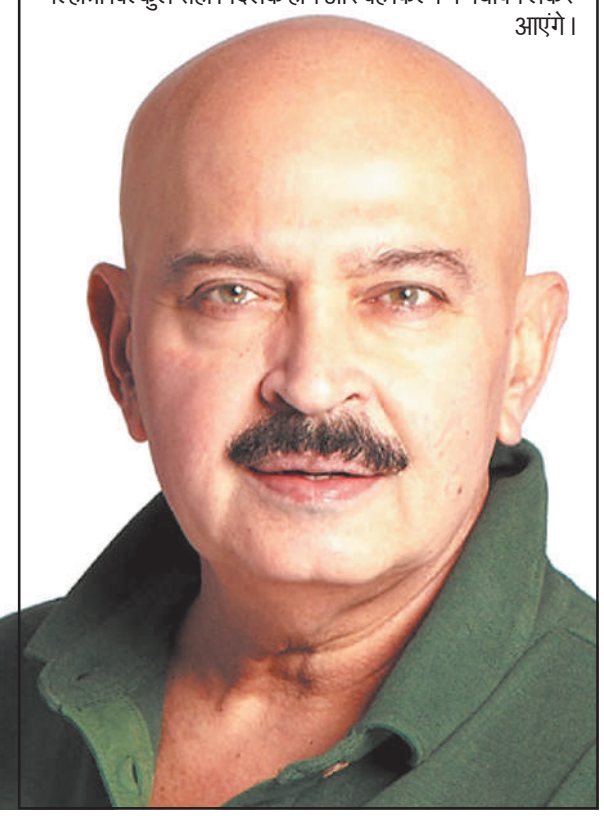

सेंसेक्स
61112.44 पर बंद
निफ्टी
18065.00 पर बंद

सोना
59,092
चांदी
70128

वित्त मंत्री बोलीं- भारत का आर्थिक उदय दुनिया के लिए अहम, एडीबी अध्यक्ष से मिलीं निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एडीबी की वार्षिक बैठक के मौके पर एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मासत्सुगु असकावा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी साझा की है।

इस दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत एडीबी के संप्रभु और गैर-संप्रभु संचालन के लिए सबसे महत्वपूर्ण देश बना हुआ है और बैंक की उधार क्षमता बढ़ाने के लिए वह एडीबी की मदद करेगा। वित्त मंत्री ने एडीबी को सलाह दी है कि वह इस बात पर मंथन करे कि विकासशील देशों को असरकारी मदद कैसे मुहैया करायी जाए।

एडीबी मुख्यालय में सीतारमण ने कहा कि एडीबी को भारत को रियायती क्लाईमेट फाइनेंस मुहैया करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का आर्थिक और विकासात्मक उदय क्षेत्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अहम साबित होगा। एडीबी के अध्यक्ष मासत्सुगु असकावा ने कहा कि वह अपने सदस्य देशों को 100 अरब डॉलर मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने एडीबी के इनोवेटिव फाइनेंस फैसिलिटी में सहयोग के लिए भारत का आभार भी जताया।

2022-23 में जीएसटी से सरकार को रिकॉर्ड 18.10 लाख करोड़ कमाई, पहले की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्थव्यवस्था में तेजी के साथ कारोबारी गतिविधियों में उछाल से सरकार को वित्त वर्ष 2022-23 में जीएसटी से रिकॉर्ड 18.10 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई। यह 2021-22 में जीएसटी से जुटाई गई 14.83 लाख करोड़ की राशि से 22 फीसदी अधिक है। 2020-21 में जीएसटी वसूली 11.36 लाख करोड़ रुपये रही थी। दरअसल, देश में जीएसटी प्रणाली एक अप्रैल, 2017 को लागू हुई थी। उस वित्त वर्ष यानी 2017-18 में अगस्त, 2017 से मार्च, 2018 के बीच जीएसटी से सरकार को 7.19 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई थी।

उद्योग मंडल एसोचैम के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, अप्रैल में रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 की शानदार शुरुआत है। उपभोक्ता मांग में तेजी के साथ जीएसटी संग्रह का आंकड़ा देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि का संकेत है।

20 अप्रैल को सर्वाधिक एकदिनी संग्रह : 20 अप्रैल, 2023 को जीएसटी के रूप में रिकॉर्ड एकदिनी कमाई हुई। इस दिन 9.8 लाख लेनदेन के जरिये 68,228 करोड़ जुटाए गए। अप्रैल में घरेलू लेनदेन से मिलने वाला कर एक साल पहले की तुलना में 16 फीसदी अधिक रहा।

9 करोड़ ई-वे बिल का सृजन : वित्त मंत्रालय ने सोमवार को जीएसटी के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि मार्च, 2023 में कुल 9 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए, जो फरवरी, 2023 के मुकाबले 11 फीसदी अधिक है। उस समय कुल 8.1 करोड़ ई-वे बिल सृजित हुए थे।

कुल 84,304 करोड़ रुपये का हुआ निपटान : वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, सरकार ने अप्रैल, 2023 के दौरान केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) से 45,864 करोड़ रुपये और 37,959 करोड़ रुपये राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद केंद्र व राज्यों का अप्रैल में कुल राजस्व केंद्रीय जीएसटी के मामले में 84,304 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी के संदर्भ में 85,371 करोड़ रुपये रहा।

पेट्रोल-डीजल : कृषि गतिविधियों में उछाल से बढ़ी बिक्री : रबी फसलों की कटाई का समय होने और आर्थिक गतिविधियों में उछाल से अप्रैल, 2023 में डीजल की मांग सालाना आधार पर 6.7 फीसदी बढ़कर 71.5 लाख टन पहुंच गई। इस तरह, कुल ईंधन खपत में डीजल का हिस्सा बढ़कर करीब 40 फीसदी पहुंच गया। वहीं, पेट्रोल की बिक्री अप्रैल में करीब 2.5 फीसदी बढ़कर 26.4 लाख टन पहुंच गई। लेकिन, मासिक आधार पर पेट्रोल की बिक्री में 0.5 फीसदी की मामूली गिरावट रही। विमान ईंधन की मांग 15.4 फीसदी बढ़ गई, जबकि रसोई गैस की बिक्री 2.7 फीसदी की गिरावट रही।

बिजली खपत में लगातार दूसरे महीने रही गिरावट : देश में बिजली खपत लगातार दूसरे महीने घटी है। अप्रैल, 2023 में यह 1.1 फीसदी घटकर 130.57 अरब यूनिट रह गई। विभिन्न इलाकों में हो रही बारिश से एसी, कूलर जैसे उपकरणों का इस्तेमाल कम होने से बिजली खपत घटी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल, 2022 में खपत 132.02 अरब यूनिट और अप्रैल, 2021 में 117.08 अरब यूनिट रही थी। मार्च, 2023 में यह 126.82 अरब यूनिट रही थी।

प्रमुख वाहन कंपनियों में 10 प्रतिशत से अधिक तेजी

एसयूवी की मांग में मजबूती से देश की प्रमुख वाहन कंपनियों मारुति सुजुकी, ह्यूंडई मोटर और टाटा मोटर्स की थोक बिक्री में अप्रैल में 10 फीसदी से अधिक तेजी रही। सोमवार को प्रमुख वाहन कंपनियों ने अप्रैल के थोक बिक्री आंकड़े जारी किए। इसके मुताबिक, बीते महीने कुल वाहन बिक्री 13 फीसदी वृद्धि के साथ 3.31 लाख इकाई पहुंच गई। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की थोक बिक्री घरेलू बाजार में 13 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 47,007 इकाई पहुंच गई। अप्रैल, 2022 में कंपनी ने कुल 41,587 वाहनों की आपूर्ति की थी। देश का कोयला उत्पादन इस साल अप्रैल में सालाना आधार पर 8.67 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 7.30 करोड़ टन पहुंच गया। अप्रैल, 2022 में यह 6.72 करोड़ टन रहा था। कोल इंडिया का उत्पादन अप्रैल, 2023 में 7.67 फीसदी बढ़कर 5.76 करोड़ टन रहा। कोयला मंत्रालय ने खदान क्षमता के बेहतर उपयोग के जरिये बाजार में अतिरिक्त कोयला जारी करने का रास्ता साफ किया है। इससे उत्पादन बढ़ा है।

आई के जनक जेफ्री हिंटन ने गूगल से दिया इस्तीफा, तकनीक के खतरों को लेकर चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक माने जाने वाले जेफ्री हिंटन ने गूगल से इस्तीफा दे दिया है। गॉडफादर ऑफ एआई कहे जाने वाले हिंटन ने सोमवार को गूगल छोड़ने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि जिस तकनीक को विकसित करने में मदद की, उसके खतरों को लेकर आगाह करते हुए उन्होंने पिछले सप्ताह गूगल में अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

जेफ्री हिंटन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एआई आधारित कई प्रोडक्ट को विकसित करने में हिंटन की अग्रणी भूमिका रही है। उन्होंने गूगल के एआई विकसित करने के प्रोजेक्ट के लिए एक दशक तक काम किया, लेकिन उन्हें प्रौद्योगिकी और इसे आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका के बारे में चिंता सता रही थी।

कंप्यूटिंग का नोबेल पुरस्कार पा चुके हैं जेफ्री हिंटन : जेफ्री हिंटन अपने उत्तम कार्य के लिए कंप्यूटिंग का नोबेल पुरस्कार पा चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि मैं खुद को दिलासा देता हूं कि अगर मैंने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को लेकर काम नहीं किया होता, तो कोई और करता। सबसे जरूरी बात यह है कि इस तकनीक को हम गलत इस्तेमाल या बुरे लोगों के हाथों में जाने से कैसे रोक सकते हैं। बता दें कि हिंटन 10 साल से ज्यादा समय तक गूगल के कर्मचारी रहे। आगे हिंटन ने कहा कि एआई के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को रोकना असंभव हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप इतनी नकली इमेज और टेक्स्ट वाली दुनिया होगी कि कोई भी यह नहीं बता पाएगा कि सच क्या है जो कि काफी भयानक हो सकता है। तकनीकी दिग्गज जेफ्री हिंटन और उनके दो छात्रों द्वारा शुरू की गई एक कंपनी के अधिग्रहण के बाद वे गूगल में शामिल हो गए, जिनमें से एक छात्र ओपनएआई में मुख्य वैज्ञानिक बन गया। हिंटन और उनके छात्रों ने एक न्यूरल नेटवर्क विकसित किया था जो हजारों तस्वीरों का विश्लेषण करने के बाद खुद को कुत्तों, बिल्लियों और फूलों जैसी सामान्य वस्तुओं की पहचान करना सिखाता था। वहीं गूगल के चीफ साइंटिस्ट, जेफ डीन ने हिंटन द्वारा रखी गई चिंताओं पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि इस तरह के खतरे को कम करने के हम एआई तकनीक को लेकर एक जिम्मेदार दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसा कि हम देख रहे हैं कि एआई ने पिछले कुछ समय से तकनीक के क्षेत्र में काफी तेजी से पैर पसारे हैं। रोबोट से लेकर अन्य तकनीकी कामों में एआई को उपयोग हो रहा है। हालांकि वैज्ञानिक इसके द्वारा उपजे खतरे से बचने की सलाह देते रहते हैं।

2023 के वैश्विक विकास में भारत-चीन की रहेगी आधी हिस्सेदारी, एशिया की विकास दर 4.6 प्रतिशत होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार एशिया-प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि दर 2022 में दर्ज 3.8 प्रतिशत से बढकर 2023 में 4.6 प्रतिशत होने का अनुमान है। मंगलवार को जारी अपनी क्षेत्रीय आर्थिक परिदृश्य-एशिया व प्रशांत रिपोर्ट में वाशिंगटन स्थित कोष ने कहा है कि यह क्षेत्र वैश्विक वृद्धि में करीब 70 प्रतिशत का योगदान देगा। रिपोर्ट के अनुसार एशिया और प्रशांत क्षेत्र 2023 में दुनिया के प्रमुख क्षेत्रों में सबसे ज्यादा गतिशील होंगे और इसमें चीन व भारत का सबसे अहम योगदान होगा। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र की इन दो सबसे बड़ी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का इस साल वैश्विक विकास में लगभग आधे का योगदान होगा। शेष एशिया और प्रशांत क्षेत्र बाकी बचे आधे के पांचवें हिस्से का योगदान देंगे।

रिपोर्ट में कहा गया है, एशिया की गतिशीलता मुख्य रूप से चीन में सुधार और भारत में लचीली वृद्धि से प्रेरित होगी। हालांकि, शेष एशिया में विकास दर 2023 में अन्य क्षेत्रों के अनुरूप सबसे नीचे रहने की उम्मीद है। आईएमएफ ने कहा कि 2023 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष प्रतीत होता है क्योंकि वैश्विक विकास में गिरावट आई है। इसका कारण मौद्रिक नीति में सख्ती (ब्याज दरों में लगातार वृद्धि के माध्यम से) और यूक्रेन में रूस के युद्ध का आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा लगातार मुद्रास्फीति का दबाव और अमेरिका व यूरोप में वित्तीय क्षेत्र की हालिया समस्याएं पहले से ही जटिल आर्थिक परिदृश्य को कठिन बना रही है। इस बीच प्रौद्योगिकी स्टार्टअप की दुनिया के सबसे प्रमुख उधारदाताओं में से एक सिलिकॉन वैली बैंक दस मार्च को ढह गया। बीते सोमवार को फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को भी नियामकों ने सीज कर लिया। ये हालिया घटनाक्रम वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रति और अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं।

सिलिकॉन वैली बैंक समेत अमेरिका के कुछ क्षेत्रीय बैंकों के डूबने से वैश्विक बैंकिंग उद्योग में हलचल मच गई है। अर्थव्यवस्थाओं पर इसके संक्रमण के प्रभाव की आशंका पैदा हो गई है। एशिया प्रशांत क्षेत्र में विकास को चीन की ओर से कोविड से संबंधित प्रतिबंधों के विस्तार के बाद अपनी अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने से भी एक नई गति मिली है। हालांकि, आईएमएफ ने चेतावनी दी कि इस गतिशील दृष्टिकोण का मतलब यह नहीं है कि क्षेत्र के नीति निर्माता आत्मसंतुष्ट होने का जोखिम उठा सकते हैं। आईएमएफ ने कहा, मौद्रिक नीति तब तक सख्त रहनी चाहिए जब तक मुद्रास्फीति लक्ष्य के दायरे में नहीं आ जाती। महंगाई के मामले में चीन और जापान अपवाद हैं, जहां उत्पादन क्षमता से कम है और मुद्रास्फीति कम रही है।

सुजलॉन को जुनिपर ग्रीन एनर्जी से 69.3 मेगावॉट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला

नई दिल्ली , एजेंसी। नवीकरणीय ऊर्जा समाधान कंपनी सुजलॉन को जुनिपर ग्रीन एनर्जी से 69.3 मेगावॉट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी के मंगलवार को बयान में कहा कि यह परियोजना गुजरात के सुरेंद्र नगर जिले में स्थित है और इसके 2024 में चालू होने की उम्मीद है। बयान के अनुसार, ''सुजलॉन समूह ने आज जुनिपर ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड से 69.3 मेगावॉट पवन ऊर्जा परियोजना के विकास के लिए तीन मेगावॉट उत्पाद श्रृंखला का दूसरा ऑर्डर हासिल किया है।'' हालांकि, कंपनी ने इस ठेके की राशि का खुलासा नहीं किया है। सुजलॉन समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जे पी चलसानी ने कहा, ''हमें जुनिपर ग्रीन एनर्जी से पहले ऑर्डर और तीन मेगावॉट श्रृंखला के दूसरे ऑर्डर की घोषणा करते हुए काफी खुशी हो रही है।'' सुजलॉन हाइब्रिड लैटिस ट्यूबलर (एचएलटी) टावर के साथ 3.15 मेगावॉट की रेटेड क्षमता वाले 22 पवन टर्बाइन जनरेटर (डब्ल्यूटीजी) स्थापित करेगी। करार के तहत सुजलॉन पवन टर्बाइन (उपकरणों की आपूर्ति) की आपूर्ति करेगी और परियोजना का निर्माण और उसे चालू करने का काम करेगी।

एचडीएफसी बैंक ने अपने एजेंटों और भागीदारों के लिए डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म एचडीएफसी बैंक स्मार्ट साथी लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक, भारत का प्रमुख प्राइवेट सेक्टर बैंक ने एक नया डिजिटल डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म 'एचडीएफसी बैंक स्मार्ट साथी' लॉन्च किया है। ये एक ऐसा अत्याधुनिक बैंकिंग सॉल्यूशन है जो कि काफी मजबूत और डिजिटल फार्मेट पर बनाया गया है। यह प्लेटफॉर्म अपने सभी उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और उपयोग में आसान अनुभव प्रदान करता है। नया लॉन्च किया गया प्लेटफॉर्म एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों की तेजी से बदलती जरूरतों को पूरा करने वाले इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्रदान करने की दिशा में एक नई और बड़ी उपलब्धि है। यह प्लेटफॉर्म बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट्स (बीसी) और बिजनेस फैसिलिटेटर्स (बीएफ) को बैंक से जोडने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस का उपयोग करेगा। बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट्स और बिजनेस फैसिलिटेटर्स का यह नेटवर्क बैंकिंग उत्पादों और सर्विसेज को दूर-दराज के क्षेत्रों तक वित्तीय समावेशन (फाइनेंशियल इनक्लूजन) को प्रोत्साहित करेगा। इस प्लेटफॉर्म को डेवलप करने के लिए एचडीएफसी बैंक के सेमि-अर्बन और रूरल (अर्ध-शहर और ग्रामीण) इकोसिस्टम से प्राप्त अनुभव और इनसाइट्स का उपयोग किया गया है।

वित्तीय सेवा विभाग के सचिव श्री विवेक जोशी और सुश्री स्मिता भगत, ग्रुप हेड गवर्नमेंट एंड इंस्टीट्यूशनल बिजनेस, वैकल्पिक बैंकिंग चैनल और भागीदारी, समावेशी बैंकिंग समूह और स्टार्ट-अप, एचडीएफसी द्वारा दिल्ली में एचडीएफसी बैंक स्मार्ट साथी का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर वित्तीय सेवा विभाग के संयुक्त सचिव श्री मुकेश बंसल और एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी श्री दिनेश लूथरा और श्री अजय शर्मा भी उपस्थित थे। विवेक जोशी, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग ने कहा, इस तरह के डिजिटल प्लेटफॉर्म कैशलेस अर्थव्यवस्था और सच्चे डिजिटल वित्तीय समावेशन के भारत के दृष्टिकोण को पूरा करने में योगदान देंगे। एचडीएफसी बैंक स्मार्ट साथी बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं को उपलब्ध कराने में योगदान देगा, विशेष रूप से ग्रामीण ग्राहकों के लिए ऋण, जो हमारे देश के विकास में मदद करेगा। हालांकि, कैशलेस भारत को बड़ी सफलता बनाने के लिए मंडियों में लेन-देन करने वाले किसानों जैसे कुछ ग्राहक वर्गों में अभी भी व्यवहारिक परिवर्तन आवश्यक हैं। बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट इस व्यवहार परिवर्तन को लाने में मदद करेंगे।

सुश्री स्मिता भगत, समूह प्रमुख, सरकार और संस्थागत व्यवसाय, वैकल्पिक बैंकिंग चैनल और भागीदारी, समावेशी बैंकिंग समूह और स्टार्ट-अप, एचडीएफसी बैंक ने कहा, अगले 12 से 18 महीनों में हमारी शाखाओं और एजेंट नेटवर्क के संयोजन के माध्यम से दो लाख गांवों तक पहुंचने की योजना है। इस प्लेटफॉर्म का शुभारंभ इस उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रामीण भारत की समृद्धि, जहां हमारे लगभग 70 प्रतिशत लोग रहते हैं, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण को साकार करने का अभिन्न अंग है।

व्यापार प्रतिनिधियों ने परंपरागत रूप से मुख्य रूप से खाते खोलने और लेनदेन पर ध्यान केंद्रित किया है। एचडीएफसी बैंक स्मार्ट साथी, एक प्रमुख अंतर के रूप में, अपने एजेंटों को ऋण उत्पादों सहित 40 से अधिक बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने में सक्षम करेगा। यह एजेंटों के लिए आय बढ़ाने में मदद करेगा और ग्राहकों को आसान क्रेडिट तक पहुंचने में भी मदद करेगा। यह प्लेटफॉर्म एजेंटों के लिए क्षमता निर्माण और ग्राहकों के लिए वित्तीय साक्षरता को भी बढ़ावा देगा।

भोपाल में टॉपरैंकर्स द्वारा नए ऑफ़लाइन ज्यूडिशियरी बैच की शुरुआत

भोपाल। भारत का अग्रणी डिजिटल एजुकेशन प्लेटफॉर्म, टॉपरैंकर्स, 1 मई 2023 को अपने भोपाल केंद्र जो 7, जोन-सेकंड, स्टेट बैंक के पास, एमपी नगर में है द्य टॉपरैंकर्स, नए ऑफलाइन ज्यूडिशियरी बैच की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बैच में 80-120 छात्रों की क्षमता होगी और इसे पढ़ाने का काम शिखर के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू) के कुशल शिक्षक करेंगे। एक मजबूत नींव डालने के लिए, न्यायपालिका बैच में कानून की पढ़ाई के इच्छुक उम्मीदवारों को 800 घंटे से अधिक का इन-पर्सन लेक्चर दिया जाएगा, एक पर एक द्विसाप्ताहिक मेंटॉरशिप सत्र होंगे, 30 प्लस ज्यूडिशियरी की अध्ययन सामग्री होगी जिसमें थ्योरी और अभ्यास प्रश्न और बहुत कुछ शामिल हैं। ऑनलाइन और ऑफलाइन कक्षा के अनुभव के मिश्रण के साथ, बैच में 50 से अधिक मॉक टेस्ट और सबजेक्ट टेस्ट, उत्तर लिखने के अभ्यास के लिए पूर्ण-लंबाई वाली मासिक मुख्य परीक्षा, विशेषज्ञों से उत्तरों का व्यापक मूल्यांकन और पूर्ण प्रतिक्रिया और अपने किस्म का अनूठा पुस्तकालय और ज्ञान हासिल करने के बेहतर परिणाम के लिए छात्रों के लिए अध्ययन का जीवंत स्थान भी है।

इस बैच के परिचयात्मक विषय में भारतीय साक्ष्य अधिनियम शामिल होगा। बैच के पूरे पाठ्यक्रम को यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है कि छात्रों को विषय वस्तु की पूरी समझ हो और वे परीक्षा के दौरान अपने ज्ञान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर सकें। आगामी ज्यूडिशियरी बैच में छात्रों को होने वाले फायदों के बारे में विस्तार से बताते हुए टॉपरैंकर्स भोपाल सेंटर के केंद्र प्रमुख लोकेश मुले ने कहा, हमें भोपाल में अपने आगामी ज्यूडिशियरी बैच की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हमारा असाधारण पाठ्यक्रम, बेहद अनुभवी फैकल्टी और व्यापक अध्ययन सामग्री यह सुनिश्चित करेगी कि छात्रों को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी ज्यूडिशियरी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान किया जाए।

रुपए मूल्य में बॉन्ड जारी करने पर विचार करेगा एडीबी

नई दिल्ली , एजेंसी। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसात्सुगु असाकावा ने मंगलवार को कहा कि बैंक रुपए मूल्य में बॉन्ड जारी कर कोष जुटाने के विकल्प पर विचार करेगा। स्थानीय मुद्रा में कोष जुटाने से विदेशी मुद्रा विनिमय के स्तर पर होने वाला उतार-चढ़ाव कम होता है। असाकावा ने कहा, ''हम विदेशी मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव के जोखिम से बचने के लिए स्थानीय मुद्रा में वित्त पोषण को बढ़ावा देने को इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि निर्णय बाजार स्थिति, मांग और आपूर्ति पर निर्भर करेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व में बहुपक्षीय वित्त पोषण एजेंसी एडीबी ने देश में परियोजनाओं के वित्त पोषण को लेकर रुपये मूल्य में बॉन्ड जारी कर कोष जुटाया है। एशियाई विकास बैंक ने जनवरी 2021 में इंडिया आईएनएक्स के वैश्विक प्रतिभूति बाजार मंच पर 300 करोड़ रुपये मूल्य के 10 साल के मसाला बॉन्ड यानी रुपये मूल्य में बॉन्ड को सूचीबद्ध कराया था। इंडिया आईएनएक्स अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार है। यह गुजरात में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र- गिफ्ट सिटी में स्थित है।

असाकावा ने एडीबी के संचालन बोर्ड की 56वीं सालाना आम बैठक की शुरूआत के मौके पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारत में अगले पांच साल में 25 अरब डॉलर के निवेश को संचालन बोर्ड से मंजूरी मिलना बाकी है। इस बारे में अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है।

आईआईटी गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने उत्प्रेरक विकसित किया

गुवाहाटी, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने डॉ. अक्षय कुमार ए.एस.,एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग के नेतृत्व में, एक उत्प्रेरक विकसित किया है जो लकड़ी के अल्कोहल से हाइड्रोजन गैस छोड़ सकता है। इसमें कार्बन डाइऑक्साइड का कोई पार्श्व उत्पादन नहीं होता है। एक आसान और पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित प्रक्रिया होने के अलावा, विधि फॉर्मिक एसिड का उत्पादन करती है जो एक उपयोगी औद्योगिक रसायन है। यह विकास मेथनॉल को एक आशा जनक लिक्विड ऑर्गेनिक हाइड्रोजन कैरियर (एलओएचसी) बनाता है और हाइड्रोजन-मेथनॉल अर्थव्यवस्था की अवधारणा में योगदान देता है। जैसे-जैसे दुनिया जीवाश्म ईंधन के विकल्प खोजने की ओर बढ़ रही है, हाइड्रोजन गैस स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का सबसे अच्छा स्रोत बनी हुई है। वर्तमान में, हाइड्रोजन का उत्पादन या तो पानी के विद्युत रासायनिक विभाजन से होता है या अल्कोहल जैसे जैव-व्युत्पन्न रसायनों से होता है। बाद की विधि में, मेथनॉल सुधार नामक प्रक्रिया में उत्प्रेरक का उपयोग करके मिथाइल अल्कोहल से हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है। मिथाइल अल्कोहल से हाइड्रोजन के उत्प्रेरक उत्पादन में दो समस्याएं हैं ।पहला यह है कि इस प्रक्रिया में 300 डिग्री सेल्सियस की सीमा में उच्च तापमान शामिल है।

विश्व प्रत्यारोपण खेल पदक विजेता सम्मानित

नयी दिल्ली (एजेंसी)। 'द आर्गन रिसीविंग एंड गिविंग अवेयरनेस नेटवर्क' (आर्गन) भारत ने मंगलवार को पर्थ में पिछले महीने हुए विश्व प्रत्यारोपण खेलों में पदक जीतने वालों को सम्मानित करते हुए जर्मनी में 2025 में होने वाले इन खेलों में और पदक जीतने की उम्मीद जताई। भारत के 32 सदस्यीय दल ने 35 पदक जीते जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। ये खेल 15 से 21 अप्रैल के बीच हुए थे। आर्गन इंडिया की अध्यक्ष अनिका पाराशर ने कहा कि प्रत्यारोपण करा चुके मरीजों या अंगदान करने वालों की इन खेलों में भागीदारी विषमताओं से निपटने की मानवीय भावना की परिचायक है। विश्व प्रत्यारोप खेल महासंघ की भारत में प्रतिनिधि और आर्गन इंडिया की सीईओ सुनयना सिंह ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों की बढती भागीदारी से देश भर में अंगदान की मुहिम को बढावा मिला है।

चैंपियनशिप फाइनल से पहले टेस्ट में नंबर-1 बना भारत, ऑस्ट्रेलिया को लगा करारा झटका

दुबई (एजेंसी)। विश्व टैस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले भारतीय टीम को आईसीसी से खास तोहफा मिला है। आईसीसी द्वारा जारी की गई ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारत ने पहले स्थान पर कब्जा कर लिया है। भारत को 25 मैचों में 3031 पॉइंट्स मिले हैं. उसकी रेटिंग 121 है। इस तरह उसने टॉप की पोजीशन पर कब्जा कर लिया है। डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले टेस्ट का किंग बनना टीम इंडिया के लिए प्रोत्साहन करने जैसा है। वहीं ऑस्ट्रेलिया को करारा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया लंबे समय से पहले स्थान पर टिका हुआ था, लेकिन अब वह दूसरे स्थान पर आ चुका है। ऑस्ट्रेलिया के 23 मैचों के 2679 पॉइंट्स हैं। उसे 116 रेटिंग मिली है। वहीं इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है, जबकि दक्षिण अफ्रीका चौथे नंबर पर है। न्यूजीलैंड फिलहाल 5वें स्थान पर टिका हुआ है। सात जून से इंग?लैंड के द ओवल में खेला जाएगा। डब?ल?यूटीसी फाइनल भारत और ऑस?ट्रेलिया के बीच 7 जून से इंग?लैंड के द ओवल में खेला जाएगा, जो 11 जून तक चलेगा, लेकिन अगर बारिश के कारण इसमें बाधा आई तो 12 जून की तारीख को रिजर्व के तौर पर रखा गया है।

वनडे में नंबर तीन पर खिसकी – भारतीय टीम टी20 क्रिकेट में भी पहले स्थान पर काबिज है। यहां उसकी रेटिंग 267 की है, वहीं प?वाइंट्स 18, 445 हैं। इसके बाद नंबर दो पर इंग?लैंड है, जिसकी रेटिंग 261 है, इस लिस?ट में 255 की रेटिंग के साथ पाकिस?तान नंबर तीन पर है और दक्षिण अफ्रीका की टीम 253 की रेटिंग के साथ नंबर चार पर काबिज है। नंबर पांच पर न?यूजीलैंड है, जिसकी रेटिंग 253 की है। वनडे में हालांकि भारतीय टीम नंबर एक पर कब?जा नहीं कर पाई है, यहां पर ऑस?ट्रेलिया नंबर एक पर है, तो वहीं नंबर दो पर न?यूजीलैंड है। वन डे में ऑस?ट्रेलिया और न?यूजीलैंड की रेटिंग 113 है और टीम इंडिया की रेटिंग भी इतनी ही है। लेकिन इसके बाद भी ऑस?ट्रेलिया को नंबर वन की कुर्सी मिली है और भारतीय टीम नंबर 3 पर काबिज है।

बुकारेस्ट ग्रां प्री रैपिड शतरंज भारत के पेंटाला हरिकृष्णा को तीसरा स्थान

बुकारेस्ट ,रोमानिया (एजेंसी)। भारत के ग्रांड मास्टर और पूर्व विश्व जूनियर शतरंज चैम्पियन पेंटाला हरिकृष्णा नें बुकारेस्ट ग्रां प्री रैपिड शतरंज टूर्नामेंट में 10 राउंड के बाद 8.5 अंक बनाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया है हालांकि इतने ही अंक बनाने वाले रूस के मकसीम चिगेव और रोमानिया के बोगदान डेनियल के साथ वह पहले स्थान के लिए टाई की स्थिति पर थे पर टाईब्रेक के आधार पर मकसीम पहले तो डेनियल दूसरे और हरिकृष्णा तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में 21 देशो के 317 खिलाड़ियों नें भाग लिया था। हरिकृष्णा नें प्रतियोगिता में 8 जीत दर्ज की , एक मुक़ाबला ड्रॉ रहा जबकि उन्हे एक मात्र हार हमवतन 16 वर्षीय युवा खिलाड़ी रौनक साधवानी के हाथो मिली , रौनक 8 अंक बनाकर पांचवें स्थान पर रहे , अन्य भारतीय खिलाड़ियों में 8 अंक बनाकर प्रणीत वुपाला दसवें ,7.5 अंक बनाकर दुलीबाला चंद्रा 13वें ,7 अंक बनाकर प्रणव वी , प्रणव आनंद क्रमशः 20वे और 26वें स्थान पर रहे।

मैदान पर महाभारत

ये खिलाड़ी ना होता तो बात हाथ से निकल जाती...

हाथ खींचा और नौबत हाथापाई तक आ गई, गौतम गंभीर की इस हरकत पर भड़के विराट कोहली

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल 2023 के एक मुकाबले में उस वक्त सरगर्मियां बढ़ गईं, जब मैदान पर पहले विराट कोहली और नीवन उल हक और फिर बाद में कोहली और गौतम गंभीर के बीच गर्मागर्म बहस हो गई। इन दोनों ही मौकों पर विराट कोहली और विपक्षी टीम के खिलाड़ी और कोच आमने-सामने थे। इन मोमेंट्स को देखकर हर कोई हैरान था। कम से कम इंटरनेशनल क्रिकेटर्स से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जा सकती है। कोहली, गौतम गंभीर और नवीन उल हक पर इसके लिए जुर्माना भी लगाया गया है। पूरे मामले को देखेंगे तो कई बार ऐसा लगा कि विराट कोहली, नवीन उल हक और गौतम गंभीर के बीच यह बहस हाथापाई तक पहुंच जाएगी। यहां मैदान पर एक ऐसा खिलाड़ी मौजूद था, जिसने हर मौके पर विराट कोहली को समझाने की कोशिश की। यही नहीं, जब कोहली उल्टा उस पर भड़के तो वह बेहद आराम से उस मोमेंट को भी कवर करता नजर आया।

हाथ खींचा और दूर ले गए – वैसे तो विवाद के कई वीडियोज इंटरनेट पर आपको मिल जाएंगे। हमने भीविवाद की पूरी कहानीवाले आर्टिकल में आपको उसे दिखाने की कोशिश की है, लेकिन विराट और गौतम गंभीर के बीच हाथापाई वाली नौबत तो इस सीन के बाद ही शुरू हुआ, जो आपको नीचे नजर आ रहा है। इस वीडियो में साफतौर पर देखा जा सकता है कि मैच के बाद विराट लखनऊ के कैरेबियाई ऑलराउंडर काइल मेयर्स से सामान्य बातचीत कर रहे हैं, लेकिन उसी बीच लखनऊ के मेंटॉर गौतम गंभीर वहां पहुंचते हैं और मेयर्स का हाथ खींचकर उन्हें दूर ले जाते हैं, मानो वह यह कहना चाह रहे हो कि कोहली से बात करने की जरूरत नहीं है। इस एपिसोड के बाद कोहली और चिढ़ गए!

गंभीर के कंधे पर हाथ रखा और – विराट कोहली खुद को अपमानित महसूस करने लगे। शायद वह अपना पक्ष भी रखना चाहते थे। गौतम गंभीर को सफाई देना चाहते थे। बताना चाहते थे कि मैदान पर असल में हुआ क्या था? विवाद की शुरुआत कहां से हुई थी। मगर गौतम गंभीर काफी गुस्से में थे। वह विराट से बात करने के मूड में नहीं थे और बड़बड़ाते हुए वहां से जा रहे थे। इस बीच कोहली से रहा नहीं गया और उन्होंने इशारा करके गौतम गंभीर को अपने पास

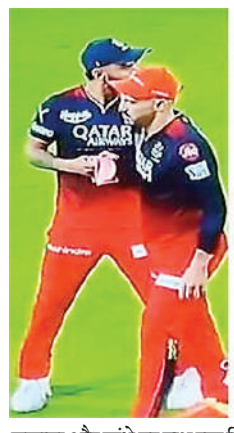

बुलाया और कंधे पर हाथ रख दिया। यह देखते ही आसपास खड़े खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ दोनों को दूर करने लगे। मगर विराट-गंभीर के बीच जुबानी जंग जारी रही।

अमित मिश्रा ने की विराट कोहली और गौतम गंभीर को शांत करने की कोशिश – जी हां, यहां बात हो रही है अमित मिश्रा की, जिन्हें क्रिकेट वर्ल्ड में मिश्रा जी भी कहा जाता है। दिल्ली में कोहली और गंभीर के साथी रहे अमित मिश्रा दोनों के ही करीबी माने जाते हैं। कोहली के साथ बचपन से उन्होंने क्रिकेट खेली है तो गंभीर उन्हें काफी पसंद करते हैं। जब कोहली और नवीन उल हक आमने-सामने थे तब भी अमित मिश्रा कोहली को समझाते नजर आए।

पिछली बार दिल्ली के ही रजत भाटिया ने किया था बीच बचाव – इसके बाद जब मैच खत्म हुआ और बात विराट कोहली और गंभीर के बीच बढ़ गई तब भी अमित मिश्रा ही थे, जो कोहली को खींचकर पीछे ले गए और मामले को शांत करने की कोशिश की। बहस के बीच यह भी अपने आप में रोचक था कि अमित मिश्रा ने इस पूरे विवाद को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। कुछ ऐसा ही रजत भाटिया नजर आए थे, जब कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान के तौर पर गंभीर और आरसीबी के स्टार विराट कोहली 2013 में आमने-सामने आ गए थे। यहां बता दें कि अमित मिश्रा की तरह रजत भाटिया भी दिल्ली से ही थे।

हम जो कुछ भी सुनते हैं वह एक राय है, तथ्य नहीं: विराट

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 1 मई, सोमवार को एकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ कम स्कोर वाले मुकाबले में जीत हासिल की। हालांकि, हंगामा उस समय देखने को मिला जब विराट कोहली और लखनऊ के मेंटर गौतम गंभीर के साथ लड़ाई हो गई। मैच समाप्ति के बाद गुजरात के गेंदबाज नवीन उल हक भी कोहली के साथ बहस करते दिखे, जिसका वीडियो सोशल मीडया पर खूब वायरल हो रहा है। इस घटना ने क्रिकेट जगत को शर्मसार कर दिया। वहीं कोहली ने पूरी घटना के बाद इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी के जरिए अपनी सफाई दी है। कोहली की इंस्टाग्राम स्टोरी सुर्खियां बटोर रही है, जहां वह अप्रत्यक्ष रूप से सच्चाई जाने बिना इस मामले पर अपनी राय देने वालों पर भड़ास निकालते दिख रहे हैं। कोहली ने स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, हम जो कुछ भी सुनते हैं वह एक राय है, तथ्य नहीं। जो भी आप देखते हैं वह नजरिया है सच्चाई नहीं। इसका साफ मतलब था कि उन्हें दूसरों की राय से कोई फर्क नहीं पड़ता।

ऐसी शर्मनाक हरकत बर्दाश्त नहीं... रातों-रात लिया बीसीसीआई ने लिए एक्शन

विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच बीती रात हुई लड़ाई के बाद सख्त एक्शन लिया गया है। आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए दोनों दिग्गजों की पूरी मैच फीस काट दी गई है जबकि नवीन-उल-हक को 50 फीसदी जुर्माना देना होगा। आईपीएल मीडिया रिलीज में कहा गया, लखनऊ सुपरजायंट्स के मेंटॉर गौतम गंभीर को आर्टिकल 2.21 के अंतर्गत लेवल-2 का दोषी पाया गया है। आरसीबी के मुख्य बल्लेबाज विराट कोहली भी इसी आरोप के दोषी पाए गए हैं।

किसकी कितनी फीस कटी?

विराट कोहली- 1.07 करोड़ (100 प्रतिशत)
गौतम गंभीर- 25 लाख (100 प्रतिशत)
नवीन-उल-हक- 1.79 लाख (50 प्रतिशत)

ठोका गया भारी जुर्माना

मैच के बाद, कोहली और गंभीर के बीच जमकर कहासुनी हो गई, जिसके बाद अमित मिश्रा, आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस और लखनऊ सुपरजायंट्स के सहायक कोच विजय दहिया को बीच बचाव करना पड़ा। बाद में कोहली को लखनऊ के कप्तान और अपने खास दोस्त केएल राहुल से बात करते भी देखा गया। इधर लखनऊ के दाएं हाथ के अफगान तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक पर भी आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है, जो मैच के बाद हाथ मिलाने के दौरान कोहली से बहस करते दिखे थे। मैच में भी विराट से उनकी तकरार हुई थी। नवीन को आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.21 के तहत लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया है।

'बेटा, तुम्हारे जन्म से पहले शतक लगा चुका हूं'

अफरीदी का भी हुआ था नवीन से तगड़ा पंगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली के साथ अपने विवाद के बाद सबसे ज्यादा सुर्खियों में हैं। सोमवार, 1 मई को, लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के मैच के बाद दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। यहां तक कि कोहली पर उनकी मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था, नवीन ने उनकी फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया। इस दौरान पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का दिसंबर 2020 का एक पुराना ट्वीट सामने आया है।

दरअसल, अफरीदी का भी नवीन के साथ पहले तगड़ा पंगा हो चुका है। हुआ ऐसा था कि साल 2020 में श्रीलंका प्रीमियर लीग के मैच में नवीन की पहले मोहम्मद आमिर और फिर अफरीदी से बहस हुई थी। गाले ग्लेडिएटर्स के 18वें ओवर में आमिर बैटिंग कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने नवीन की गेंद पर चौका लगा दिया था, जिसके बाद दोनों की मैदान पर बहस हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पारी खत्म होने के बाद अफरीदी ने नवीन से आकर कहा कि 'बेटा, तुम्हारे जन्म से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक लगा चुका हूं।'

फिर बाद में, अफरीदी ने नवीन को सलाह दी कि वे गाली-गलौज न करें और टीमों और विपक्षी खिलाड़ियों का सम्मान करें। अफरीदी ने ट्विटर पर लिखा था, युवा खिलाड़ी को मेरी सलाह सीधी थी, खेल खेलो और गाली-गलौज की बात मत करो। अफगानिस्तान टीम में मेरे दोस्त हैं और हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। टीम के साथियों और विरोधियों का सम्मान खेल की मूल भावना है।

अफरीदी के ट्वीट का जवाब देते हुए नवीन ने लिखा था, सलाह लेने और सम्मान देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, क्रिकेट सज्जनों का खेल है लेकिन अगर कोई कहता है कि आप सभी हमारे पैरों के नीचे हैं और उनके रहेंगे तो वह न केवल मेरे बारे में बात कर रहा है बल्कि मेरे लोगों के बारे में भी बात कर रहा है।

नवीन टी20 प्रारूप में एक अनुभवी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2017 से प्रारूप खेला है। 136 टी20 मैचों में, तेज गेंदबाज ने 8.01 की इकॉनमी रेट से 167 विकेट लिए हैं, जिसमें तीन चार विकेट और एक पांच विकेट लेने का कारनामा है। नवीन ने सितंबर 2016 से अफगानिस्तान के लिए सात वनडे और 27 टी20 मैच भी खेले हैं।

एटलेटिको मैड्रिड ने एक और जीत से रियाल मैड्रिड पर दबाव बनाए रखा

मैड्रिड (एजेंसी)। एटलेटिको मैड्रिड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एक और बड़ी जीत दर्ज की और स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में दूसरे स्थान के लिए रियाल मैड्रिड पर दबाव बनाए रखा। एटलेटिको ने रविवार को वल्लाडोलिड हो 5-2 से करारी शिकस्त दी जो उसकी पिछले नौ मैचों में आठवीं जीत है।

अंक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज एटलेटिको ने पहले हाफ में तीन और दूसरे हाफ के अंतिम क्षणों में दो गोल किए जिससे वह शहर के अपने प्रतिद्वंदी रियाल मैड्रिड से केवल दो अंक पीछे रह गया है जबकि अभी छह दौर के मैच होने बाकी हैं।

रियाल मैड्रिड ने शनिवार को अल्मेरिया को 4-2 से हराया था। इस जीत से एटलेटिको के 32 मैच में 66 अंक हो गए हैं जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 68 अंक हैं। बार्सिलोना 32 मैचों में 79 अंक लेकर शीर्ष पर काबिज है।

मुंबई इंडियंस की कड़ी परीक्षा, आज पंजाब किंग्स से होगी भिड़ंत

मोहाली (एजेंसी)। पिछले मैच में अप्रत्याशित जीत के बाद अपना अभियान पटरी पर लाने के प्रयासों में जुटी मुंबई इंडियंस की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को यहां होने वाले मैच में पंजाब किंग्स की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। मुंबई और पंजाब दोनों टीमों के लिए आगे के मैच काफी महत्वपूर्ण है। पांच बार का चैंपियन मुंबई पिछले सत्र में दसवें और आखिरी स्थान पर रहा था और इस बार भी उसकी स्थिति अच्छी नजर नहीं आ रही है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के आठ मैचों में आठ अंक है और वह सातवें स्थान पर है। ऐसे में एक हार से टीम के लिए आगे की राह कांटों भरी हो जाएगी।शिखर धवन की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स की टीम के नौ मैचों में 10 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। वह इस मैच में जीत दर्ज करके प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत करना चाहेगी। मुंबई का राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में अंतिम ओवर में मिली जीत से मनोबल बढ़ा होगा। सिंगापुर में जन्मे ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर टिम डेविड ने लगातार तीन छक्के जड़कर मुंबई को जीत दिलाई थी। उनकी 14 गेंदों पर खेली गई नाबाद 45 रन की पारी से राजस्थान रॉयल्स का सात विकेट पर 212 रन का स्कोर भी बौना साबित हो गया। भारत के टी20 विशेषज्ञ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव (55), ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन (44), इशान किशन (28) और तिलक वर्मा (नाबाद 29) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया लेकिन डेविड की पारी का कोई सानी नहीं था जिसमें उन्होंने पांच छक्के और दो चौके लगाए।

मुंबई को अपने खिलाड़ियों से पंजाब किंग्स के खिलाफ इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। पंजाब की टीम आक्रामक क्रिकेट खेलती है लेकिन उसके लिए सबसे बड़ी चिंता शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। कप्तान शिखर धवन और कुछ हद तक उनके सलामी जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह को छोड़कर पंजाब के अन्य बल्लेबाज अपेक्षित योगदान देने में नाकाम रहे हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में हालांकि उसके सभी बल्लेबाजों ने योगदान दिया था जो कि टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। पंजाब को यदि अपना विजय अभियान जारी रखना है तो धवन और प्रभसिमरन को अच्छी शुरुआत देनी होगी तथा मध्यक्रम में लियाम लिविंगस्टोन, सैम करेन और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को भी उपयोगी योगदान देना होगा।

आज लखनऊ सुपरजाइंट्स -चेन्नई सुपर किंग्स में रोमांचक मुकाबला

राहुल की चोट ने बढ़ाई लखनऊ की चिंता, सीएसके से मिलेगी कड़ी चुनौती

लखनऊ (एजेंसी)। कप्तान लोकेश राहुल और तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के चोटिल होने के कारण कमजोर पड़ी लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम को बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से सतर्क रहना होगा जो वापसी करने के लिए बेताब है। लखनऊ की टीम सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ 127 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.5 ओवर में 108 रन पर आउट हो गई थी। राहुल आरसीबी के खिलाफ इस मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी दाहिनी जांघ में चोट लगी है।

उनादकट रविवार को नेट्स पर गेंदबाजी करते समय फिसलकर चोटिल हो गए थे। इन दोनों खिलाड़ियों की चोट की गंभीरता का अभी तक पता नहीं चला है लेकिन राहुल आरसीबी के खिलाफ 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए थे। उन्होंने तीन गेंदों का सामना किया लेकिन वह अपना खाता नहीं खोल पाए थे। उनका चेन्नई के खिलाफ मैच में खेलना संदिग्ध है। काइल मायर्स, निकोलस पूरन, मार्कस स्टोइनिस और क्रुणाल पांड्या जैसे खिलाड़ियों ने लखनऊ की तरफ से पिछले मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन राहुल पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के खिलाफ अर्धशतक जड़ने के बाद रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। पंजाब किंग्स के खिलाफ 28 अप्रैल को खेले गए मैच में लखनऊ की टीम ने जहां शानदार प्रदर्शन करके जीत दर्ज की थी वही सोमवार को आरसीबी के खिलाफ उसकी टीम छोटे लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पाई थी। लखनऊ ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पांच विकेट पर 257 रन बनाकर 56 रन से जीत हासिल की थी। उस मैच में मायर्स, आयुष बडोनी, स्टोइनिस, पूरन, नवीन उल हक और यश ठाकुर सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया था

लेकिन आरसीबी के खिलाफ उसके सभी खिलाड़ी नाकाम रहे। लखनऊ की टीम दबाव में बिखर जाती है जो उसकी सबसे बड़ी कमजोरी है। वह अभी नौ मैचों में 10 अंक लेकर आईपीएल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है लेकिन आरसीबी से मिली हार के कारण उसका मनोबल गिरा होगा।

चेन्नई की टीम राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के हाथों मिली हार के बाद इस मैच में उतरेगी लेकिन उसकी वापसी करने की काबिलियत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उसकी इस सत्र में अधिकतर जीत में कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की भूमिका अहम रही तथा यदि बुधवार के मैच में राहुल नहीं खेल पाते हैं तो वह इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। चेन्नई की टीम बल्लेबाजी में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे पर काफी निर्भर है जिन्होंने टूर्नामेंट में अब तक 144.25 की स्ट्राइक रेट से 414 रन बनाए हैं। पंजाब के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने नाबाद 92 रन बनाए थे लेकिन उनकी टीम 200 रन के अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाई थी। रुतुराज गायकवाड, रविंद्र जडेजा और अजिंक्य रहाणे किसी भी दिन अच्छी पारियां खेलने में सक्षम है जबकि श्रीलंका के महेश तीक्ष्णा और मथीशा पथिराना गेंदबाजी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा टीम में जडेजा और मोईन अली जैसे अनुभवी स्पिनर भी हैं।

टीम इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपरजाइंट्स – केएल राहुल (कप्तान), आवेश खान, आयुष बडोनी, क्विंटन डी कॉक, कृष्णप्पा गौतम, अर्पित गुलेरिया, दीपक हुड्डा, प्रेरक मांकड़, काइल मायर्स, अमित मिश्रा, मोहसिन खान, नवीन-उल-हक, क्रुणाल पंड्या, निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, डेनियल सैम्स, करण शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मार्कस स्टोइनिस, स्वप्निल सिंह, जयदेव उनादकट, मनन वोहरा, मार्क वुड, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स– महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), आकाश सिंह, मोइन अली, भगत वर्मा, दीपक चाहर, डेवोन कॉनवे, तुषार देशपांडे, शिवम दूबे, रुतुराज गायकवाड़, राजवर्धन हैंगरगेकर, रवींद्र जडेजा, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, मथीशा पथिराना , ड्वेन प्रीटोरियस, अजिंक्य रहाणे, शैक रशीद, अंबाती रायडू, मिचेल सेंटनर, सुभ्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, बेन स्टोक्स, महेश तीक्ष्णा।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा।

संक्षिप्त समाचार

जेवर एयरपोर्ट के पास मकान और दुकान लेने का मौका, यमुना प्राधिकरण ने लॉन्च की फायदे वाली स्कीम

नई दिल्ली, एजेंसी। एनसीआर में आशियाना बनाने का सपना देख रहे लोगों के लिए खुशखबरी है। अब उन्हें जेवर एयरपोर्ट के पास दुकान और मकान लेने का एक और मौका मिलने जा रहा है। इस योजना की सबसे खास बात यह है इसमें पैसा भी एक साथ नही देना होगा।

यमुना प्राधिकरण ने ग्रुप हाउसिंग और व्यावसायिक भूखंडों (फुटप्रिंट) की योजना लॉन्च कर दी है। इन योजनाओं में तीन और पांच मई से आवेदन किया जा सकेगा। प्राधिकरण ने एकमुश्त भुगतान के बजाय तीन साल की किस्तों में भुगतान करने का विकल्प दिया है।

यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर-22ई में व्यावसायिक भूखंड की योजना लॉन्च की है। ये फुटप्रिंट के भूखंड हैं, यानि पूरे भूखंड में निर्माण किया जा सकेगा। इस योजना में सात भूखंड हैं। इनका आवंटन नीलामी के जरिये किया जाएगा। इसी तरफ प्राधिकरण ने ग्रुप हाउसिंग की योजना लॉन्च की है। इस योजना में तीन भूखंड हैं। योजना में आवेदन ऑनलाइन होंगे और नीलामी के जरिये आवंटन होगा।

अकाउंटेंट ने नौकरी से निकालने पर मैनेजर से लिया खौफनाक बदला, करतूत सीसीटीवी में हुई कैद

नई दिल्ली, एजेंसी। नौकरी से निकालने पर एक अकाउंटेंट द्वारा मैनेजर की स्कूटी पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का मामला सामने आया है। यह वारदात पास में ही लगे एक सीसीटीवी में कैद हो गई। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ सेक्टर-113 में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। शालीमार सिटी निवासी वैभव सिंह शहर के सेक्टर-112 स्थित केपीएस इंटरप्राइजेज में मैनेजर पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी में कमल सिंह निवासी दिल्ली अकाउंटेंट पद पर कार्यरत था, जिसे बीते दिनों चोरी करने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया था। 18 अप्रैल को कमल उनके एसकेए द्वितीय ऑफिस पर आया, जहां कंपनी ने उसका वेतन संबंधी पूरा हिसाब कर दिया था, लेकिन उसे दोबारा नौकरी की अनुमति नहीं दी गई। इसके विरोध में अगले दिन कमल दोबारा से उनके ऑफिस पर पहुंचा और परिसर में खड़ी उनकी स्कूटी पर पेट्रोल डाल आग लगा दी। पीड़ित ने घटना की सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध करा दिया है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दोस्त के घर फायरिंग का बदला लेने के लिए की थी ज्ञानेंद्र की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दोस्त के घर फायरिंग का बदला लेने के लिए पलवल के असावता गांव निवासी ज्ञानेंद्र की हत्या की गई थी। इस हत्याकांड के मुख्य आरोपित अजय उर्फ अज्जू को सोहना क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक पिस्तौल भी बरामद की गई। पुलिस पूछताछ में आरोपित अजय ने बताया कि कुछ महीने पहले उसके दोस्त भरत और ज्ञानेंद्र का झगड़ा हुआ था। इसके बाद ज्ञानेंद्र ने अपने साथियों के साथ भरत के घर पर फायरिंग की थी। इस हमले में भरत का परिवार बाल-बाल बच गया था। इसी का बदला लेने के लिए अजय मौका तलाशने लगा। 12 अप्रैल को जैसे ही उसे पता चला कि ज्ञानेंद्र लाखूवास गांव में एक फार्म हाउस पर आया है। अजय और उसके साथी तीन वाहनों से पहुंच गए। उन्होंने सरिया, हथौड़े और कुल्हाड़ी मारकर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस आयुक्त कार्यालय में सोमवार को एसीपी क्राइम प्रीतपाल ने पत्रकारों को बताया कि क्राइम ब्रांच के सब इंस्पेक्टर सत्यप्रकाश की टीम ने हत्या के बाद कई जगहों पर सर्च अभियान चलाया। इसके बाद 28 अप्रैल को मुख्य आरोपित 25 वर्षीय अजय को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली।

साफ्टवेयर इंजीनियर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, चर्म रोग से थे पीड़ित

नई दिल्ली, एजेंसी। सुशांत लोक एक में रह रहे 33 वर्षीय अमन पुरी ने रविवार रात अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह एक मल्टीनेशनल कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर थे। चर्म रोग से पीड़ित थे। बताया जाता है कि उसी से परेशान होकर उन्होंने जीवन लीला समाप्त कर ली। उनके माता-पिता महाराष्ट्र गए हुए थे। रविवार रात जब घरेलू सहायिका खाना बनाने के लिए पहुंची तो घर का दरवाजा खुला हुआ था। वह खाना बनाकर अमन पुरी का इंतजार करने लगी। जब काफी देर तक वह कमरे से नहीं निकले फिर उसने उनके पिता को फोन किया।

सीएम योगी डेली 4-5 जिलों में कर रहे सभा अखिलेश, मायावती का चुनाव प्रचार बेहाल

नईदिल्ली, एजेंसी। अगले साल यानी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले हो रहे यूपी निकाय चुनावों को हर राजनीतिक दल अपनी ताकत के प्रदर्शन का मौका मान रहा है। राजनीति में रुचि रखने वालों की भी इस पर नज़र है। ऐसे में सत्ताधारी बीजेपी और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के सबसे बड़े प्रचारकों (सीएम योगी आदित्यनाथ, पूर्व सीएम अखिलेश यादव और पूर्व सीएम मायावती) में से कौन कितना एक्टिव है इसकी भी चर्चा हो रही है। अब स्थिति यह है जहां सीएम योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम, प्रदेश अध्यक्ष, मंत्री, सांसद, विधायक समेत बीजेपी के तमाम बड़े नेता लगातार जिले-जिले में धुआंधार चुनावी सभाएं कर रहे हैं वहीं सपा और बसपा का चुनाव प्रचार बेहाल दिखता है। अखिलेश अभी एक दिन में दो से तीन जिलों को ही कवर कर रहे हैं वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने अभी तक चुनावी जनसभाओं की शुरुआत नहीं की है। बसपा का पूरा चुनावी प्रबंधन फिलहाल प्रत्याशी के व्यक्तिगत नेटवर्क पर टिका दिख रहा है।

वैसे बीजेपी के बारे में हमेशा से यह कहा जाता है कि वो हर चुनाव बड़ी गंभीरता से लड़ती है। यूपी निकाय चुनाव को लेकर भगवा पार्टी कितनी सीरियस है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जहां एक तरफ पार्टी के तमाम बड़े नेता जमकर प्रचार में जुटे हैं वहीं हाईकमान ने सभी सांसदों-विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र में बागियों को बिठाने, समझाने और पार्टी उम्मीदवार को जिताने का टारगेट भी दे रखा है। इसमें सांसद-विधायक की परफार्मेंश को आगे के लोकसभा चुनाव में दावेदारी के लिए अहम माना जा रहा है। वहीं समाजवादी पार्टी में अभी तक इस तरह के किसी टारगेट की चर्चा नहीं है। 2017 में बीजेपी से अपनी सत्ता गंवाने के बाद यूपी में लगातार हार का सामना कर रही सपा और पिछले विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट पर सिमट गई बसपा के लिए यूपी निकाय चुनाव बेहद अहम माने जा रहे हैं। संगठन खड़ा करने की कोशिश में जुटी आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के लिए भी ये अहम मौका है। राजनीति के जानकारों के मुताबिक यदि विपक्षी दल आने वाले चुनावों में बीजेपी को हराना चाहते हैं तो निकाय चुनावों में उन्हें बीजेपी से आगे दिखने और रहने की पूरी कोशिश करनी चाहिए थी लेकिन फिलहाल वे हर मामले में बीजेपी से पीछे दिख रहे हैं। खासकर मुख्य विपक्षी दलों में समाजवादी पार्टी मुखिया जहां अभी तक इक्का दुक्का जगहों पर ही प्रचार करते दिख रहे हैं वहीं मायावती घर में ही हैं। वे उम्मीदवार देकर निश्चिंत हो गई दिखती हैं।

लगातार धुआंधार प्रचार कर रहे योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ निकाय चुनाव के लिए लगातार धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। वह रोज चार से पांच जिलों को कवर कर रहे हैं। पिछले दो-तीन दिन के कार्यक्रमों को ही यदि देखें तो 29 अप्रैल को वाराणसी, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज और गोरखपुर में सीएम योगी ने जनसभाओं को सम्बोधित किया। 30 अप्रैल को वह कर्नाटक दौरे पर थे। एक मई को सीएम ने मुरादाबाद, प्रतापगढ़, जौनपुर, वाराणसी और गोरखपुर में जनसभाओं को सम्बोधित किया। आज यानी दो मई को भी प्रयागराज, झांसी और लखनऊ में सीएम योगी की धुआंधार जनसभाएं होनी हैं।

अखिलेश कितने सक्रिय

वहीं समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एक मई को लखनऊ में मेट्रो में सफर कर महापौर पद की सपा प्रत्याशी वंदना मिश्रा जी के लिए वोट की अपील की। इसके पहले 30 अप्रैल को वह गोरखपुर, संतकबीरनगर और देवरिया में थे। सपा प्रमुख ने सीएम योगी के गढ़ में बीजेपी को चुनौती देते हुए दावा किया कि वो निकाय चुनाव और उसके बाद अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनावों में हारेगी। समाजवादी पार्टी अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से लगातार अखिलेश की सभाओं, जनसंपर्क के फोटो-वीडियो शेयर कर रही है। इसके अलावा विभिन्न जिलों की नागरिक समस्याओं से सम्बन्धित खबरों की कतरनें पोस्ट कर भी सोशल मीडिया के जरिए बीजेपी की घेराबंदी में जुटी है। आज यानी मंगलवार को अखिलेश सहारनपुर में होंगे। वहीं सीएम योगी प्रयागराज, झांसी और लखनऊ में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करते दिखेंगे।

राहुल ने पीएम मोदी से पूछा, कर्नाटक में भ्रष्टाचार रोकने के लिए आपने क्या किया

बेंगलुरु, एजेंसी। चुनावी राज्य कर्नाटक में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अपना हमला जारी रखते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि वह कर्नाटक में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए उठाए गए सभी कदमों के बारे में बताएं। हासन में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, भाजपा ने पहले आपकी सरकार चुराई और फिर सरकार के जरिए आपके पैसे चुराए। अब यहां आकर पीएम भाषण देते हैं, लेकिन पिछले तीन वर्षों में कर्नाटक में जो भ्रष्टाचार हुआ है, उस पर कुछ नहीं बोलते। सच्चाई यह है कि उन्हें सब कुछ पता है।

राहुल गांधी ने सवाल किया, मैं उनसे पूछता हूं - आपने पिछले तीन वर्षों में कर्नाटक में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए क्या कार्रवाई की है आपने कितने लोगों पर कार्रवाई की उन्होंने कहा, कर्नाटक के किसी भी बच्चे से पूछिए - सरकार का नाम क्या है वह आपको 40 प्रतिशत सरकार बताएगा। यह सभी जानते हैं। ठेकेदार संघ ने पीएम को पत्र लिखकर 40 प्रतिशत कमीशन के बारे में बताया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। डिंगलेश्वर स्वामी जी का कहना है कि उनके मठ से 30 प्रतिशत कमीशन लिया गया था, कृपा करके उन्हें 10 प्रतिशत की छूट दी गई थी।

राहुल गांधी ने आगे कहा, मैसूर संदल साबुन कांड में एक भाजपा विधायक के बेटे को आठ करोड़ रुपये कैश के साथ पकड़ा गया था।

क्लब ग्रेसफुल यू ने बर्ड नेस्ट मेकिंग पर वर्कशॉप का किया आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। वार्ड-16 के क्लब ग्रेसफुल यू की ओर से रविवार (30 अप्रैल को) को वार्ड सीनियर सिटीजन पार्क में बर्ड नेस्ट मेकिंग पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अरुण विहार के 50 निवासियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में निवासियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान प्रसिद्ध नेस्ट मैन राकेश खत्री ने बताया कि कैसे और क्यों हमें अपनी पृथ्वी को बचाने के लिए छोटे पक्षियों की रक्षा करनी चाहिए। कार्यशाला के सफल आयोजन को लेकर आयोजकों ने सभी लोगों का धन्यवाद जताया।

तिहाड़ जेल में 19 दिन के अंदर 2 गैंगस्टर्स की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की तिहाड़ जेल में हुए गैंगवार में कुख्यात गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या कर दी गई। टिल्लू पर हुए जानलेवा हमले के बाद उसे दीन दयाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। जेल नंबर 8 में बंद योगेश टुंडा नाम के कैदी ने लोहे की ग्रिल से जेल नंबर 9 में बंद टिल्लू पर हमला किया था। तिहाड़ जेल अधिकारी ने बताया कि हाई-सिक्योरिटी वार्ड के ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाले टिल्लू ताजपुरिया पर गोगी गैंग से जुड़े चार कैदियों दीपक, योगेश, राजेश और रियाज खान ने उसी वार्ड की पहली मंजिल पर सुबह करीब 06.15 बजे लोहे की ग्रिल काटकर हमला किया। इन चारों ने लोहे की रॉड और सुए से टिल्लू पर लगातार हमला किया। ये चारों बदमाश जेल नंबर 9 की फर्स्ट फ्लोर पर बंद थे और इन्होंने ने लोहे की ग्रिल काटी और चादर की मदद से ग्राउंड फ्लोर पर कूदे, जहां हाई सिक्योरिटी जेल में बंद टिल्लू पर इन्होंने जानलेवा हमला किया।

हमलावरों द्वारा टिल्लू ताजपुरिया पर 40 से 50 वार किए गए थे। करीब 10 मिनट्स तक उस पर सुए से हमला होता रहा। इस दौरान जेल में टिल्लू ताजपुरिया को बचाने में राम निवास नाम के एक और कैदी पर हमला हुआ है, जो घायल है।

इन चारों हमलावरों- दीपक, योगेश, राजेश और रियाज का संबंध गोगी गैंग से था, जिसकी मैजूदा कमांड दीपक बॉक्सर के हाथ में थी, जिसे फिलहाल दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम मेक्सिको से गिरफ्तार करके भारत लाई थी और यह भी तिहाड़ जेल में ही बंद है। दीपक बॉक्सर के जेल जाने के बाद अब गोगी गैंग की कमान रोहित मोई संभाल रहा है। रोहित ने ही गोगी गैंग का बदला लेने का प्लान बनाया था।

जेल अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, दिल्ली के रोहिणी कोर्ट शूटआउट के आरोपी गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया पर प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों योगेश टुंडा और अन्य ने तिहाड़ जेल में हमला कर उसकी हत्या कर दी। गंभीर हालत में उसे दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। एडिशनल डीसीपी वेस्ट ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 7 बजे तिहाड़ जेल से डीडीयू अस्पताल लाए गए दो विचाराधीन कैदियों के संबंध में सूचना मिली थी।

नमें से एक सुनील उर्फ टिल्लू को बेहोशी की हालत में लाया गया था, बाद में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एक अन्य व्यक्ति रोहित का इलाज चल रहा है और वह खतरे से बाहर है।

बता दें कि, पिछले 19 दिन में तिहाड़ जेल में यह दूसरे गैंगस्टर की हत्या की है। इससे पहले पहले गैंगस्टर प्रिंस तेवतिया की भी हत्या कर दी गई थी। टिल्लू की इस हत्या को गोगी की हत्या के बदले के रूप में देखा जा रहा है।

संकटग्रस्त फर्स्ट रिपब्लिक बैंक की अधिकांश संपत्ति खरीद रहा जेपी मॉर्गन चेस

न्यूयॉर्क, एजेंसी। जेपी मॉर्गन चेस फर्स्ट रिपब्लिक बैंक की अधिकांश संपत्तियां खरीद रहा है और सोमवार को घोषित सौदे में सभी उधारदाताओं की जमा राशि को मान रहा है जिसे यूएस फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन द्वारा व्यवस्थित किया गया था। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, जेपी मॉर्गन ने कहा कि उसने परिसंपत्ति का पर्याप्त बहुमत हाह्यिसल कर लिया है और एफडीआईसी से फर्स्ट रिपब्लिक बैंक की जमा, बीमित और गैर-बीमाकृत, स्वतंत्र सरकारी एजेंसी है जो बैंक ग्राहकों के लिए जमा राशि का बीमा करती है। बैंक ने एक बयान में कहा, इस लेन-देन को पूरा करने में, जेपी मॉर्गन चेस अपनी महत्वपूर्ण शक्ति और निष्पादन क्षमताओं के माध्यम से अमेरिकी वित्तीय प्रणाली का समर्थन कर रहा है।

एफडीआईसी ने संकटग्रस्त फर्स्ट रिपब्लिक को अपने नियंत्रण में ले लिया और फिर तुरंत अपनी कई संपत्तियों और जमाओं की बिक्री की घोषणा की। यह ऋणदाता को देश के इतिहास में दूसरी सबसे बड़ी बैंक विफलता बनाता है। यह कदम बैंकिंग प्रणाली में उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाने के लिए संघीय नियामकों के नए प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे अब पिछले छह हफ्तों में तीन प्रमुख बैंक विफलताओं का सामना करना पड़ा है। सीएनएन ने बताया कि सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक दोनों को पिछले महीने एफडीआईसी ने अपने ग्राहकों द्वारा उन बैंकों पर चलाने के बाद ले लिया था। विशेष रूप से बड़े पैमाने पर अबीमाकृत जमा आधार वाले उन बैंकों के पतन ने अमेरिकी क्षेत्रीय बैंकों के स्वास्थ्य के बारे में हफ्तों की अटकलों को हवा दी।

लेन-देन के हिस्से के रूप में, आठ राज्यों में फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के 84 कार्यालय जेपी मॉर्गन चेस बैंक, नेशनल एसोसिएशन की शाखाओं के रूप में आज सामान्य व्यावसायिक घंटों के दौरान फिर से खुलेंगे। फर्स्ट रिपब्लिक, जिसने 1985 में एक एकल सैन फ्रांसिस्को शाखा के साथ परिचालन शुरू किया था, तटीय राज्यों में धनी ग्राहकों को खानपान के लिए जाना जाता है। मार्च के अंत तक इसकी संपत्ति 233 अरब डॉलर थी। सीएनएन ने बताया कि फेडरल रिजर्व की रैंकिंग के अनुसार, पिछले साल के अंत तक, यह देश का 14वां सबसे बड़ा बैंक था।

पेशावर में कानून व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिशों की खबरों के बीच धारा 144 लागू

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान में पेशावर के उपायुक्त ने कानून व्यवस्था बिगाड़ने के प्रयासों की विश्वसनीय रिपोर्ट के बाद शांति भंग को रोकने के लिए तीन मई तक तीन दिनों के लिए शहर में धारा 144 लागू कर दी है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 जिला प्रशासन को जनहित में आदेश जारी करने का अधिकार देती है, जो निश्चित अवधि के लिए किसी गतिविधि पर प्रतिबंध लगा सकता है।

30 अप्रैल की अधिसूचना में, पेशावर के उपायुक्त शाह फहद ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने विश्वसनीय जानकारी दी थी कि गैर-राज्य तत्व और शरारती तत्व जिले में कानून व्यवस्था और शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, और माहौल बिगड़ने से रोकने के लिए व्यापक जनहित में उपाय करने अनिवार्य हैं। डिप्टी कमिश्नर ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि शरारती तत्वों द्वारा आतंकवादी/उग्रवादी गतिविधि के माध्यम से किसी भी गैरकानूनी सभाओं का फायदा उठाने की कोशिश करने और दुर्घटना का कारण बनने की आशंका थी।

उन्होंने कहा- जो कोई भी आदेश का उल्लंघन करता पाया गया, उसके खिलाफ पीपीसी की धारा 188 के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। धारा 144 प्रतिबंध पुलिस द्वारा लागू किया जाता है जो प्रतिबंध के उल्लंघन के लिए पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 188 के तहत मामले दर्ज करता है। धारा 188 में अधिकतम छह महीने की जेल या जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पीटीआई ने शहर में मजदूर दिवस रैली की घोषणा की है, जिसका नेतृत्व पूर्व मंत्री परवेज खट्टक करेंगे।

क्वाड में नए सदस्य जोड़ने की फिलहाल कोई योजना नहीं: अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने सोमवार (स्थानीय समय) को साफ किया कि इस समय क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) में नए सदस्यों को जोड़ने की कोई योजना नहीं है। क्वाडके विस्तार पर मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने कहा, क्वाड की स्थापना दो साल पहले ही हुई है। क्वाड अभी भी एक अपेक्षाकृत युवा साझेदार है। इस समय नए सदस्यों को इसमें जोड़ने की कोई योजना नहीं है। पियरे ने कहा, क्वाड सदस्यों ने सहमति व्यक्त की है कि फिलहाल, क्वाड की कई ताकतों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाय। उन्होंने कहा, हालांकि,

क्वाड इंडो-पैसिफिक भागीदारों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ काम करने के अवसरों का स्वागत करता है, जैसे कि समुद्री डोमेन जागरूकता पर अपने इंडो-पैसिफिक भागीदारों के माध्यम से, जो क्षेत्र के चारों ओर अत्याधुनिक समुद्री डोमेन जागरूकता तकनीक प्रदान कर रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने कहा, क्वाड चार लोकतंत्रों का समूह है - भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान - जिसका उद्देश्य इंडो-पैसेफिक क्षेत्र को मुक्त, खुला और समृद्ध बनाए रखना है। इससे पहले, ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री एंथनी अल्बनीस ने घोषणा की कि वह 24 मई को सिडनी में क्वाड लीडर्स समिट की मेजबानी करेंगे।

गंभीर मानवीय संकट को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने राहत प्रमुख को भेजा सूडान

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। सूडान में 15 अप्रैल को भड़की हिंसा के कारण तेजी से बिगड़ते मानवीय संकट के आलोक में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस विश्व निकाय के आपातकालीन राहत समन्वयक मार्टिन ग्रिफिथ्स को देश में सूडान भेज रहे हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक के हवाले से एक बयान में कहा कि सूडान में जो कुछ भी हो रहा है, वह अभूतपूर्व है।

दुजारिक ने कहा, हम एक बार फिर संघर्ष के सभी पक्षों से नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे की रक्षा करने का आग्रह करते हैं, शत्रुता वाले क्षेत्रों से भाग रहे नागरिकों के लिए सुरक्षित मार्ग की अनुमति देते हैं, मानवीय कार्यकर्ताओं और संपत्तियों का सम्मान करते हैं, राहत कार्यों की सुविधा देते हैं,

और चिकित्सा कर्मियों, परिवहन और सुविधाओं का सम्मान करते हैं। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सूडानी सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच हिंसक झड़पों के बाद से 500 से अधिक लोग मारे गए हैं और चार हजार से अधिक अन्य घायल हो गए हैं। क्षेत्र की अपनी यात्रा से पहले जारी एक बयान में, ग्रिफिथ्स ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के दो सप्ताह बाद से, मानवीय स्थिति ब्रेकिंग प्वांइट पर पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि सबसे बुरी तरह प्रभावित शहरी केंद्रों, विशेष रूप से खार्तूम में लोगों के अस्तित्व के लिए आवश्यक सामान दुर्लभ होते जा रहे हैं, और परिवारों को पानी, भोजन, ईंधन और अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि हिंसा में घायल लोगों सहित तत्काल स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच गंभीर रूप से बाधित है, इससे मौत का खतरा बढ़ जाता है। ग्रिफिथ्स ने कहा कि वह यह पता लगाने के लिए इस क्षेत्र में जा रहे हैं कि लाखों लोगों को तत्काल राहत कैसे पहुंचाई जाए जिनका जीवन रातों-रात उलट गया है। हालांकि, इस संकट का स्पष्ट समाधान लड़ाई को रोकना है। नवीनतम विकास में, युद्धरत गुटों ने एक नए 72 घंटे के युद्धविराम के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं की घोषणा की है, जो रविवार आधी रात से प्रभावी है।

अमेरिका में दो लापता नाबालिग लड़कियों की खोज में घर की तलाशी के दौरान मिले 7 शव

लॉस एंजलिस एजेंसी। अमेरिका के ओकलाहोमा के एक ग्रामीण इलाके में प्राधिकारियों को दो लापता नाबालि लड़कियों की खोज में एक घर की तलाशी के दौरान सात लोगों के शव मिले। ओकलाहोमा प्रांत जांच ब्यूरो के प्रवक्ता गेराल्ड डेविडसन ने बताया कि शव सोमवार को ओकलाहोमा शहर से करीब 145 किलोमीटर पूर्व स्थित हेनरीटा नगर के समीप मिले। इस नगर की आबादी करीब 6,000 है। उन्होंने बताया कि सरकारी चिकित्सक को मृतकों की पहचान करनी होगी लेकिन प्राधिकारी अब लापता किशारों या वे जिस व्यक्ति के साथ थे, उसकी तलाश नहीं कर रहे हैं। ओकमुल्गी काउंटी के शेरिफ एडी राइस ने मृतकों की पहचान की पुष्टि करने, शव कहां मिले या वहां से बरामद किसी भी हथियार के बारे में बताने से इनकार कर दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129